खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 24 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-114

विधायक पीवी अनवर ने मांग की : सीएम विजयन ने समर्थन किया

गांधी उपनाम का प्रयोग करना बंद करें राहुल

तिरुअनंतपुरम, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

विपक्षी गठबंधन में शामिल केरल की सत्ताधारी पार्टी सीपीएम के विधायक पीवी अनवर ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चौथे स्तर का नागरिक बताया और कहा कि राहुल को अपने नाम के साथ गांधी उपनाम का उपयोग नहीं करना चाहिए। अनवर ने यह भी कहा कि राहुल गांधी का डीएनए टेस्ट करवाया जाना चाहिए। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने सीपीएम विधायक अनवर के बयान का पक्ष लिया और कहा कि राहुल गांधी को समझदारी से बोलना चाहिए। सीएम विजयन ने यहां तक कह दिया, मैंने सोचा था कि भारत यात्रा करने से राहुल गांधी में थोड़ी समझदारी विकसित होगी, लेकिन उन्होंने निराश किया है। राहुल अत्यंत अशोभनीय वक्तव्यों पर उतर आए हैं।

केरल के मलप्पुरम की नीलाम्बुर विधानसभा सीट से विधायक पीवी अनवर ने एक रैली में सोमवार 22 अप्रैल 2024 को कहा, राहुल गांधी चतुर्थ श्रेणी के नागरिक बन गए हैं। उनको अपने नाम में गांधी नहीं लगाना चाहिए। राहुल जो बयान दे रहे हैं, क्या नेहरू परिवार का कोई आदमी ऐसा बयान दे सकता है? मुझे शक है, राहुल का डीएनए टेस्ट होना चाहिए। अनवर ने कहा कि राहुल गांधी चौथे दर्जे के व्यक्ति हैं, उन्हें केवल राहुल कहना चाहिए वो गांधी सरनेम इस्तेमाल करने के लायक नहीं हैं। पीवी अनवर का यह बयान राहुल गांधी के एक बयान के जवाब में था। राहुल गांधी ने केरल में कांग्रेस के लिए प्रचार करते समय मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर प्रश्न उठाए थे। राहुल गांधी ने कहा था कि देश के दो मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन विजयन अब भी बचे हुए हैं। उन्होंने कहा था कि मैं 24 घंटे भाजपा की आलोचना करता हूं और विजयन 24 घंटे मेरी आलोचना करते हैं, यह समझ से बाहर है। केरल की चुनावी रैलियों में सीएम विजयन पर बार-बार हमला बोलते हुए राहुल गांधी यह कहते रहे कि अगर एक पूर्व मुख्यमंत्री (हेमंत सोरेन) और एक मुख्यमंत्री (अरविंद केजरीवाल) ▶9पर

- राहुल गांधी के डीएनए की जांच कराई जाए
- पं. नेहरू की नस्लें क्या ऐसी भाषा बोलेंगी?

सीपीएम विधायक अनवर को कांग्रेस ने गोडसे बताया

तिरुअनंतपुरम, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

राहुल गांधी पर पीवी अनवर के डीएनए वाले बयान के बाद केरल में काफी हलचल मच गई है। कांग्रेस नेताओं ने सीपीएम नेताओं पर हमला बोला है। कांग्रेस ने इस मामले में चुनाव आयोग से शिकायत भी की है। कांग्रेस ने पीवी अनवर पर पुलिस कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि अनवर का यह बयान सीएम विजयन की शह पर आया है। इसके साथ ही कांग्रेस सीपीएम पीवी अनवर को गोडसे बता कर राहुल गांधी को महात्मा गांधी से तुलना करने की भी धृष्टता कर रही है।

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के कार्यवाहक अध्यक्ष एमएम हसन ने शिकायत दर्ज कराई और कहा कि अनवर गोडसे का अवतार है, जिसने महात्मा गांधी की हत्या की थी। ▶9पर

राजस्थान में टोंक-सवाई माधोपुर की जनसभा में बोले प्रधानमंत्री मोदी

राम-हनुमान के विरोधी मुसलमानों को दे रहे आरक्षण!

टोंक (राजस्थान), 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान के टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट पर प्रचार के लिए पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हनुमान जयंती पर बजरंग बली की जय के साथ भाषण की शुरुआत की और राम एवं हनुमान विरोधी कांग्रेस को जमकर धोया। प्रधानमंत्री ने कर्नाटक की एक घटना का जिक्र भी किया कि कांग्रेस की सरकार में कैसे एक व्यापारी को हनुमान चालीसा सुनने पर पीट-पीटकर लहुलूहान कर दिया गया। पीएम मोदी ने कहा, जहां-जहां कांग्रेस की सत्ता है, वहां हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह हो गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे गदा देकर बजरंग बली की जय करने का अवसर दे दिया। मुझे शूरवीरों की धरती सवाई माधोपुर आने का मौका मिला। चुनाव के दिन हैं, एक-एक दिन में दो-तीन राज्यों में जाना होता है। यहां समय में थोड़ा परिवर्तन करना पड़ा। मुझे लगता है कि मेरी सभा के बाद भी यहां लोग आते रहेंगे। मैं इनमें उत्साह देख रहा हूं। उसमें एक मजबूत भारत के लिए आशीर्वाद है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2011 में कांग्रेस ने एससी-एसटी को मिला अधिकार छीनकर मुस्लिमों को देने का प्रयास किया। कांग्रेस ने संविधान की परवाह नहीं की, बाबा साहब अंबेडकर की परवाह नहीं की। जब कर्नाटक में भाजपा की सरकार बनी तो पहला काम किया कि धार्मिक आधार पर आरक्षण खत्म कर दिया। कांग्रेस और इंडी अलायंस जब सत्ता में थे तो ये लोग दलितों और पिछड़ों के आरक्षण में सेंधमारी करते और वोट बैंक पॉलिटिक्स के लिए उनकी खास जमात को आरक्षण देना चाहते थे। संविधान इसके खिलाफ है। मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस यह ऐलान करेगी कि इस संविधान में दलितों और पिछड़ों के आरक्षण को कम करके मुसलमानों को नहीं बांटेगी?

पीएम मोदी बोले कि देश में धार्मिक आधार पर आरक्षण का घोर विरोध हुआ था। कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि ▶9पर

- एससी-एसटी-ओबीसी का अधिकार छीनकर मुस्लिमों को दे रहे
- कर्नाटक और आंध्र में धर्म के आधार पर आरक्षण क्यों दिया?

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने मुस्लिम तुष्टिकरण का खेला गंदा कार्ड

आरक्षण देने के लिए पूरे मुस्लिम समुदाय को ओबीसी बना दिया

- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने कर्नाटक सरकार के फैसले की निंदा की
- सरकार का फैसला संविधान विरोधी और सामाजिक न्याय के खिलाफ

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने मुसलमानों को राज्य सेवाओं में होने वाली भर्तियों में आरक्षण का लाभ देने और मुस्लिम बच्चों को शिक्षण संस्थानों में विशेष दाखिला देने के इरादे से मुस्लिम तुष्टिकरण का गंदा कार्ड खेला है। इसके लिए कर्नाटक सरकार ने पूरे मुस्लिम समुदाय को ही पिछड़ा वर्ग घोषित कर दिया है। विडंबना यह है कि इस फैसले पर मुस्लिम समुदाय की तरफ से कोई आपत्ति भी दर्ज नहीं की गई है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण की सुविधा देने के लिए पूरे मुस्लिम समुदाय को पिछड़ी जाति में वर्गीकृत करने के राज्य सरकार के फैसले की निंदा की है। आयोग ने कर्नाटक सरकार की इस कार्रवाई की आलोचना करने हुए कहा है कि इस तरह का वर्गीकरण सामाजिक न्याय के उसूलों को कमजोर करता है। एनसीबीसी ने कर्नाटक सरकार के इस फैसले को पूरी तरह संविधान विरोधी करार दिया है। कर्नाटक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, मुस्लिम समुदाय की सभी जातियों और तबकों को पिछड़े वर्गों की राज्य सूची में अगल कैटेगरी बनाकर सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के तौर पर लिस्टेड किया गया है। एनसीबीसी ने कई इलाकों का दौरा कर तालीमी इदारों और सरकारी नौकरियों में ओबीसी के लिए रियासत की रिजर्वेशन पॉलिसी का जायजा लिया था। एनसीबीसी ने सोमवार रात एक बयान में कहा कि, कर्नाटक में मुस्लिम धर्म की सभी जातियों और तबकों को ▶9पर

राहुल प्रलाप पर पुरी का करारा जवाब

अब तक 35 उम्मीदवार निर्विरोध जीते

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के निर्विरोध जीतने पर राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जनता से अपना नेता चुनने का अधिकार छीनना संविधान खत्म करने की तरफ बढ़ाया गया कदम है। राहुल गांधी के आरोप पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पलटवार किया है और बताया कि देश के संसदीय इतिहास में ये पहली बार नहीं है कि किसी को निर्विरोध संसद के लिए चुना गया हो, इससे पहले 35 उम्मीदवार निर्विरोध जीत चुके हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, सूरत का चुनाव पहला नहीं है, जहां संसद का निर्विरोध चुनाव हुआ है। देश की आजादी के बाद से 35 उम्मीदवार संसद के लिए निर्विरोध चुने जा चुके हैं। एक बार फिर बिना पूरी जानकारी के राहुल गांधी ने टिप्पणी की है। ▶9पर

मुर्शिदाबाद में रामनवमी पर हुई हिंसा पर कलकत्ता हाईकोर्ट सख्त नाराज

जहां हिंसा हुई वहां चुनाव की अनुमति नहीं

कोलकाता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

रामनवमी के दिन पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग से बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव स्थगित करने को कहा है। अदालत ने सख्त लहजे में कहा, यदि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद दो समूहों के लोग लड़ रहे हैं तो एक-दूसरे को अपने प्रतिनिधि को वोट देने का कोई हक नहीं है। हिंसा मामले की एनआईए से जांच कराने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग से चुनाव स्थगित करने का आग्रह किया। याचिका पर अगली सुनवाई 26 अप्रैल को होगी।

हाईकोर्ट ने कहा कि चुनाव 7 मई और 13 मई को हैं। हम कहेंगे कि चुनाव कराने ही नहीं चाहिए। चुनाव का क्या फायदा? कोलकाता में भी 23 स्थान ऐसे हैं, जहां जश्न मनाया गया लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। यदि आचार संहिता लागू होने पर ऐसा हो रहा है, तो राज्य पुलिस क्या करती है? केंद्रीय बल क्या कर रहे हैं? दोनों झड़पों को रोक नहीं सके। अब तक कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है? इस पर राज्य की तरफ पेश हुए वकील ने कहा कि सीआईडी ने अब जांच अपने हाथ में ले ली है।कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सख्ती से कहा कि वह उन निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव की अनुमति नहीं देगा, जहां रामनवमी के दौरान सांप्रदायिक हिंसा हुई थी। अदालत ने कहा, अगर लोग आठ घंटे शांति से किसी भी पर्व का आनंद और जश्न नहीं मना सकते, तो हम चुनाव आयोग को ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव नहीं कराने की सिफारिश करेंगे। हाईकोर्ट ने हिंसा पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से हलफनामा दाखिल करने को भी कहा है। इसके साथ ही कोर्ट ने चुनाव आयोग से मौजूदा स्थिति को देखते हुए बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव स्थगित करने को कहा। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि वह उन निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव की अनुमति नहीं देगा, जहां रामनवमी के दौरान सांप्रदायिक हिंसा हुई थी।

मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणम की अध्यक्षता वाली पीठ की यह टिप्पणी 17 अप्रैल को रामनवमी जुलूस के दौरान मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पर सुनवाई के दौरान आई। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि लोग शांति और सद्भाव में नहीं रह सकते हैं, ▶9पर

- चुनाव आयोग से बरहामपुर में चुनाव स्थगित करने को कहा
- हाईकोर्ट के प्रस्ताव पर चुनाव आयोग के निर्णय का इंतजार

एमडीएच और एवरेस्ट मसाला कंपनियों पर संकट

सिंगापुर और हांगकांग ने लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

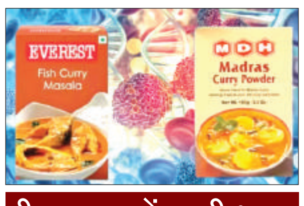

बीच-बचाव में उतरी भारत सरकार, ब्यौरा तलब

दुनिया में मसालों के सबसे बड़े उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक भारत ने सिंगापुर और हांगकांग के खाद्य सुरक्षा नियामकों से दो भारतीय कंपनियों के मसाला उत्पादों से जुड़े विवाद पर संबंधित ब्यौरा मांगा है। सरकार ने दोनों देशों में मौजूद दूतावासों को इस मामले में रिपोर्ट भेजने को कहा है। सिंगापुर और हांगकांग ने हाल ही में गुणवत्ता संबंधी चिंताओं के कारण एमडीएच और एवरेस्ट कंपनियों के कुछ मसाला उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय ने इन दोनों देशों में मौजूद भारतीय दूतावासों को इस मामले पर एक विस्तृत रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया है। मंत्रालय ने प्रतिबंध के लपेटे में आने वाली दोनों कंपनियों एमडीएच और एवरेस्ट से भी विवरण मांगा है। उनके उत्पादों में मान्य सीमा से अधिक कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड होने के कारण प्रतिबंध लगाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, कंपनियों से विवरण मांगा गया है। भारतीय मसाला उत्पादों को नकारे जाने के मूल कारण का निदान किया जाएगा और संबंधित निर्यातकों के साथ मिलकर उसका समाधान किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि सिंगापुर और हांगकांग स्थित दूतावासों से इस संबंध में तकनीकी विवरण, विश्लेषणात्मक ▶9पर

राम मंदिर से रामसेतु तक भगवा फहराने की पहल

तमिलनाडु बनेगा उत्तर दक्षिण का सेतु!

चेन्नई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

चढ़ती गर्मी के साथ लोकसभा चुनाव प्रचार में भी ताप चरम पर है। देश की जनता बेसब्री से मतदान का इंतजार कर रही है। इस बार भाजपा को दक्षिण भारत से बहुत उम्मीदें हैं, खासकर तमिलनाडु में, जहां उसके खाते में एक भी लोकसभा सीट नहीं है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अन्नाद्रमुक के साथ गठजोड़ कर चुनाव लड़ा था और 37 सीटों पर अन्नाद्रमुक और एक सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। लेकिन 2019 में यह सीट भी भाजपा के हाथ से निकल गई। इस बार भाजपा का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन नहीं है। पार्टी ने पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के साथ गठबंधन किया है और वह पहली बार राज्य में गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। इस चुनाव में भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है और उसे पूरी उम्मीद है कि वह राज्य में अपने ऊपर लगे उत्तर भारत की पार्टी के ठप्पे को हटा सकेगी।

भाजपा इस बार तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत हासिल कर सकती है। यह सब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई के कारण संभव होता दिख रहा है। आईपीएस अधिकारी रहे अन्नामलाई का कद प्रदेश की राजनीति में बहुत तेजी से बढ़ा है और आज वे एमके स्टालिन के बाद तमिलनाडु के दूसरे सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में उभरे हैं। भले ही अन्नामलाई का यह पहला लोकसभा चुनाव है, लेकिन उन्होंने जिस तरह से राज्य में अपनी पकड़ बनाई है, उससे भाजपा के लिए उम्मीद बंधी है। उनके गतिशील नेतृत्व में भाजपा ने एन मन, एन मक्कल (मेरी भूमि, मेरे लोग) पदयात्रा के माध्यम से जनता के साथ एक अद्वितीय जुड़ाव स्थापित किया है। ▶9पर

जूझारू अन्नामलाई और असरदार मोदी-शाह का पूरा जोर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39^0
न्यूनतम : 26^0

सीएम यादव पहुंचे नरसिंहपुर:कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा-

वे राम को ही नहीं मानते तो हनुमान को क्या मानेंगे

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को नरसिंहपुर के जनपद मैदान में पहुंचे, जहां उन्होंने आमसभा को संबोधित करते हुए नर्मदापुरम-नरसिंहपुर लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के पक्ष में प्रचार किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के न्योते को स्वीकार न करने पर उन्होंने कांग्रेस को नालायक बताया। सीएम ने कहा कि जिनकी बुद्धि कमजोर है वे अगर राम जी को ही नहीं मानते तो हनुमान जी को क्या मानेंगे। कांग्रेस के लोगों को माफी मांगना चाहिए। भगवान राम के मामले में सुप्रीम कोर्ट फैसला दे दे फैसले के बाद भी भगवान राम के मंदिर के निमंत्रण को ठुकरा ओगे। इसके बाद क्या करेंगे आप लेकिन करने वाले कौन है। यह कांग्रेस वाले! मोहन यादव बोले की अब यह तो गलती कर चुके हैं, उंगली उठाईये और उंगली में सुदर्शन चक्र धारण कर 26 तारीख को अपनी उंगली पर सुदर्शन चक्र धारण कर कांग्रेस का सर्वनाश कीजिए।

कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए- मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी तरह के संसाधनों पर हक देश के सभी वर्ग के लोगों का है। कांग्रेस ने मेनिफेस्टो में वर्ग विशेष के लिए संसाधनों पर हक की बात लिखकर निंदनीय काम किया है। इसके लिए कांग्रेस को देश के सभी वर्ग के लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

फसल कटाई के कारण पहले दौर में कम वोटिंग

वोटिंग कम होने को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार अप्रैल में चुनाव हुए हैं जबकि पिछले लोकसभा चुनाव में मई में वोटिंग हुई थी। इस समय फसल कटाई का दौर चल रहा है और शादी विवाह का सीजन भी है। इसलिए वोटिंग कम हुई है। साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के प्रचार में न आने को लेकर कहा कि वे प्रचार करने जाएंगी। पीएम मोदी के भोपाल आने को लेकर कहा कि हम चुनाव लड़ रहे हैं तो जनता के बीच वोट मांगने के लिए आना पीएम मोदी की विनम्रता का परिचायक है।

पवन कल्याण ने पिथापुरम विधानसभा क्षेत्र से दाखिल किया नामांकन पत्र

काकीनाडा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जन सेना पार्टी के प्रमुख व फिल्म अभिनेता पवन कल्याण ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश में पिथापुरम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। कल्याण ने अपने भाई कोनिडेला नागाबाबू, पूर्व विधायक वर्मा और अपने वकील के साथ निर्वाचन अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर रामसुंदर रेड्डी को अपना नामांकन पत्र सौंपा। उन्होंने सुबह गोलाप्रोलु में अपने कैंप कार्यालय से रैली शुरू की, जो गोलाप्रोलु प्रवेश राजमार्ग, राजमार्ग, गोलाप्रोलु एमआरओ कार्यालय, पुराना बस्टैंड, पिथापुरम कैटल शेडी, चर्च सेंटर, पिथापुरम नया बस स्टैंड, उप्पाडा बस स्टैंड, सरकारी अस्पताल, पुलिस स्टेशन रोड और पडगया क्षेत्र से होकर गुजरी।

रैली पडगया में समाप्त हुई, जहां से वह निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय गए और अपना नामांकन दाखिल किया। चिलचिलाती धूप के बावजूद श्री कल्याण की रैली के दौरान पूरे रास्ते में लोगों की हुजूम उमड़ी और समर्थकों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

विशाखापत्तनम बनेगा आंध्र का भाग्य: जगन

विशाखापत्तनम, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि भाग्य का शहर विशाखापत्तनम, प्रदेश का भाग्य बनेगा और बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों से प्रतिस्पर्धा करेगा। मुख्यमंत्री ने अपनी मेमंथा सिद्धम यात्रा के तहत यहां वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करते हुए कहा कि शहर में अन्य क्षेत्रों के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र भी तेजी से विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा, अगर मुख्यमंत्री विशाखापत्तनम से काम करेंगे तो शहर सीधे तौर पर अन्य मेट्रो शहरों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। श्री रेड्डी ने कहा कि वह कुछ पक्षपाती क्षेत्रीय मीडिया द्वारा समर्थित विपक्षी गठबंधन तेलुगुदेशम पार्टी (तेदेपा) जन सेना पार्टी (जेएसपी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ रहे हैं। वाईएसआरसीपी प्रमुख ने कहा, लेकिन मैं लड़ाई में अकेला नहीं हूं क्योंकि मुझे आप, सोशल मीडिया योद्धाओं का समर्थन प्राप्त है। मुख्यमंत्री ने पार्टी के मीडिया और सोशल मीडिया समन्वयक सज्जला भार्गव रेड्डी से उन्हें सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के मुद्दों पर हर हफ्ते एक रिपोर्ट देने के लिए भी कहा। श्री रेड्डी ने कहा, हम आश्वासन दे रहे हैं कि पूरी पार्टी हर निर्वाचन क्षेत्र, मंडल और गांव में आपके पीछे है। उन्होंने सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं से राज्य में आगामी आम चुनावों में सभी विधानसभा और लोकसभा सीटें जीतने की दिशा में काम करने को भी कहा।

ओड़ीशा में एक करोड़ रूपए की ड्रग्स जब्त

अंगुल, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

ओडिशा में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की ब्राउन शुगर ड्रग्स जब्त की गई है। इस मामले में ओडिशा के अंगुल जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार एक खबरी से यह जानकारी मिली थी, जिसके बाद स्पेशल टास्क फोर्स और ओडिशा पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान चलाया गया।

मौके से 1.1 किलोग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई। गिरफ्तार किए गए तस्करों का नाम रकीबुल इस्लाम और बिजय बिरबर्मा बताया गया है। रकीबुल पश्चिम बंगाल का रहने वाला है, जबकि बिजय बिरबर्मा अंगुल जिले का ही रहने वाला है।

मेघालय में सामुहिक दुष्कर्म के तीन आरोपी गिरफ्तार

शिलॉन्ग, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मेघालय के शिलॉन्ग में हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन पर शिलॉन्ग की एक व्लॉगर के साथ सामूहिक दुष्कर्म का आरोप है।

व्लॉगर ने 20 अप्रैल को पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता एक गेम व्लॉगर है, जिसके यू-ट्यूब पर 75 हजार से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं और इंस्टाग्राम पर एक लाख से ज्यादा फॉलोवर हैं। पीड़िता के अनुसार उसके दोस्त ने उसे पहले ड्रग्स दी और इसके बाद उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। तीनों आरोपियों की उम्र 18 से 20 साल के बीच बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में जांच लगातार जारी है।

दिल्ली मेट्रो में अजीब घटना

सीट नहीं मिली, सरेआम आदमी की गोद में बैठ गई महिला

नई दिल्ली . सोशल मीडिया पर दिल्ली मेट्रो का एक और वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में एक महिला सीट नहीं मिलने पर एक व्यक्ति की गोद में जबरिया बैठ जाती है। गोद में बैठते हुए वह कहती है कि हमें क्या, हम भी बेशरम बन जाएंगे, इनको तो रात में पता चलेगा। सोशल मीडिया पर ट्रेंड कराए गए वीडियो में दिल्ली मेट्रो में खचाखच भीड़ वाले एक कोच में एक महिला को जगह के लिए मशक्कत करते देखा जा सकता है। महिलाओं की सीट पर भी काफी संख्या में पुरुष यात्री बैठे हैं। उसी समय महिला, सीट पाने की कोशिश करती है। महिला, अपनी सीट खाली करने के लिए कहती है लेकिन कोई राजी नहीं होता है। इसके बाद बेझिझक वह एक आदमी की गोद में बैठ जाती है। महिला बैठते हुए कहती है कि 'हमें क्या, हम भी बेशरम बन जाएंगे।' महिला कहते सुनी जा सकती है 'हमें फर्क नहीं पड़ता।

आर्मी चीफ बोले-

मौजूदा वैश्विक हालात में फिर बढ़ी है हार्ड पावर की अहमियत

नई दिल्ली। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे मंगलवार को एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज के वैश्विक हालात में किसी भी देश की हार्ड पावर की अहमियत फिर से बढ़ी है। भारत की हार्ड पावर को आकार देने में आत्मनिर्भरता कैसे अहम भूमिका निभा रही है, इस पर आर्मी चीफ ने अपने विचार रखे। अपने संबोधन में थलसेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने कहा कि %मौजूदा भू-रणनीतिक परिदृश्य में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। हाल की भू राजनीतिक गतिविधियां बताती हैं कि जहां भी राष्ट्रीय हितों को लेकर चिंताएं उभरेंगी, देश युद्ध से भी पीछे नहीं हटेंगे।

भारत ने 250 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली मिसाइल का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत ने अंडमान में 250 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली नई बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। भारतीय वायु सेना की हवा से प्रक्षेपित यह बैलिस्टिक मिसाइल 250 किलोमीटर से अधिक दूरी के लक्ष्य को भेद सकती है।अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना द्वारा परीक्षण की गई मिसाइल इस्राइल मूल की क्रिस्टल मेज 2 एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल है जिसे रॉक्स (ठजउघड) के नाम से भी जाना जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ सूत्रों ने एएनआई को बताया कि अंडमान में द्वीप के क्षेत्र में एक परीक्षण रेंज में पिछले हफ्ते सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू जेट द्वारा मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था। अंडमान एवं निकोबार तीनों सेनाओं की कमान के तहत आने वाले इलाके में परीक्षण की तैयारियां की गई। भारतीय वायु सेना अब मेक इन इंडिया के माध्यम से बड़ी संख्या में इन इस्राइली मिसाइलों को हासिल करने की योजना बना रही है क्योंकि यह देश को एक अनूठी क्षमता प्रदान करती है।

भारतीय वायुसेना द्वारा सुखोई-30 लड़ाकू विमान से दागी गई यह मिसाइल ऊपर की ओर यात्रा करती है और फिर तेज गति से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती है। क्रिस्टल मेज 2 क्रिस्टल मेज 1 से बिल्कुल अलग है जिसे इस्राइल से भारतीय वायु सेना में बहुत पहले शामिल किया गया था। क्रिस्टल मेज 2 एक विस्तारित स्टैंड-ऑफ रेंज एयर-टू-सतह (हवा से जमीन पर मार करने वाली) मिसाइल है। भारतीय वायुसेना द्वारा इसका उपयोग भारतीय दुश्मनों के लंबी दूरी के रडार और वायु रक्षा प्रणालियों जैसे लक्ष्यों पर हमला करने के लिए करने की योजना है। यह बैलिस्टिक मिसाइल वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा संरक्षित क्षेत्रों में भी अपने लक्ष्य के खिलाफ प्रभावी हो सकती है।

हिडन एजेंडा वालों को जवाब

जीत के बाद बढ़ा राष्ट्रपति मुइज्जू का घमंड! भारत पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) पार्टी ने संसदीय चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल किया है। इस जीत के बाद मुइज्जू ने एक बार फिर भारत को तेवर दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि हालिया चुनाव के नतीजों ने दुनिया को ये दिखा दिया है कि मालदीव के लोग अपना भविष्य चुनने में स्वायत्तता चाहते हैं, ना कि किसी तरह का विदेशी दखल। चीन समर्थित मुइज्जू की सत्तारूढ़ पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) पार्टी ने 93 में से 68 सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि गठबंधन में उनकी साझेदार पार्टियों मालदीव नेशनल पार्टी (एमएनपी) ने एक और मालदीव डेवलपमेंट अलायंस (एमडीए) ने दो सीटों पर जीत दर्ज की।

दोनों देशों के बीच क्या है विवाद

प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के बाद मालदीव की सरकार के तीन मंत्रियों ने पीएम मोदी के इस दौरे की कुछ तस्वीरों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच राजनयिक विवाद गहराया था। मामले पर विवाद बढ़ने के बाद इन तीनों मंत्रियों को सस्पेंड कर दिया गया था।

इजरायली सेना के जाने के बाद गाजा के अस्पताल में मिलीं सामूहिक कब्रें, 253 शव निकले

गाजा।

गाजा के खान यूनिस शहर में नासिर मेडिकल अस्पताल में सामूहिक कब्रें मिली है। इलाके में इजरायली सेना के पीछे हटने के दो हफ्ते बाद फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा दल ने इन शवों को बाहर निकाला है। शवों की संख्या में इजाफा होने की भी आशंका है।

गाजा के खान यूनिस शहर में नासिर मेडिकल अस्पताल के परिसर में चार सामूहिक कब्रें मिली हैं। पहली कब्र से 180 शव बरामद किए गए हैं। वहीं तीन और कब्र से अब तक 73 शव बरामद किए जा चुके हैं। पिछले दो महीनों से ये लोग लापता बताए जा रहे थे। इलाके में इजरायली सेना के पीछे हटने के दो हफ्ते बाद फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा दल ने इन शवों को बाहर निकाला है। शवों की संख्या में इजाफा होने की भी आशंका है। क्योंकि कब्रें खोदने का काम अभी भी जारी है।

इजरायली सेना ने 7 अप्रैल को यहां से अपने सैनिक वापस बुला लिए थे। 27 अप्रैल को अधिकारियों को अस्पताल परिसर में सामूहिक कब्रों की जानकारी मिली। 21 अप्रैल को पहली सामूहिक कब्र मिलने के बाद शवों को बाहर निकाला गया। अल जजीरा से जुड़े हानी महमूद की रिपोर्ट के मुताबिक, 22 अप्रैल को तीन और सामूहिक कब्र से 73 शव मिले हैं। इनमें

बच्चे, बुजुर्ग महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। खुदाई का काम अभी भी जारी है। अस्पताल का दौरा करने वाले मेडिकल स्टाफ और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों ने इसे ''कब्रिस्तान'' बताया है। नागरिक सुरक्षा एजेंसी के प्रवक्ता महमूद बस्सल ने एपीएफ को बताया,

इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने इजरायल के इस ''भयानक नरसंहार'' की निंदा की है। संगठन ने एक बयान में कहा कि सैकड़ों विस्थापितों, बीमार, घायलों और मेडिकल टीमों को सामूहिक तौर पर फांसी देने और दफनाने से पहले उन्हें यातनाएं दी गईं। ओआईसी ने मानवता के खिलाफ अपराध, वॉर क्राइम और आतंकवाद की जांच की मांग की है।

इस स्टेटमेंट में अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय और अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को इसके प्रति अपनी ज़िम्मेदारियां निभाने पर जोर दिया गया है।

हाल ही में गाजा के अल-शिफा अस्पताल में एक ऐसी ही सामूहिक कब्र की खोज मिली थी। हमास-नियंत्रित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 7 अक्टूबर के हमले के बाद शुरू हुई इजरायली जवाबी कार्रवाई में 34,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। वहीं 77,084 घायल हैं।

चिंता हिमालय पर 2431 ग्लेशियल लेक्स, 676 झीलों का आकार बढ़ा, 130 भारतीय क्षेत्र, झीलों के टूटने का खतरा

इसरो का दावा! संकट में सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र

एजेंसी ■ नई दिल्ली

हिमालय पर 2431 ग्लेशियल लेक्स हैं। जिनमें से 676 झीलों का आकार लगातार बढ़ा है। इनमें से 130 भारतीय क्षेत्र में हैं। इन झीलों के टूटने का खतरा बरकरार है। इसरो की नई रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से इन ग्लेशियल झीलों पर खतरा मंडरा रहा है। दरअसल, हिमालय के पहाड़ों को दुनिया तीसरा ध्रुव कहा जाता है। वजह है भारी संख्या और मात्रा में ग्लेशियरों की मौजूदगी। और ढेर सारी बर्फ, लेकिन यह इलाका ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ज्यादा प्रभावित हो रहा है। बर्फ पिघल रही है। ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं। इसका असर सामाजिक तौर पर भी पड़ता है। ग्लेशियरों के सिकुड़ने का मतलब है बर्फ का तेजी से पिघलना। पानी जुड़ने से हिमालय में पुरानी ग्लेशियल लेक्स का आकार भी बढ़ जाता है। ये ग्लेशियर और बर्फ भारत की नदियों का स्रोत हैं, लेकिन ये बर्फीली झीलें खतरनाक साबित हो सकती हैं। इन ग्लेशियल लेक्स से ग्लेशियल लेक्स आउटबर्स्ट फ्लड्स का खतरा रहता है। जैसे केदारनाथ, चमोली और सिक्किम में हादसे हुए।

हिमालय के ग्लेशियल लेक्स पर नजर

इसरो इन पर नजर रखता है। सैटेलाइट्स के जरिए नई बनने वाली झीलों पर और साथ ही पुरानी झीलों के बढ़ते हुए आकार पर। ताकि खतरनाक ग्लेशियल लेक्स के फूटने से पहले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा सके। या इससे बचाव का कोई रास्ता निकाला जा सके। भारत के पास हिमालय पर मौजूद बर्फीली झीलों का 3-4 दशक का डेटा है।

लगातार बढ़ रहा आकार

1984 से 2023 तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि हिमालय में 2431 झीलें ऐसी हैं, जो आकार में 10 हेक्टेयर से बड़ी हैं, जबकि 1984 से अब तक 676 झीलें ऐसी हैं, जिनके क्षेत्रफल में फैलाव हुआ है। इनमें से 130 भारत में मौजूद हैं। सिंधु नदी के ऊपर 65, गंगा के ऊपर सात और ब्रह्मपुत्र के ऊपर 58 ग्लेशियल लेक्स बनी हैं।

89 फीसदी झील कई बार फैलीं

इन 676 झीलों में से 601 के आकार में दो बार से ज्यादा फैलाव हुआ है, जबकि 10 झीलें डेढ़ से दोगुना बढ़ी हैं। वहीं 65 झीलें हैं, जो डेढ़ गुना बढ़ी हैं। अगर इन झीलों की ऊंचाई की बात करें तो 314 झीलें 4 से 5 हजार मीटर (13 से 16 हजार फीट) की ऊंचाई पर हैं, जबकि 296 ग्लेशियल लेक्स 5 हजार मीटर से ऊपर हैं।

अमेरिका की माइक्रोवेव मिसाइल से क्यों थर्रा रहा ईरान? 13 देशों की एंट्री ही महाविनाश की मुनादी

वाशिंगटन डीसी ●

अमेरिका ने ऐसी सीक्रेट और स्पेशल मिसाइल बना ली है, जो ईरान के परमाणु ठिकानों को एक झटके में तबाह कर देगी। अमेरिका की ये मिसाइल बारूद नहीं उगलती है, बल्कि तीव्र माइक्रोवेव एनर्जी छोड़ती है। इससे न्यूक्लियर सेंटर में मौजूद इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल और पिघल जाते हैं। अमेरिका की माइक्रोवेव मिसाइल ईरान और उसके एटमी ठिकानों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गई है। इस मिसाइल को इंटरसेप्ट करना बहुत मुश्किल है। मिसाइल की ये वो तकनीक है, जो अमेरिका के अलावा दुनिया के किसी भी देश के पास नहीं है। ईरान अगर इजरायल पर फिर से हमला करता है। अगर रईसी की सेना अमेरिका के खिलाफ जंग छेड़ती है, तो अमेरिका इस मिसाइल का इस्तेमाल कर सकता है। यही वजह है कि अरब में इस वक्त महाजंग का सबसे बड़ा मैदान तैयार हो चुका है। महाजंग में सिर्फ महाशक्तियों की ही एंट्री नहीं हुई है, बल्कि युद्ध की आग एक दर्जन देशों में फैल चुकी है। अरब और मिडिल ईस्ट के जिन देशों में जंग की आग भड़क चुकी है, वो हैं-ईरान, इजरायल, इराक, सीरिया, लेबनान, जॉर्डन, यमन और अजरबैजान। वहीं, जो देश पर्दे के पीछे से युद्ध में शामिल हैं वो हैं अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, उत्तर कोरिया। इसका मतलब ये हुआ कि अरब जंग में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 13 देश उतर चुके हैं।

अरब में तीसरे विश्व युद्ध का आगाज!

13 देशों की एंट्री ही महाविनाश की मुनादी कर रही है। युद्ध में एक दर्जन देश उतर चुके हैं, यही वजह है कि दुनिया के बड़े रक्षा विशेषज्ञ दावा कर रहे हैं कि अरब में तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो चुका है। आने वाले वक्त में विनाश का क्षेत्रफल बढ़ता ही जाएगा। अरब महायुद्ध में सुपर पावर की एंट्री तब हुई, जब इजरायल ने ईरानी धरती पर हमला कर दिया। हमले को लेकर इजरायल और ईरान के अपने अपने दावे हैं। आईडीएफ का कहना है कि उसने इस्फहान में ईरानी एयरबेस को हिट किया। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने कहा है कि इजराइल ने हमला नहीं मजाक किया। ईरानी विदेश मंत्री हुसैन आमिर ने ऐलान किया कि इजराइली हमले में ईरान को कोई नुकसान नहीं हुआ।

ईरान में इजराइल के हमले बढ़ाई टेंशन

इजरायल के हमले में ईरान को कितना नुकसान हुआ, नुकसान हुआ या नहीं हुआ, इसका आखिरी सच सामने आना अभी बाकी है। लेकिन ईरान में इजराइल के हमले ने दुनिया की महाशक्तियों को जंग में उतरने का मौका दे दिया। अमेरिका इजराइल के साथ मजबूती से खड़ा हो गया है, तो रूस और चीन ईरान के साथ खड़े हो गए। खेमेबाजी के साथ ही अरब में तीसरे विश्व युद्ध की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

रूस ईरान को देने जा रहा एस -400

इजराइली हमले से बचाने के लिए रूस ईरान को एस -400 मिसाइल सिस्टम देने जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि इजरायल और अमेरिका परमाणु विनाश के हालात बना रहे हैं। रिपोर्ट है कि चीन ईरान को हमले के लिए मिसाइलों की खेप भेज रहा है। उधर अमेरिका इजरायल और यूक्रेन को 9 हजार 500 करोड़ रुपए का हथियार दे सकता है। इतना ही नहीं 12 बी-2 एटमी बॉम्बर से एलिफेंट वॉक कर अमेरिका ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी कर दिया है।

पड़ोसी मुल्क से बंगाल में लगातार हो रही है घुसपैठः शाह

रायगंज/मालदा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पड़ोसी मुल्क के घुसपैठिए बेरोकटोक पश्चिम बंगाल में आ रहे हैं और यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आई, तो वह बंगलादेश से होने वाले घुसपैठ रोक लगा देगी। श्री शाह ने राज्य के मतदाताओं से 30 से 35 सीटें सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा, मैंने आपको आश्वासन दिया है कि आप इस बार जब भाजपा उम्मीदवारों को वोट देंगे और 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित करेंगे, तो उत्तर बंगाल में एक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईएमएस) स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में श्री मोदी ने गरीबों के लिए काम किया और केंद्र सरकार लगभग 80 करोड़ लोगों के लिए राशन वितरण कर रही है, 12 करोड़ शौचालय स्थापित किए हैं, चार करोड़ से अधिक पीएम आवास बनाए हैं,10 करोड़ उजाला गैस वितरित की हैं।

श्री शाह ने बंगाल को हिंसा से मुक्त बनाने का वादा करते हुए कहा, हमें एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बंगाल देश में एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां पंचायत चुनाव 2023 में लगभग 200 लोगों की हत्या कर दी गई और तृणमूल कांग्रेस के शासन के तहत राज्य में हुए प्रत्येक चुनाव में खूनी हिंसा हुई। उन्होंने कहा कि मां, माटी, मानुस के नारों के साथ तृणमूल सत्ता में आई है, अब माताओं–बहनों के लिए संदेशखाली में परिवर्तित (माटी) हो रहा है। बंगलादेशियों के लिए आश्रय स्थल में तब्दील कर दिया गया और मानुस की हत्या की जा रही है और उसे भ्रष्ट किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि तृणमूल नेता, जो पहले छोटे घरों में रहते थे, उन्होंने अब 4/5 मंजिला ऊंची इमारतें बना ली हैं और गलत तरीके से पैसा कमाने के कारण उनके पास महंगी गाड़ियां हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय धन का बंदरबांट किया गया। बंगाल में हर जगह भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा, केंद्रीय एजेंसी द्वारा बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी के घर से 51 करोड़ रुपये जब्त किए जाने के बाद अब वो जेल जेल में हैं, लेकिन तृणमूल ने अभी तक उन्हें पार्टी से निलंबित नहीं किया है।

गौरतलब है कि दार्जिलिंग के साथ रायगंज और बालुरघाट लोकसभा सीटों पर 26 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान होगा। इससे पहले दिन में दो भाजपा उम्मीदवारों श्रीरूपा मित्रा चौधरी (मालदा दक्षिण) और खगेन मुर्मु (मालदा उत्तर) के लिए रोड शो करने के बाद श्री शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगे कि वह पड़ोसी मुल्क बंगलादेश से आकर यहां बसे शरणार्थियों हिंदू, बौद्ध, ईसाई और सिख को भारतीय नागरिकता देने का विरोध कर रही हैं। श्री शाह ने कहा कि उन हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों और ईसाइयों को भारतीय नागरिकता देने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि राज्य में कथित भ्रष्टाचार व्याप्त है और विकास निधि की हेराफेरी की गई और यहां तक कि राज्य के मंत्रियों के घरों से 50 से 75 करोड़ रुपए भी जब्त किए गए हैं। उन्होंने लोगों से कमल चिह्न पर मतदान करने का आग्रह किया और कहा कि यह केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के लिए और श्री मोदी के प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित करने हेतु जाएगा।

उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में मालदा दक्षिण से भाजपा उम्मीदवार मात्र 5000 वोटों से हार गए थे, लेकिन इस बार मतदाताओं को 07 मई को कमल बटन दबाना चाहिए और श्रीरूपा मित्रा चौधरी की 50,000 से अधिक वोटों से जीत सुनिश्चित करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से कम से कम 30 सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करेंगे। इससे पहले श्री शाह ने खुले हुड वाले ट्रक पर उम्मीदवार के साथ एक रोड शो किया, जहां हजारों भाजपा समर्थकों ने चिलचिलाती धूप में उनका हौसला अफजाई की।

विधायी निकायों में महिलाओं को पुरुषों के समान महत्व देगी तेदेपाः नायडू

विजयनगरम, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलुगू देशम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश में तेदेपा–सहयोगी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने के बाद सभी विधायी निकायों में पुरुषों के बराबर महिलाओं को समान महत्व देने का वादा किया है। श्री नायडू ने मंगलवार को विजयनगरम जिले के गजपतिनगरम में महिलाओं के साथ बातचीत में सभी महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम (डीडबल्यूसीआरए) समूहों के लिए 10 लाख रुपए का ब्याज मुक्त ऋण देने का भी वादा किया। उन्होंने बातचीत में महिलाओं से कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से राज्य की सभी महिलाओं को अमीर बनाने की जिम्मेदारी लूंगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, जिनके पास लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने का बुनियादी ज्ञान भी नहीं है, शराब और गांजे की घर–घर आपूर्ति की व्यवस्था करने में माहिर हैं। उन्होंने ने तंज कसते हुए दोहराया कि राज्य का विकास तभी संभव है, जब श्री रेड्डी को सत्ता से बाहर किया जाए। उन्होंने राज्य में सभी वर्गों के लोगों की प्रगति के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का वादा किया।

गजपतिनगरम में महिलाओं की जबरदस्त प्रतिक्रिया से प्रसन्न श्री नायडू ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल तेदेपा के साथ ही संभव है। उन्होंने उनसे काली–सेट्टी अप्पाला नायडू (लोकसभा उम्मीदवार) और कोनपल्ली श्रीनिवास (विधानसभा के लिए राजग उम्मीदवार हैं) को भारी बहुमत से जिताने की अपील की। महिलाओं से उन धोखेबाजों की बातों में न आने की अपील करते हुए उन्होंने उन्हें बताया कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री दिवंगत एनटी रामाराव ही थे, जिन्होंने पैतृक संपत्तियों में महिलाओं को समान अधिकार प्रदान किया था, लेकिन श्री रेड्डी ने अपनी बहन को पैतृक संपत्तियों में हिस्सा नहीं दिया।

उन्होंने कहा, राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर लड़की को शिक्षा मिले, राज्य में प्रत्येक किमी के लिए एक प्राथमिक विद्यालय, प्रत्येक तीन किमी के लिए एक उच्च प्राथमिक विद्यालय और प्रत्येक पांच किमी के लिए एक उच्च विद्यालय की स्थापना की थी। हर मंडल के लिए एक जूनियर कॉलेज, हर मंडल के लिए एक इंजीनियरिंग कॉलेज और हर जिले के लिए एक मेडिकल कॉलेज की भी स्थापना की गई। उन्होंने याद किया और महिलाओं को बताया कि सभी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण भी प्रदान किया गया था।

श्री नायडू ने महसूस किया कि वह दिन दूर नहीं जब महिलाओं को विधायी निकायों में पुरुषों के बराबर प्रतिनिधित्व मिलेगा। इस बात पर अफसोस जताते हुए कि श्री जगन के सत्ता में आने के बाद से सभी वस्तुओं की कीमतें इतनी तेजी से बढ़ी हैं। श्री चंद्रबाबू ने कहा कि यह मुख्यमंत्री जहरीली शराब की बिक्री के कारण महिलाओं के विधवा होने के लिए जिम्मेदार हैं।

उन्होंने कहा कि इन पांच सालों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार भी बढ़े हैं।

उन्होंने अपने वादे के मुताबिक सभी कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने का वादा किया, जिसमें हर घर के लिए तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर भी शामिल हैं। इस हिस्से में, टीडीपी–सहयोगी एनडीए सरकार आने वाले पांच वर्षों में प्रत्येक युवा को रोजगार प्रदान करने के लिए राज्य में संपत्ति बनाने का काम करेगी।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने भारत–पाकिस्तान सीमा से लगे कृषि स्थलों का किया निरीक्षण

कोच्चि, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा भारत–पाकिस्तान सीमा के समुद्री जल के साथ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीएमएफआरआई) द्वारा गुजरात में कच्छ जिले के कोरी और पडाला में विकसित नवीन और रणनीतिक समुद्री शैवाल खेती स्थलों का निरीक्षण किया है और विकासात्मक गतिविधियों की सराहना की है।

श्री मिश्रा ने इन स्थलों का दौरा करने के दौरान क्षेत्र में विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। सीएमएफआरआई की ओर से मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यहां बताया गया कि उनका ये दौरा किसानों की भलाई के साथ–साथ राजनीतिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के व्यापक संदर्भ में भारत के समुद्री कृषि इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जिससे भारत के समुद्री शैवाल मिशन में तेजी आएगी। इस दौरान आईसीएआर–सीएमएफआरआई द्वारा विकसित क्षेत्र–विशिष्ट अनुकूलित स्वदेशी उच्च घनत्व पॉलीथीन (एचडीपीई) समुद्री शैवाल बेड़ा विकास, खेती प्रौद्योगिकी, उत्पादन प्रदर्शन और टिकाऊ कृषि प्रथाओं जैसी विकासात्मक गतिविधियों के बारे में प्रमुख सचिव को जानकारी दी गई। वहीं, प्रमुख सचिव ने उत्पादन के अर्थशास्त्र और इस परियोजना के सामाजिक–आर्थिक निहितार्थों के बारे में चर्चा में गहरी रुचि व्यक्त की। इस अवसर पर परियोजना ने कस्टम–निर्मित एचडीपीई राफ्ट पेश किए हैं, जो लचीली समुद्री शैवाल प्रजाति कप्पाफाइकस अल्व–रेज़ी की खेती के लिए समर्पित हैं। प्रत्येक बेड़े (जिसकी कीमत 16,000 रुपये है) का जीवनकाल 20 वर्षों का है। विज्ञप्ति के अनुसार यह इसमें शामिल उद्यमशील समुद्री शैवाल किसानों को भरपूर फसल का वादा करता है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि लचीलेपन, गतिशी–लता और संचालन में आसानी जैसी प्रौद्योगिकी विशेषताओं के आधार पर ग्रिड प्रौद्योगिकी तमिलनाडु जैसे राज्यों में नियोजित पारंपरिक तरीकों को पार करते हुए दक्षता के एक नए युग की शुरुआत करती है। इसकी क्षमता प्रति बेड़ा 0.3 से 0.5 टन तक का वजन झेलने की है और 300 से 400 टन तक वजन उठाने की क्षमता है। यह समुद्री शैवाल क्षेत्र को फिर से परिभाषित करने और नवीन ग्रिड प्रौद्योगिकी की क्षमता का दोहन करने के लिए तैयार है। प्रति बेड़ा किलोग्राम इसे समुद्री शैवाल समुद्री कृषि परिदृश्य में एक सच्चे गेम–चेंजर के रूप में अलग करता है।

श्री मिश्रा के दौरे के दौरान प्रदर्शित नवोन्मेषी आईसीएआर–सीएमएफआरआई ग्रिड तकनीक प्रधानमंत्री द्वारा अपनाई गई आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रतीक है। स्वदेशी विशेषज्ञता और अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके समुद्री शैवाल किसान बाधाओं को तोड़ने और समुद्री शैवाल समुद्री कृषि के माध्यम से समृद्धि के नए क्षितिज तय करने के लिए तैयार हैं।

विश्व–स्तर की शिक्षा व सेवा प्रदान करना एम्स संस्थानों की बड़ी उपलब्धिः मुर्मू

ऋषिकेश, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) चतुर्थ दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में विश्व–स्तर की शिक्षा और सेवा प्रदान करना एम्स, ऋषिकेश सहित, सभी अन्य एम्स संस्थानों की एक बहुत बड़ी राष्ट्रीय उपलब्धि है। शैक्षिक (टीचिंग) हॉस्पिटल्स के रूप में एम्स संस्थानों ने सर्वश्रेष्ठ मापदंड स्थापित किए हैं। इसके लिए मैं एम्स संस्थानों से जुड़े सभी लोगों की सराहना करती हूं।

श्रीमती मुर्मू ने कहा, मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई है कि यहां के विद्यार्थियों में छात्राओं की कुल संख्या 60 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा, पिछले सप्ताह मेरी मुलाक़ात इंडियन इकोनॉमिक सर्विस के अधिकारियों के नए बैचेस से हुई थी। उन अधिकारियों में भी लगभग 60 प्रतिशत संख्या महिला अधिकारियों की थी। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थ–व्यवस्था से जुड़े नीति निर्धारण से लेकर, टेर्टियरी हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती हुई भागीदारी एक बहुत बड़े और अच्छे सामाजिक बदलाव की तस्वीर प्रस्तुत करती है।

राष्ट्रपति ने कहा, बेटियों की भागीदारी और सफलता के लिए मैं, एम्स ऋषिकेश, सभी छात्राओं के परिवार–जनों और सभी बेटियों को विशेष बधाई देती हूं। यह भी एम्स, ऋषिकेश के लिए और पूरे समाज के लिए गर्व की बात है कि इस दीक्षांत समारोह में पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या, छात्रों से अधिक है।

श्रीमती मुर्मू ने एम्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे देशवासियों के लिए इसका मतलब सबसे अच्छे डॉक्टरों द्वारा इलाज होना होता है। उन्होंने कहा कि सबसे अच्छा इलाज और कम से कम खर्च में इलाज होना भी एम्स की पहचान है। एम्स के इलाज का फायदा अधिक से अधिक लोगों को मिल सके तथा और अधिक संख्या में आप जैसे मेधावी विद्यार्थी एम्स में शिक्षा प्राप्त कर सकें, इन उद्देश्यों के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक एम्स की स्थापना की जा रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि आयुर्वेद सहित, भारतीय परंपरा की उपचार पद्धतियों के लिए उत्तराखंड में अनेक लोकप्रिय स्वास्थ्य केंद्र सेवारत हैं। एम्स, ऋषिकेश में एलोपैथी के साथ–साथ, आयुष चिकित्सा पद्धतियों द्वारा भी मरीजों का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि व्यापक स्तर पर, उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हुए उत्तराखंड की इस 'देव भूमि' की ख्याति, आरोग्य भूमि के रूप में भी स्थापित हो। उन्होंने कहा कि हमारे प्राचीन महाकाव्यों में, उत्त–राखंड के क्षेत्र को औषधि और उपचार से जोड़ा गया है। रामायण की कथा के अनुसार, इसी क्षेत्र से संजीवनी बूटी लेकर वायु मार्ग से हनुमान जी, प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण जी के पास पहुंचे थे तथा लक्ष्मण जी के उपचार में अपना योगदान दिया था। ऐसे कथानकों के माध्यम से हमारे पूर्वजों ने गहन और कल्याणकारी संदेश दिए हैं। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि इसी महीने चार अप्रैल को मुझे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुंबई तथा टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल द्वारा कार टी सेल थेरेपी लॉन्च करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। भारत में पहली बार इस तरह की जिन थेरेपी विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि यह थेरेपी अन्य देशों की तुलना में बहुत कम खर्च पर उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि एम्स, ऋषिकेश को ऐसे क्षेत्रों में कॉलेबोरेशन करके तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में डायबिटीज से प्रभावित लोगों की संख्या 10 करोड़ से अधिक है, जो विश्व में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि इसके इलाज के रूप में सेमाग्लुटाइड आजकल चर्चा में है। उत्तराखंड में धूप की कमी के कारण तथा स्थानीय खान–पान के कारण ओस्टियोपोरोसिस तथा एनीमिया जैसी बीमारियों से लोग, विशेषकर महिलाएं प्रभावित होती हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल मेडिसिन के इस युग में भी मेडिसिन से जुड़ी राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय समस्याओं के बारे में अनुसंधान करना तथा उनका समाधान करना एम्स, ऋषिकेश जैसे संस्थानों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में बहुत तेज गति से परिवर्तन हो रहे हैं। परिवर्तन की यह गति बढ़ती ही रहेगी। इसलिए, आप सब हमेशा कुछ नया सीखने और कुछ नया करने का उत्साह बनाए रखें। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर, मेडिकल के 598 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। साथ ही, टॉपर छात्र–छात्राओं को 14 स्वर्ण पदकों सहित कुल 16 पदकों से नवाजा गया। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आभार एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर(डॉ.) मीनू सिंह ने व्यक्त किया।

समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग बढायेंगे भारत और ओमान

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और ओमान ने समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए एक दूसरे के साथ सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है इससे क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) और रॉयल ओमान पुलिस तटरक्षक (आरओपीसीजी) के बीच मंगलवार को यहां पांचवीं वार्षिक उच्च–स्तरीय बैठक में यह सहमति बनी। इस बैठक को समुद्री क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय अवैध गतिविधियों से निपटने और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों में मील का पत्थर माना जा रहा है।

रॉयल ओमान पुलिस कोस्ट गार्ड के सहायक कमांडिंग अधिकारी कर्नल अब्दुल अजीज मोहम्मद अली अल जाबरी ने बैठक में अपने देश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

यह उच्चस्तरीय चर्चा भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक राकेश पाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में क्षमता निर्माण कार्यक्रम, तटरक्षक बलों के जहाजों की एक दूसरे के यहां यात्रा, सी राइडर कार्यक्रम के कार्यान्वयन, प्रदूषण रिपोर्टिंग केंद्रों और परस्पर सहयोग पर आधारित व्यवस्थाओं के बीच पेशेवर संबंध स्थापित करने के लिए द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों पक्षों ने समुद्री चुनौतियों से निपटने में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की, जिससे क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सुरक्षा ढांचे को मजबूत किया जा सके। आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत ओमान के प्रतिनिधिमंडल को भारत की पोत निर्माण क्षमताओं से परिचित कराने के लिए गुरूवार को यहां रॉयल ओमान पुलिस तटरक्षक प्रतिनिधिमंडल और सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर (एसआईडीएम) के प्रतिनिधियों के बीच एक बैठक की भी योजना है।

कांग्रेस ने झूठी गारंटियां देकर जनता को ठगाः ठाकुर

शिमला, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी द्वारा हिमाचल को छलने व झूठी गारंटियाँ देकर ठगने का आरोप लगाते हुए आगामी लोकसभा चुनावों और विधानसभा उपचुनाव में सभी हिमाचलवासियों को एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार हेतु वोट करने का आह्वाह्न किया।

श्री ठाकुर ने कहा,''आज पूरा भारत लोकतन्त्र के महापर्व को पूरे उत्साह उमंग से मना रहा है और इन चुनाव में जनता को सिर्फ़ मोदी और मोदी की गारंटी पर भरोसा है। आज हिमाचल समय पूरे देश में कांग्रेस और उसकी गारंटियां फेल हैं। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार दोबारा नहीं बनी क्योंकि वहां उन्होंने एक भी वादे पूरे नहीं किए थे। राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार देश में सबसे ज्यादा होते थे और 19 पेपर लीक हुए हुए। वहीं छत्तीसगढ़ में सिर्फ मुख्यमंत्री के परिवारजनों को ही सरकारी नौकरी मिलती थी। छत्तीसगढ़ में जहां महादेव एप घोटाला सामने आया वहीं राजस्थान के सचिवालय में ही करोड़ों रुपए और सोना बरामद हुआ। यह लोग किसी प्रकार हिमाचल और कर्नाटक में झूठी गारंटीयों के दम पर आए हैं पर आज एक भी वादा पूरा करने में पूरी तरह से फेल हो चुके हैं। ना 1500 प्रतिमाह माता बहनों को मिले हैं, ना 100 प्रति लीटर दूध और दो रुपये प्रति किलो गोबर खरीदा गया है। पांच लाख नौकरियों का दम भरने वालों ने अभी तक पांच युवाओं को भी नौकरी नहीं दी है। और इसीलिए आज जनता ने मन बना लिया है कि सरकार बनाएंगे तो सिर्फ श्री मोदी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हिमाचल में चार की चार और देश में 400 पार की बयार चल रही है और हिमाचल में विधानसभा उपचुनाव की सभी सीटें भाजपा बड़े अंतर से जीतने जा रही है।

श्री ठाकुर ने कहा, आपदा के समय हिमाचल की जनता के साथ मोदी सरकार डट कर खड़ी थी और हरसंभव सहायता देवभूमि को दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सदैव हिमाचल को प्राथमिकता देते हुए इसे अपना दूसरा घर माना है। आपदा के समय उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री से बात कर हर स्थिति का जायजा लिया और सभी जरूरी मदद सुनिश्चित कराई मगर आपदा की घड़ी में भी कांग्रेस राजनीति ही करती रही। केंदीय मंत्री ने कहा, हिमाचल में आपदा की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार द्वारा एनडीआरएफ की 13 टीमों को बचाव नौकाओं और अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात किया गया। नागरिकों की निकासी के लिए पोंटा साहिब में सेना के 1 पैरा एसएफ और 205 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन की एक कॉलम भी तैनात की गई थी। इसके साथ हीं बचाव कार्यों के लिए भारतीय वायु सेना के दो एमआई–17 वी हेलीकॉप्टर भी तैनात किए गए थे जिससे समय रहते हजारों जानें बचाई जा सकीं। नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के माध्यम से भी मदद दी गई। मैं स्वयं कई दिनों तक हिमाचल में रहा और पूरे क्षेत्र का सघन दौरा कर राहत व बचाव कार्यों को आखिरी पीड़ित तक सुनिश्चित कराया। पटवारियों से टाइम बाउंड रिपोर्ट मंगवा कर डीसी को तुरंत पैसे रिलीज करने का निर्देश दिया।

दुनिया के सबसे बड़े नेता मोदी की प्राथमिकता गरीब कल्याण-भजनलाल

टोंक, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि दुनिया के सबसे बड़े नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब, महिला, युवाओं के कल्याण के लिए लगातार काम कर रहे हैं और उनके प्रयासों से राजस्थान में योजनाओं को लगातार मूर्त रूप दिया जा रहा है। श्री शर्मा मंगलवार को टोंक जिले के उनियारा में भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनपुरिया के समर्थन में श्री मोदी की मौजूदगी में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अजमेर-सवाईमाधोपुर रेल परियोजना की लम्बे समय से मांग थी, जिसे श्री मोदी ने स्वीकृत कर दिया तथा अब इस पर काम भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेसवे का 150 किमी क्षेत्र टोंक-सवाईमाधोपुर क्षेत्र में शामिल है, जिससे इस क्षेत्र के लोगों का सुगम आवागमन संभव हो सका है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भी श्री मोदी 140 करोड़ देशवासियों की सेवा में लगे हुए थे। उस वक्त तत्कालीन राजस्थान की कांग्रेस सरकार मिड-डे मील के घोटालों में लगी हुई थी। श्री शर्मा ने आश्वस्त किया कि मिड-डे मील घोटाले में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने ईआरसीपी को केवल लटकाने, अटकाने और भटकाने का काम किया है जबकि श्री मोदी ने इस परियोजना का क्रियान्वयन कराया। इस परियोजना से टोंक-सवाईमाधोपुर-दौसा सहित पूर्वी राजस्थान के 21 जिलों में पेयजल तथा दो लाख 80 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हो पाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा सरकार के गठन के 90 दिनों में ही संकल्प पत्र में किए गए 45 प्रतिशत वादे हमने पूरे किए हैं। हमने किसान सम्मान निधि की राशि छह हजार से बढ़ाकर आठ हजार, गेंहू की एमएसपी 125 रुपये बढ़ाकर 2400 रुपये प्रति क्विंटल, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी जैसे निर्णय जनहित में लिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल की दरों में विसंगति को दूर किया गया, साथ ही पेट्रोल की दरों में 3.50 से 7.50 रुपए तथा डीजल की दरों में 3.50 से 6.50 रुपए तक कमी की गई। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को हमारी सरकार पूरा करेगी। श्री शर्मा ने दावा करते हुए कहा कि गत 19 अप्रैल को हुए लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण की राज्य की 12 लोकसभा सीटें भाजपा जीतेगी तथा अब 26 अप्रैल को द्वितीय चरण में राज्य की शेष 13 सीटों पर भी भाजपा ही विजयी होगी। उन्होंने कहा कि वे आश्वस्त हैं कि आगामी चार जून के परिणाम में राज्य की सभी 25 सीटों पर कमल का फूल खिलेगा। उन्होंने टोंक जिले में भाजपा प्रत्याशी श्री जौनपुरिया को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की।

एटीएम लूट कांड का एक आरोपी गिरफ्तार, 3.5 लाख रुपए बरामद

अलवर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। ततारपुर थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व इस्माइलपुर रोड़ से हुई एटीएम लूट कांड का खुलासा करते हुये पुलिस ने मंगलवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष चौधरी ने बताया कि गत शनिवार को हुई इस घटना में पुलिस ने नीमका थाना बिछोर जिला नूह मेवात हरियाणा निवासी सलीम उर्फ़ पहलवान को साढ़े तीन लाख रुपये सहित गिरफ्तार किया है। इस गिरोह में पांच बदमाश शामिल हैं, जिन्हें चिह्नित कर लिया गया है और शीघ्र ही अन्य आरोपी की गिरफ्तारी कर ली जायेगी। इस एटीएम में 27 लाख रुपए रखे हुये थे।

घटना के तुरंत बाद पुलिस की अलग अलग एक्सपर्ट की पांच टीमें गठित कर सीसीटीवी फुटेज चेक करने के निर्देश के तहत सफलता मिली। इस कार्य में जयपुर ग्रामीण, अलवर, भिवाड़ी और अन्य थानों की सूचना एकत्रित करते हुये शातिर बदमाश को पकड़ा गया। इसने अपना नाम पता नीमका थाना बिछोर जिला नूह मेवात हरियाणा निवासी सलीम उर्फ़ पहलवान बताया है। घटना में पांच आरोपी शामिल रहे हैं, जिनकी पहचान कर ली गयी है। उन्होंने बताया कि सभी पांच पांच आरोपी अलग-अलग गिरोह से हैं। गिरफ्तार आरोपी सलीम नाम के खिलाफ चोरी डकैती सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट और अन्य मामलों में सात मुकदमे दर्ज हैं, जो न्यायालय में विचाराधीन हैं। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए साइबर और तकनीकी टीम का सहारा लिया गया। यह तय है कि इस वारदात के बाद इन्होंने पैसों की बंटवारा किया है, तभी एक आदमी आरोपी से 3.50 लाख रुपए बरामद किये गये हैं।

उन्होंने बताया कि आरोपी के कब्जे से पैसे बरामद करने के अलावा टूटा हुआ एटीएम भिवाड़ी के टपूकड़ा थाना क्षेत्र से सुनसान जगह मिले जबकि वारदात में प्रयुक्त गाड़ी हरियाणा से बरामद की गयी है। इस एटीएम की लूट के लिए वह सीधे पहले रेकी करते थे और फिर आने-जाने के रास्तों पर भी वॉच की जाती थी कि किस रास्ते से हमें भागने में सफलता हासिल होगी।

वारदात करने से पहले अपना रोड मेप बना लिया करते थे। इस गिरोह का दूसरा मुख्य आरोपी शाहिद है, इसके खिलाफ दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। श्री चौधरी ने बताया कि ऐसी वारदातों की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसलिये इस वारदात के बाद से ही इस जिले में स्थित थाना प्रभारी से डाटा मंगाया जा रहा है कि किस-किस थाने में किस-किस बैंक का एटीएम लगा हुआ है और कितने एटीएम लगे हुये हैं, कुछ प्राइवेट कंपनियों की भी एटीएम लगे हुये हैं, जिनकी जानकारी जुताई जा रही है।

रबड़ के पाइपों में लगी भीषण आग

हिसार, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सिरसा चौक पर रविदास छात्रावास के पास मंगलवार रबड़ की सीवरेज पाइपों में आग लगने से आसपास के एरिया में हडकंप मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इसमें किसी जान का नुकसान नहीं है। दमकल विभाग की आठ गाडिय़ों ने करीब दो घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। शहर में सीवरेज की लाइन बिछायी जा रही है। इन पाइपों के पास ही बिजली की ट्रांसफार्मर है। तेज हवाओं के चलते ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग हुईं। कुछ चिंगारी जमीन पर आ गिरी।

नीचे घास-फूस प्लास्टिक आदि कचरे में आग लग गयी। यह आग रबड़ पाइपों में पहुंचकर भीषण हो गयी। आग के प्रंचड रुप को देखकर सिरसा- दिल्ली की ओर जाने वाले वाले वाहन चालक भी गाड़ियों को रोक कर इसे देखने लगे। काफी संख्या में लोग अपने मोबाइल में इसकी वीडियो बनाने लगे।

फतेहाबाद में तेज बारिश मंडियों में गेहूं भीगा

फतेहाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के टोहाना, रतिया और जाखल इलाके में मंगलवार को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। इससे एक ओर जहां गर्मी से राहत मिली, वहीं मंडियों में पड़ी गेहूं की फसल पूरी तरह से भीग गयी। प्रशासन और खरीद एजेंसियों की लापरवाही का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक फतेहाबाद में आज सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। फतेहाबाद में आसमान में काले बादल छा गये, मगर तेज हवाओं के कारण बादल बिना बरसे कुछ ही देर में छंट गये। रतिया, टोहाना और जाखल में मौसम के बदले मिजाज से बरसात हुयी। तेज हवाओं के साथ कुछ ही मिनट हुयी, बरसात से मौसम खुशनुमा हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गयी। अचानक हुई बरसात के कारण मंडियों में पड़ा गेहूं पूरी तरह से भीग गया। मौसम इतनी तेज से बदला कि किसानों और व्यापारियों को फसल को ढकने तक का मौका नहीं मिला। मंडी में अनाज से भरे बैग, खुले में पड़ा गेहूं और सरसों की फसल भीग गयी। मंडी में अपनी फसल लेकर आये किसानों ने खरीद एजेंसियों को प्रशासन को लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया है। किसानों और व्यापारियों का कहना है कि खरीद एजेंसियां पहले तो समय पर उनके अनाज की खरीद नहीं कर रही, जितने अनाज की खरीद की गयी है, उसका उठान नहीं हो रहा, जिसके कारण मंडी पूरी तरह से अनाज से भरी पड़ी है। अगर समय पर उठान हो गया, तो उनकी फसल और मेहनत यूं ही जाया नहीं जाती।

दूल्हा करता रह गया इंतजार दुल्हन ब्यूटी पार्लर से हुई फरार

यमुनानगर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर में शादी के लिए दूल्हे के मन में भी लड्डू फूट रहे थे। शादी की खुशी में घर को रंगबिरंगी लाइटों से सजाया गया। रात को घर में डीजे भी देर रात तक बजता रहा जिसमें रिश्तेदारों के साथ दूल्हा भी खूब थिरका। अगले दिन सिर पर सेहरा बांध और शेरवानी पहन कर दूल्हा अपनी दुल्हन को लेने के लिए बारात लेकर ससुराल में पहुंचा। घंटों बीत गए लेकिन ससुराल वाले बारात का स्वागत करने ही नहीं आए। बाद में पता चला कि जिस दुल्हन को वह अपने साथ ले जाने के लिए आया था वह ब्यूटी पार्लर से ही फरार हो गई है।

दुल्हन के पिता ने थाना साढौरा पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी सबसे बड़ी बेटी की उम्र 23 साल है। उसकी शादी एक अन्य गांव में युवक के साथ तय हुई थी। दुल्हन अपनी छोटी बहन के साथ रिश्तेदार की कार में सवार होकर ब्यूटी पार्लर पर गई थी। इसके लिए ब्यूटी पार्लर संचालिका से पहले ही बात कर रखी थी। दुल्हन व उसकी बहन को ब्यूटी पार्लर पर छोड़कर रिश्-तेदार अपनी कार को ठीक करवाने के लिए मैकेनिक के पास चला गया। इसी दौरान करीब साढ़े 10 बजे दुल्हन बाजार में दुकान से कुछ सामान लाने की बात कह कर निकल गई। वह कह कर गई थी थोड़ी देर में आ रही है। परंतु दुल्हन वापस नहीं लौटी। दुल्हन का मोबाइल भी बंद हो गया। उधर घर पर दुल्हन के लौटने का सब बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उधर दोपहर को दूल्हा भी बारात लेकर गांव में पहुंच गया था।

कार ठीक करवा कर रिश्तेदार ब्यूटी पार्लर पर पहुंचा। उसने ब्यूटी पार्लर की संचालिका से पूछा कि दुल्हन को तैयार होने में कितना समय लगेगा। जहां उसे बताया गया कि दुल्हन तो उसी वक्त बाजार चली गई थी लेकिन वापस नहीं लौटी। यह बात उसने दुल्हन के परिजनों को बताई। एक के बाद एक परिवार के सभी लोग ब्यूटी पार्लर पहुंचने लगे। बाजार में उसकी तलाश की गई लेकिन दुल्हन का कुछ पता नहीं चला। यह बात बिचौलिये को बताई गई। बिचौलिये को भी कुछ समझ नहीं आया कि वह दूल्हे को किस मुंह से बताए कि उसकी दुल्हन फरार हो गई है। इस बात का पता जब दूल्हे को चला तो यह सुनते ही हैरान रह गया। रिश्तेदारों ने भी बारात से थोड़ा इंतजार करने को कहा, आखिरकार उसे बिना दुल्हन के ही लौटना पड़ा। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर दुल्हन की तलाश शुरू कर दी है।

बंडारू दत्तात्रेय ने गरिमा तलवार के निधन पर शोक व्यक्त किया

चंडीगढ़, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंगलवार को अपने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ राकेश तलवार के निवास स्थान पर जाकर उनके बड़े भाई की पत्नी गरिमा तलवार के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री दत्तात्रेय ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने समस्त परिवार को असहनीय दुख की इस घड़ी में ढांढस बंधवाते हुये परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की।

गुरसिख विद्यार्थियों की फीस माफ करेगी हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी

कुरुक्षेत्र, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के अधीन शिक्षण संस्थानों में शिक्षा ग्रहण करने वाले गुरसिख अभिभावकों के अमृतधारी विद्यार्थियों की फीस पूरी तरह से माफ होगी। यही नहीं, शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए भी हरियाणा कमेटी कृत्तसंकल्प है। ऐसे ही कुछ अहम फैसले हरियाणा कमेटी द्वारा प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध की अगुवाई में लिए गए हैं।

जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध के मार्गदर्शन में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रवकता कवलजीत सिंह अजराना ने हैड आफिस में दी। उन्होंने बताया कि जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध की अगुवाई में ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाडा साहिब में हुई बैठक में कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया, जिनमें से कुछ प्रस्तावों पर सहमति जताई गई। बता दें कि इस दौरान संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुदर्शन सिंह सहगल, धर्म प्रचार विंग के चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल, महासचिव सुखविंदर सिंह मंडेबर, प्रवकता कवलजीत सिंह अजराना, संयुकत सचिव गुलाब सिंह मुनक, कार्यकारिणी समिति मैंबर सुदर्शन सिंह गावडी, बलदेव सिंह खालसा, तजिंदरपाल सिंह नारनौल, टीपी सिंह अंबाला व पूर्व महासाचिव गुरविंदर सिंह धमीजा मौजूद रहे। कवलजीत सिंह अजराना ने बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्व-ारा मैनेजमैंट कमेटी कुरुक्षेत्र अब गुरसिख अभिभावकों के गुरसिख विद्यार्थियों की फीस संस्था के अधीन चल रहे स्कूल व कॉलेजों में पूरी तरह से माफ करेगी। इसके साथ ही

विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के लिए उन्हें विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता के लिए प्रेरित किया जाएगा। विद्यार्थियों को प्रेरित करके उन्हें अलग-अलग प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीत कर संस्थान का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को हरियाणा कमेटी प्रोत्साहित करते हुए सम्मानित भी करेगी। इसके अतिरिकत धार्मिक मुकाबलें करवाने के अलावा संस्थानों में खालसा खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। स्कूल-कॉलेजों में धार्मिक प्रचार भी किया जाएगा, तांकि विद्यार्थियों को गौरवमयी सिख इतिहास की जानकारी देने के अलावा उन्हें गुरबाणी से जोड़ा जा सकें। इतना ही नहीं, शिक्षण संस्थानों में सिख मार्शल आर्ट (गतका) को प्रमोट किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए गतका सिखलाई कैंप लगा कर उन्हें सिख मार्शल आर्ट की ट्रैनिंग दी जाएगी और बाद में मुकाबलें भी करवाए जाएंगे। हरियाणा कमेटी मातृभाषा पंजाबी का प्रचार प्रसार करने के लिए गर्मी की छुट्टियों में बच्चों की कक्षाएं लगाएगी। इन कक्षाओं में बच्चों को गुरमुखी का ज्ञान दिया जाएगा। इसके साथ बच्चों को गुरबाणी से जुडऩे के लिए भी प्रेरित करते हुए उन्हें गुरु एवं सिख इतिहास की जानकारी भी दी जाएगी। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रवकता ने बताया कि संस्था के प्रधान जत्-थेदार भूपिंदर सिंह असंध की अगुवाई में प्रदेश की सिख संगत के होनहार विद्यार्थियों को यूपीएससी एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की कोचिंग देने की भी योजना है, जिसे जल्द ही पूरा किया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा।
कोई आपको नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है। अगर आप हिसाब बराबर करना चाहें, तो ऐसा सलीके से ही किया जाना चाहिए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम-काज और रुपये-पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। ख़ाली वक़्त आज व्यर्थ की बहसों में ख़राब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे । जीत का जश्न आपके दिल को ख़ुशी से भर देगा। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। कामकाज में आपको काफ़ी फ़ायदा हो सकता है।
आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। एक नज़दीकी रिश्तेदार ख़ुद के लिए आपका ज़्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफ़ी मददगार और ख़याल रखने वाला होगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

चूँकि यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवन-साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक-दूसरे को फिर से भली-भांति जानने के लिए थोड़ा और वक़्त एक-दूसरे के साथ बिताएँ और ख़ुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें। आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कोई नया व्यवसाय या योजना शुरू करने की सोच रहे हैं तो जल्दी ही फ़ैसला करें, क्योंकि आपके सितारे महरबान हैं। जो आप करना चाहते हैं, उस ओर क़दम बढ़ाने में घबराएँ नहीं। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 24 अप्रैल 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा अहोरात्र
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 12:41 तक
योग : सिद्धि उत्तर रात्रि 05:03 तक
करण : बालव सायं 06:07 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वैशाख मास आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पितृ दोष दूर करने के लिए करें ये विशेष उपाय, बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

पंडितों का कहना है कि पितृ के अप्रसन्न या नाराज होने से पितृ दोष लगता है। वहीं पूर्व जन्मों के प्रारब्ध के चलते भी जातक पितृ दोष से पीड़ित हो सकता है। पितृ दोष से पीड़ित जातक को जीवन में ढेर सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अतः पितृ दोष का निवारण अनिवार्य है।

कुंडली में कई प्रकार के दोष लगते हैं। इनमें एक पितृ दोष है। ज्योतिषियों की मानें तो अगर कोई जातक लंबे समय तक कालसर्प दोष से पीड़ित है, तो जातक के पितृ दोष से पीड़ित होने की संभावना बढ़ जाती है। अशुभ ग्रहों के चलते भी जातक पितृ दोष से पीड़ित होता है। कई जातकों को जन्म से पितृ दोष लगा रहता है। इस बारे में प्रकांड पंडितों का कहना है कि पितृ के अप्रसन्न या नाराज होने से पितृ दोष लगता है। वहीं, पूर्व जन्मों के प्रारब्ध के चलते भी जातक पितृ दोष से पीड़ित हो सकता है। पितृ दोष से पीड़ित जातक को जीवन में ढेर सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही अकस्मात किसी अनहोनी का खतरा रहता है। अतः पितृ दोष निवारण अनिवार्य है। अगर आप भी पितृ दोष से निजात पाना चाहते हैं, तो ये उपाय अवश्य करें। इन उपायों को करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

उपाय

-अगर आप पितृ दोष से पीड़ित हैं, तो रोजाना स्नान-ध्यान के बाद दक्षिण दिशा में मुखकर जल में काले तिल मिलाकर पितरों को जल का अर्घ्य दें। शास्त्रों में तीन पीढ़ी तक जल देने का विधान है। इस उपाय को करने से पितृ प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधक पर बरसती है।

-पितृ दोष से निजात पाने के लिए हर रोज सन्ध्याकाल में आचमन कर स्वयं को शुद्ध करें। इसके पश्चात गोबर या मिट्टी से निर्मित दीये में तेल मिश्रित बाती जलाकर छत पर दक्षिण दिशा में रख दें। इस समय पितरों से कुशल मंगल की कामना करें।

-पितृ दोष से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो रोजाना स्नान-ध्यान के बाद जल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से भी पितृ दोष दूर होता है। साथ ही रोजाना पितृ पूजा के समय इस स्तोत्र का पाठ करें।

दोष कवच

कृणुष्व पाजः प्रसितिम् न पृथ्वीम् याही राजेव अमवान् इभेन।

तृष्वीम् अनु प्रसितिम् द्रूणानो अस्ता असि विध्य रक्षसः तपिष्ठैः।।

तव भ्रमासऽ आशुया पतन्त्यनु स्पृश धृषता शोशुचानः।

तपूंष्यग्ने जुह्वा पतंगान् सन्दितो विसृज विष्व-गुल्काः।।

प्रति स्पशो विसृज तूर्णितमो भवा पायु-र्विशोऽ अस्या अदब्धः।

यो ना दूरेऽ अघशंसो योऽ अन्त्यग्ने माकिष्टे व्यथिरा दधर्षीत्।।

उदग्ने तिष्ठ प्रत्या-तनुष्व न्यमित्रान् ऽओषतात् तिग्महेते।

यो नोऽ अरातिम् समिधान चक्रे नीचा तं धक्ष्यत सं न शुष्कम्।।

ऊर्ध्वो भव प्रति विध्याधि अस्मत् आविः कृणुष्व दैव्यान्यग्ने।

अव स्थिरा तनुहि यातु-जूनाम् जामिम् अजामिम् प्रमृणीहि शत्रून्।

वैशाख माह में कब है अमावस्या?

जानें शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

अमावस्या को पितरों भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के पूजन के लिए बहुत फलदायी माना गया है। इस शुभ तिथि पर पूजा जप तप और दान करने का विधान है। वैशाख अमावस्या का दिन पितरों की पूजा के लिए समर्पित है। इस बार वैशाख माह की अमावस्या 08 मई को है। आइए जानते हैं वैशाख अमावस्या का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि का अधिक महत्व है। यह तिथि जगत के पालनहार भगवान विष्णु और पितरों को समर्पित है। इस दिन जप-तप और दान करने का विधान है। वैशाख अमावस्या का दिन पितरों की पूजा करने के लिए शुभ माना जाता है। इस बार वैशाख माह की अमावस्या 08 मई को है। मान्यता है कि इस दिन पितरों का तर्पण करने से उनको बैकुंठ धाम में जगह प्राप्त होती है। चलिए इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे वैशाख अमावस्या का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

वैशाख अमावस्या 2024 शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, वैशाख के माह कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की शुरुआत 07 मई को सुबह 11 बजकर 40 मिनट से होगी और इसका समापन 08 मई को सुबह 08 बजकर 51 मिनट पर होगा। ऐसे में वैशाख अमावस्या 08 मई को मनाई जाएगी।

वैशाख अमावस्या पूजा विधि

वैशाख अमावस्या के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें और दिन की शुरुआत देवी-देवता के ध्यान से करें। अगर संभव हो तो किसी पवित्र नदी में स्नान करें। इसके अलावा घर में नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। इसके पश्चात सूर्य देव को जल अर्पित करें। अब भगवान विष्णु की पूजा करें और व्रत का संकल्प लें। दीपक जलाकर आरती करें। प्रभु को प्रिय चीजों जैसे- केला, खीर आदि चीजों का भोग लगाएं। प्रसाद का लोगों में वितरण करें और खुद भी ग्रहण करें। पूजा संपन्न होने के बाद बहते हुए पानी में तिल प्रवाहित करें। इस दौरान आप भगवान से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें। इस दिन पूर्वजों का पिंडदान करने का विधान है।

कब और क्यों मनाया जाता है गंगा दशहरा?

जानें इसके बारे में सबकुछ

इस दिन जगत की धात्री मां गंगा की पूजा-उपासना की जाती है। इसके लिए साधक ब्रह्म बेला से पवित्र गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। शास्त्रों में निहित है कि ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मां गंगा का अवतरण भूलोक पर हुआ था। अतः हर वर्ष ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गंगा दशहरा मनाया जाता है।

हर वर्ष ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस दिन जगत की धात्री मां गंगा की पूजा-उपासना की जाती है। इसके लिए साधक ब्रह्म बेला से पवित्र गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। इसके पश्चात विधि-विधान से मां गंगा की पूजा करते हैं। शास्त्रों में निहित है कि ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मां गंगा का अवतरण भूलोक पर हुआ था। अतः हर वर्ष ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गंगा दशहरा मनाया जाता है। धार्मिक मत है कि गंगा नदी में स्नान-ध्यान करने से व्यक्ति के जन्म-जन्मांतर में किए गए सकल पाप नष्ट हो जाते हैं। साथ ही मां गंगा की कृपा से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। आइए, गंगा दशहरा की तिथि, मुहूर्त एवं योग जानते हैं-

शुभ मुहूर्त- ज्योतिषीय गणना के अनुसार ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 16 जून को देर रात 02 बजकर 32 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 17 जून को ब्रह्म मुहूर्त में 04 बजकर 43 मिनट पर समाप्त होगी। नोट करें यह तिथि अंग्रेजी कैलेंडर पर आधारित है। सनातन धर्म में सूर्योदय से तिथि की गणना की जाती है। अतः 16 जून को गंगा दशहरा मनाया जाएगा।

योग- गंगा दशहरा पर वरीयान योग का निर्माण हो रहा है। वरीयान योग संध्याकाल 09 बजकर 03 मिनट तक है। इसके बाद परिघ योग का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा, ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और अमृत सिद्धि योग के भी संयोग बन रहे हैं। इन योग में गंगा स्नान करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होगी।

चंद दिनों में बनना चाहते हैं मालामाल

हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख माह का शुभारंभ 24 अप्रैल से होगा। यह माह हिंदू नववर्ष का दूसरा महीना है। मान्यता है कि इस माह में पूजा-पाठ करने से सभी कष्ट और दुख दूर हो जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस माह में कुछ उपाय करने से सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है और इंसान कुछ ही दिनों में मालामाल बन सकता है।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, साल का दूसरा महीना वैशाख होता है। इस माह में जगत के पालनहार भगवान विष्णु और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। यह माह प्रभु को प्रसन्न करने के लिए बेहद खास होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस माह पूजा-अर्चना करने से साधक को सभी कष्ट और दुख से छुटकारा मिलता है। इस बार वैशाख माह की शुरुआत 24 अप्रैल से हो रही है और इसका समापन 23 मई को होगा। ऐसा माना जाता है कि इस माह में कुछ उपाय करने से सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है और इंसान कुछ ही दिनों में मालामाल बन सकता है। आइए जानते हैं वैशाख माह में किए जाने वाले उपायों के बारे में।

वैशाख माह के उपाय

– सनातन धर्म में दान करने का विशेष महत्व है। अगर आप अपने पापों से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो इसके लिए वैशाख माह में अपनी श्रद्धा अनुसार तिल, सत्तू, आम और कपड़े का दान करें। माना जाता है कि इन चीजों का दान करने से इंसान के पापों का नाश होता है।

– वैशाख माह में पड़ने वाली अक्षय तृतीया के दिन सोना या फिर चांदी की कोई चीज खरीदें। मान्यता है कि इस खास अवसर पर सोना या फिर चांदी घर लाने से सुख और समृद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही देवी-देवता प्रसन्न होते हैं।

-वैशाख माह में अधिक गर्मी होती है, तो ऐसे में आप गरीब लोगों को चप्पल, छाता का दान करें। इसके अलावा पशु-पक्षियों के लिए खाने के लिए चीजें और जल रखें। माना जाता है कि यह उपाय करने से इंसान के जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

-इस माह में कांस्य के पात्र में भोजन करने से और खाट पर सोने से इंसान की सभी बीमारियां खत्म हो जाती हैं।

-वैशाख माह के सोमवार को भगवान शिव का विधिपूर्वक रुद्राभिषेक करें और प्रभु को विशेष चीजों का भोग लगाएं। इससे इंसान को धन-धान्य की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

वैशाख महीने में इस दिन है कालाष्टमी?

जानें शुभ मुहूर्त, महत्व एवं योग

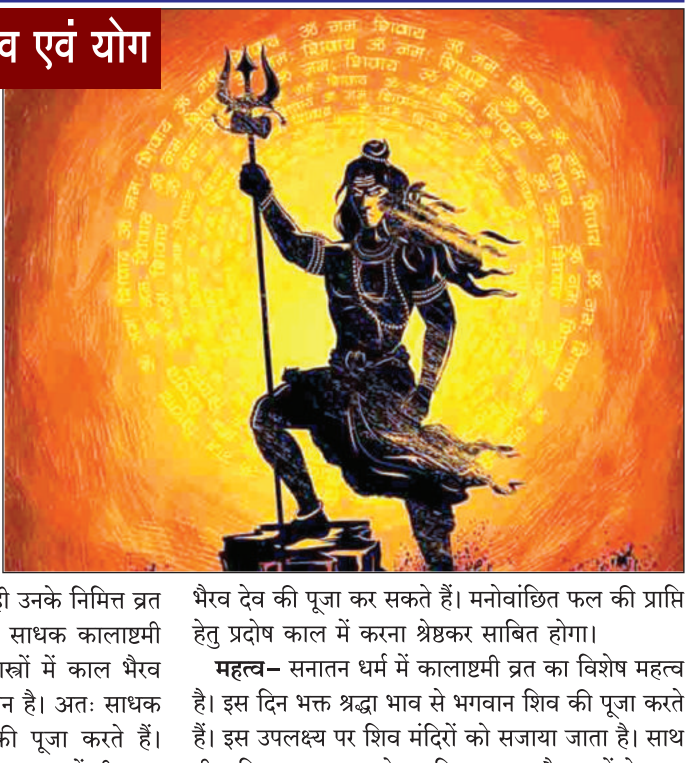

सनातन धर्म में कालाष्टमी व्रत का विशेष महत्व है। इस दिन भक्त श्रद्धा भाव से भगवान शिव की पूजा करते हैं। इस उपलक्ष्य पर शिव मंदिरों को सजाया जाता है। साथ ही रात्रि पूजा का आयोजन किया जाता है। इसमें देर रात निशा काल भैरव की पूजा करते हैं। तंत्र सीखने वाले साधकों को कालाष्टमी की रात्रि पर विशेष विद्या में सिद्धि प्राप्ति होती है।

हर माह कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी मनाई जाती है। यह पर्व भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दिन भगवान शिव के रौद्र स्वरूप काल भैरव देव की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत रखा जाता है। तंत्र- मंत्र सीखने वाले साधक कालाष्टमी तिथि पर विशेष अनुष्ठान करते हैं। शास्त्रों में काल भैरव की पूजा निशा काल में करने का विधान है। अतः साधक रात्रि के समय में काल भैरव देव की पूजा करते हैं। हालांकि, सामान्य जन यानी भक्तजन प्रदोष काल में भी काल भैरव देव की पूजा कर सकते हैं। धार्मिक मत है कि काल भैरव देव की पूजा करने वाले साधक के जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख, संकट, काल, क्लेश यथाशीघ्र दूर हो जाते हैं। आइए, शुभ मुहूर्त, तिथि एवं शुभ योग जानते हैं-

शुभ मुहूर्त- वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी 01 मई को सुबह 05 बजकर 45 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी 02 मई को सुबह 04 बजकर 01 मिनट पर समाप्त होगी। साधक 01 मई को किसी समय काल भैरव देव की पूजा कर सकते हैं। मनोवांछित फल की प्राप्ति हेतु प्रदोष काल में करना श्रेष्ठकर साबित होगा।

महत्व- सनातन धर्म में कालाष्टमी व्रत का विशेष महत्व है। इस दिन भक्त श्रद्धा भाव से भगवान शिव की पूजा करते हैं। इस उपलक्ष्य पर शिव मंदिरों को सजाया जाता है। साथ ही रात्रि पूजा का आयोजन किया जाता है। इसमें देर रात निशा काल भैरव की पूजा करते हैं। तंत्र सीखने वाले साधकों को कालाष्टमी की रात्रि पर विशेष विद्या में सिद्धि प्राप्ति होती है।

योग- वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण संध्याकाल 08 बजकर 02 मिनट तक हो रहा है। इसके बाद शुक्ल योग का निर्माण हो रहा है। साथ ही इस तिथि पर शिववास का भी योग बन रहा है।

जनेऊ पहनने से मिलते हैं कई लाभ

बस ध्यान रखने होंगे ये नियम

हिंदू धर्म में जनेऊ धारण करने का विशेष महत्व है।सनातन मान्यताओं के अनुसार तीन धागे वाले जनेऊ को बहुत ही महत्वपूर्ण और पवित्र माना जाता है। जनेऊ धारण करने से व्यक्ति को विशेष लाभ मिलते हैं लेकिन इसे धारण करने समय कुछ नियमों का ध्यान रखना भी जरूरी है ताकि इसकी पवित्रता बनी रहे। आइए जानते है जनेऊ के लाभ और नियम।

जनेऊ तीन धागों वाला एक सूत्र होता है, जिसे संस्कृत में यज्ञोपवीत कहा जाता है। हिंदू धर्म में जनेऊ संस्कार को जरूरी माना जाता है। साथ हिंदू शास्त्रों में इसके कई लाभ भी बताए गए हैं। यह न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया है बल्कि, वैज्ञानिक दृष्टि से भी लाभकारी है। लेकिन व्यक्ति द्वारा जनेऊ से जुड़े कुछ नियमों का ध्यान रखना भी जरूरी माना गया है।

क्या होता है जनेऊ

जनेऊ तीन धागों वाला एक सूत्र होता है, जिसे अपने बाएं कंधे के ऊपर से दाईं भुजा के नीचे तक पहना जाता है। यज्ञोपवीत के एक तार में तीन-तीन तार होते हैं। इस तरह जनेऊ में कुल नौ तार होते हैं, जो शरीर के नौ द्वार का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं, इसमें लगाई जाने वाली पांच गांठ ब्रह्म, धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का प्रतीक मानी गई हैं।

मिलते हैं ये लाभ

माना जाता है कि जनेऊ धारण करने से व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। कहा जाता है कि जनेऊ पहनने वाले से नकारात्मकता दूर बनी रहती है और उसके आसपास बुरी शक्तियों नहीं आती। साथ ही यह भी माना जाता है कि जनेऊ धारण करने वाले व्यक्ति को बुरे सपने नहीं आते और जीवन में सकारात्मक बनी रहती है।

इन नियमों का जरूर रखें ध्यान

जनेऊ से जुड़े नियमों का भी विशेष रूप से ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि इसकी पवित्रता बनी रहे। मल-मूत्र विसर्जन के पूर्व दाहिने कान पर चढ़ा लें और हाथों को धोने के बाद ही इसे कान से उतारना चाहिए। यदि जनेऊ का कोई तार टूट गया है, तो इसे बदल लें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि जनेऊ को तभी उतारना चाहिए जब आप नया यज्ञोपवीत धारण कर लें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

रकुल प्रीत का पिंक साड़ी में छा गया देसी लुक

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह अपने हर एक लुक में कहर ढाती रहती हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपनी खूबसूरत फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर कर अक्सर इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। लेकिन जब बात एक्ट्रेस के ग्लैमरस अंदाज की आती है तो उनकी बराबरी को कोई तोड़ नहीं है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपनी एक्टिंग और परफेक्ट ड्रेसिंग सेंस को लेकर आए दिन चर्चाओं में बनी रहती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही फैंस के बीच छा जाता है।हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमर अवतार देखकर लोग उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।रकुल प्रीत सिंह ने लेटेस्ट तस्वीरों में पिंक कलर की सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो खूबसूरत नजर आ रही हैं।

उन्होंने अपने इस साड़ी लुक को व्हाइट कलर की ब्लाउज के साथ टिमअप किया है।अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने साड़ी-ब्लाउज के साथ जूलरी भी पहनी है। उनके दोनों कानों में सिल्वर ईयररिंग्स चमकते हुए नजर आ हैं। रकुल ने एक हाथ में सिल्वर चूडियां पहनी हैं तो दूसरे हाथ की उंगली में रिंग पहनकर लुक को और खूबसूरती से निखारा है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, जिसके लिए वो अपनी फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं।

हनुमान बनने के बाद 8-9 घंटे तक खाना नहीं खाते थे दारा सिंह

बैठने के लिए होती थी स्पेशल कुर्सी

देशभर में हनुमान जयंती की धूम है। मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है तो वहीं गली गली भंडारे हो रहे हैं कि कोई भी आज बिना प्रसाद के ना रह जाए। राम के भक्त इन हनुमान जी की महिमा अपार है इसलिए स्क्रीन पर इनका किरदार निभाना भी किसी तपस्या से कम नहीं था। अब टीवी की बात हो तो सबसे यादगार हनुमान दारा सिंह ही रहे हैं। रामानंद सागर की रामायण में दारा सिंह जी ने ऐसा किरदार निभाया कि उनके बाद आज तक कोई वैसा जादू और वैसी भक्ति नहीं जगा पाया है। इस रोल के लिए उन्होंने खूब मेहनत की थी। गेटअप लेने के बाद बैठना तक मुश्किल हो जाता था लेकिन दारा सिंह ने पूरी मेहनत और लगन के साथ इसे निभाया।

8-9 घंटे तक रहते थे भूखे

दारा सिंह ने एक बार अपने इंटरव्यू में बताया था कि उनके चेहरे पर मोल्ड होता था। इस लुक को सेट करने के लिए शूटिंग के तीन घंटे पहले उनका मेकअप शुरू हो जाया करता था। इस वजह से वह 8-9 घंटे तक कुछ खा नहीं पाते थे। लेकिन उन्होंने कभी इस चीज की शिकायत नहीं की। उनकी इसी कड़ी तपस्या से शायद हनुमान जी इतने खुश हुए कि उनके किरदार में जान डाल दी।

दारा सिंह नहीं बनना चाहते थे हनुमान

दारा सिंह के बेटे विंदु दारा सिंह ने आरजे सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में बताया, 'रामानंद सागर ने मेरे पिता को शो में लेने का मन बना लिया था। तब मेरे पिता ने मुझसे कहा था कि मैं इस रोल को नहीं करूंगा। इस उम्र में ये रोल करूंगा तो लोग मुझ पर हंसेंगे।' लेकिन रामानंद सागर के दिल में दारा सिंह की इमेज फिट हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि सपने में उन्होंने दारा सिंह को हनुमान के रोल में देखा था। इसके बाद दारा सिंह भी मना ना कह सके।

पूंछ की वजह से बैठने के लिए किया था खास इंतजाम

लहरें को दिए इंटरव्यू में रामानंद सागर के बेटे प्रेम ने बताया था कि हनुमान जी के मेकअप में 3-4 घंटे लगते थे क्योंकि पूरा लुक मैच करवाना होता था। पूंछ पहनने के बाद बैठना मुश्किल होता था। इसलिए उनके लिए एक स्पेशल स्टूल रखा हुआ था जिसमें पूंछ के लिए एक कट लगा हुआ था।

रीमा सेन की मां काली का फर्स्ट लुक जारी

पीपल मीडिया फ़ैक्टरी का नया प्रोजेक्ट जिसका नाम माँ काली है। पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री वर्तमान में विभिन्न प्रकार की कहानियों को स्क्रीन पर लाकर तेलुगु फिल्म उद्योग में धूम मचा रही है। कंपनी न केवल छोटे पैमाने की फिल्में बना रही है, बल्कि शीर्ष स्तर के नायकों के साथ बड़े बजट की परियोजनाओं में भी उतर रही है। इसके अतिरिक्त, वे कभी-कभार प्रयोगात्मक फिल्में बनाने, अपनी बहुमुखी प्रतिभा और नई कहानियों की खोज करने की इच्छा दिखाने के लिए जाने जाते हैं।पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री की आगामी फिल्में बहुप्रतीक्षित हैं, हाल ही में रिलीज हुई फिल्म मां काली के फर्स्ट लुक पोस्टर ने काफी चर्चा पैदा कर दी है। मोशन पोस्टर एक ऐतिहासिक कथा पर फिल्म के फोकस का संकेत देता है जिसे बंगाल के इतिहास से मिटा दिया गया है। इसमें संवेदनशील विषयों को छूने और धार्मिक झड़पों से संबंधित विषयों का पता लगाने की उम्मीद है, जैसा कि पोस्टर पर काली माता और बुर्के में एक महिला की हाइलाइट की गई छवि द्वारा दर्शाया गया है। यह फिल्म धार्मिक युद्धों के आसपास की घटनाओं को उजागर करने की संभावना है, जो एक विचारोत्तेजक और साहसी रूप से अलग सिनेमाई अनुभव पेश करती है।रीमा सेन, एक प्रसिद्ध और प्रतिभाशाली अभिनेत्री, मां काली में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, जिसमें अभिषेक सिंह और अन्य सितारे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले टीजी विश्वप्रसाद द्वारा निर्मित और विजय एलकांति द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अनुराग का संगीत और आचार्य वेणु की सिनेमैटोग्राफी है।यह फिल्म सिर्फ एक भाषा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसे पूरे भारत में रिलीज करने की योजना है, जो व्यापक रूप से चर्चित और प्रभावशाली फिल्म बनने की इसकी क्षमता को दर्शाता है। अपनी दिलचस्प कहानी और प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, मां काली पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री की फिल्मों के भंडार में एक महत्वपूर्ण योगदान बनने के लिए तैयार है।

अवनीत कौर ने स्टायलिश आउटफिट में ढाया कहर

अभिनय की दुनिया से ताल्लुक रखने वाली अवनीत कौर को भला कौन नहीं जानता है। ये अक्सर अपने ग्लैमरस लुक के चलते सोशल मीडिया पर छाई रहती है। टेलीविजन और फिल्म अभिनेत्री अवनीत कौर अपने स्टाइलिश लुक और ग्लैमरस अंदाज के लिए अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. हाल ही में, उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह नीले रंग के स्टाइलिश आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं. इन तस्वीरों में अवनीत कौर एक स्विमिंग पूल के पास खड़ी हैं और कैमरे के लिए पोज दे रही हैं. अवनीत ने नीले रंग का क्रॉप टॉप और पैंट पहना हुआ है. उन्होंने अपने लुक को सिल्वर ईयररिंग्स और ग्लोइंग मेकअप से पूरा किया है. खुले बालों और आत्मविश्वास से भरी मुस्कान के साथ अवनीत कौर इस लुक में स्टनिंग लग रही हैं.एक्ट्रेस का सोशल मीडिया अकाउंट को खंगालने पर अदाकारा की एक से बढ़कर एक फोटो देखने को मिल जायेगी। बाकी एक्ट्रेस के जैसे अवनीत कौर भी सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती है। मनोरंजन की दुनिया में अवनीत की लोकप्रियता जाने-माने टीवी शो अलादीन से हुई थी।इस शो में उन्होंने शहजादी यास्मीन का किरदार बखूबी रूप से निभाया था। जोकि दर्शकों को खासा पसंद आया था ।वही सोशल मीडिया अकाउंट पर अवनीत के 32 मिलियन से भी अधिक फॉलोअर्स है।अवनीत एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर के तौर पर भी जानी जाती है। अवनीत के फिल्मी प्रोजेक्ट का जिक्र करे तो ये नवाजुद्दीन सिद्दिकी की फिल्म टीकू वेड्स शेरू से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। इस फिल्म में एक्ट्रेस अपने दे दुगने उम्र वाले स्टार को किस करने को लेकर एक्ट्रेस खासा चर्चा में रही।

मेरे बॉडी पार्ट्स पर जूम करते हैं कैमरा

नोरा फतेही का पैपराजी पर फूटा गुस्सा

मॉडल, डांसर और एक्ट्रेस नोरा फतेही ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। नोरा फतेही सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन उनकी फोटोज और वीडियोज वायरल होती रहती हैं। वहीं, नोरा फतेही पैपराजी के बीच काफी पॉपुलर हैं और उन्हें देखते ही कैमरे एक्टिव हो जाते हैं। हालांकि, इसी बीच नोरा फतेही ने पैपराजी को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया है। दरअसल, नोरा फतेही ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा है कि पैपराजी का उनके प्रति रवैया सही नहीं है। आइए जानते हैं कि नोरा फतेही ने पैपराजी को लेकर गुस्सा क्यों जाहिर किया है औ क्या कहा है।

एंटरटेनमेंट इडंस्ट्री की पॉपुलर सेलिब्रिटी नोरा फतेही ने कहा कि पैपराजी उनके बॉडी पार्ट्स पर कैमरा जूम करते हैं। नोरा फतेही ने 'न्यूज 18 शोशा' के साथ बातचीत करते हुए कहा, 'मुझे लगता है पैपराजी ने पहले कभी ऐसा हिप नहीं देखा है। वो सिर्फ मेरे साथ ही ऐसा नहीं करती बल्कि दूसरी एक्ट्रेसेस के साथ भी ऐसा करते हैं। हो सकता है कि वे आपके हिप पर जूम ना करें, क्योंकि ये एक्साइटिंग ना लगता है लेकिन वे फालतू में शरीर के दूसरे पार्ट्स पर कैमरा जूम करते हैं।

कभी-कभी मुझे लगता है कि जूम करने के लिए कुछ भी नहीं, तो वो फिर किस पर फोकस कर रहे हैं?' नोरा फतेही ने आगे कहा, 'दुर्भाग्य से ये वो चीजें है जो सोशल मीडिया पर ट्रेंड करती हैं। वे सिर्फ सोशल मीडिया एल्गोरिदम गेम खेल रहे हैं। किस्मत से मुझे एक अच्छी बॉडी मिली है और मुझे इस पर गर्व है। मैं इससे शर्मिंदा नहीं हूं।'

नोरा फतेही बोलीं- अपनी बॉडी को लेकर हूं कॉन्फिडेंट

नोरा फतेही ने आगे कहा, 'पैपराजी की कैमरा जूम करने के पीछे शायद गलत भावना है लेकिन ये डिस्कशन का अलग मुद्दा है। मैं हर किसी को पकड़कर सबक नहीं सिखा सकती लेकिन मैं अभी भी वैसे ही चलती हूं जैसे मैं चलता हूं। मैं अपनी बॉडी को लेकर पूरी तरह से कॉन्फिडेंट हूं।'

संपादकीय

ईवीएम का औचित्य

आम चुनाव, 2024 के लिए मतदान की शुरुआत हो चुकी है। देश के 17 राज्यों और 7 संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोगला क्यों है? संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर लौटना क्यों चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है। ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल किया जा चुका है। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ 'भ्रष्ट' हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है। उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है। आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं। बहरहाल अदालती फैसले की प्रतीक्षा है।

जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है।

नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है

नक्सलवाद पर कब लगेगी नकेल?

योगेंद्र योगी

नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इनमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड है, जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ें हुई हैं। इन मुठभेड़ों के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शांति का प्रस्ताव भी सामने रखा था, लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैंड कर दिया गया है। ऐसे

में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे, तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस की गोली का शिकार हुआ है। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरह से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किए जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पाएगा और बस्तर में खून की होली थमेगी? सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहां वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 96 थी, वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित जिलों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहां नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी, वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है, उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों- छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं। माओवादियों के थिंक टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी नामक गांव से हुई और इसीलिए इस उग्रपंथी आंदोलन को नक्सलवाद के नाम से जाना जाता है। जमींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडऩ पर अंकुश लगाने के लिए सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किए गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओ त्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था। आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मजदूरों और किसानों की दुर्दशा के लिए सरकारी नीतियां जिम्मेदार हैं। ये लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिए हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह देश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं और लोगों को सरकार के प्रति भड़क़ाने की कोशिश करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें माओवादी हिंसा को मुख्यतः कानून-व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, लेकिन इसके मूल में गंभीर सामाजिक-आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सलियों का कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिए लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे जमीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। माओवाद प्रभावित अधिकतर इलाके आदिवासी बहुल हैं और यहां जीवनयापन की बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन इलाकों की प्राकृतिक संपदा के दोहन में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। यहां न सडक़ें हैं, न पीने के लिए पानी की व्यवस्था, न शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं और न ही रोजगार के अवसर। नक्सलवाद के उभार के आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सली सरकार के विकास कार्यों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं। वे आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं होने देते और उन्हें सरकार के खिलाफ भडक़ाते हैं। वे लोगों से वसूली करते हैं एवं समांतर अदालतें लगाते हैं।

दृष्टि कोण

आज के युग में परिवार में संतुलन जरूरी

परम पिता परमेश्वर ने जब सृष्टि की रचना की तो अपनी अलौकिक शक्ति व दिव्य दृष्टि से प्रत्येक कमी को जांचा-परखा और प्राणियों में एक ऐसा संतुलन बनाया जिससे सभी प्रकार के प्राणी एक-दूसरे के पूरक बनकर आनंदमय जीवन व्यतीत कर सकें। मनुष्य समाज की इकाई बना। मानव से परिवार और परिवार से समाज की स्थापना हुई। मानव समाज के लिए परिवार न केवल आवश्यक है, अपितु एक सुरक्षित एवं आदर्श संस्था भी है। पर विगत कुछ वर्षों में इस संस्था की जड़ें कुछ हिलने लगी हैं। रचयिता ने जब अविकसित बचपन, पूर्ण विकसित युवावस्था और जीर्ण-शीर्ण वृद्धावस्था की तस्वीर बनाई तो उन्हें लगा कि बच्चे तो नन्हे-मुन्ने से प्यारे-प्यारे कोमल खिलौने उनके मां-बाप और अन्य सभी के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। उनके अविकसित तन और नादान मन को विकसित होने में सभी प्यार से सहयोग करेंगे। पर जब बचपन के बाद जवानी और बुढ़ापा आया तो उन्हें लगा कि जवानी तो स्वयं ही फौलाद होगी जो सबको संभालेगी पर बुढ़ापा कुरूप, निर्बल, मृत्यु की कगार पर डगमगाता सा एक पेड़ जिसके सभी पत्ते और शाखाएं थक कर और सूख कर गिरने वाले होंगे, उसे भी सहारा चाहिए। तो वृद्धावस्था को सुरक्षित रखने के लिए बचपन और बुढ़ापे में एक संतुलन बनाया गया। अंत में वैसे भी वृद्धों के मन बच्चों की तरह हो जाते हैं और वे घर में रहकर बच्चों को संभाल सकते हैं, क्योंकि बच्चे कोमल और वृद्ध निर्बल होते हैं। परिवार में बुजुर्गों को सम्मान दिया गया। बच्चों के माता-पिता बुजुर्गों का सम्मान करते और बुजुर्ग अपने अनुभवों और ज्ञान को साझा कर अगली पीढ़ी को जीना और कार्य करना सिखाते थे। नई पीढ़ी भी उनकी सेवा और आज्ञापालन करना अपना कत्र्तव्य समझती थी और बच्चों को भी यह सिखाया जाता था। मां-बाप अपने बच्चों को बुजुर्गों के पास सौंप कर निश्चिंत होकर घर अंदर-बाहर के कार्य करने निकल पड़ते थे। पहाड़ी भाषा में एक कहावत है कि मूल से प्यारा ब्याज होता है क्योंकि बुजुर्गों को नाती-पोते अपने बच्चों से अधिक प्यारे होते हैं। जब मां-बाप बच्चों की शरारतों पर पिटाई करने लगते तो बच्चे दादी-नाना की गोद में छिप जाते हैं और दादा-दादी बच्चों को मारने वाले मां-बाप को पिटाई करने से रोकते और डांटते। इस प्रकार बच्चे बुजुर्गों के साथ मिलकर खूब आनंद और मस्ती करते तथा बुजुर्ग भी बच्चों के साथ बच्चे ही बन जाते और अपनी मनपसंद खानपान की चीजें चोरी-छुपे बच्चों के साथ खूब चटकारे भरकर खाते। बच्चे अपनी दादी-नानी से रामायण, महाभारत, परियों की कहानियां, पहेलियां बड़े शौक-प्यार से सुनते थे। बच्चों में बचपन से ही संयुक्त परिवार में रहकर बड़ों का सम्मान और छोटे से प्यार करने की भावना का विकास होता था। उनमें मिल-जुलकर बांट कर खाने की भावना और सहनशीलता होती। इस प्रकार आयु की रेल पर जीवन रूपी यात्रा वृद्ध रूपी गार्ड के संचालन में बचपन, किशोरावस्था, यौवनावस्था और वृद्धावस्था रूपी स्टेशनों को पार करती हुई मृत्यु रूपी निश्चित स्टेशन पर बड़े आराम से पहुंच जाती थी। पर आज के इस भौतिकवादी युग में बच्चों का बचपन वीडियो गेम में खो गया है और उन्हें सिखाया जाता है कि मिट्टी से हाथ -पैर गंदे हो जाते हैं। आज पढ़े-लिखे बुजुर्गों को भी दरकिनार कर दिया जाता है, क्योंकि वे नए जमाने का ज्ञान नहीं रखते। बच्चे एक ऐसे परिवार में रहते हैं जहां न दादा-दादी हैं, न चाचा-ताया या परिवार के अन्य सदस्य। अगर किसी परिवार में बुजुर्ग हैं भी तो किसी के भी पास उनके साथ बैठने के लिए समय नहीं है। बच्चों को उनके पास बैठने से मां-बाप मना करते हैं कि वृद्ध उन्हें आधुनिक बातें नहीं सीखा पाएंगे और हमारे बच्चे पिछड़ जाएंगे। उनके मां-बाप भी वृद्धों को यही कहकर चुप करा देते हैं कि आपको आधुनिक ज्ञान नहीं है। हमें आपसे ज्यादा ज्ञान है। जैसे घर में पड़े पुराने सामान को कबाड़ी को बेच दिया जाता है, ऐसे ही वृद्धों को वृद्धाश्रमों में छोड़ा जा रहा है, जहां वे अपने परिवार के लिए खून के आंसू रोते हैं। यहां तक कि उनके क्रिया-कर्म को भी उनकी संतान के पास समय नहीं है। यौवन के नशे में चूर उनकी संतानें यह क्यों नहीं समझती कि ये वृद्ध भी कभी उनकी तरह बलशाली जवान थे, पर जवानी में फौलाद सा शरीर एक दिन बुढ़ापे की जंग लगकर जर्जर हो जाएगा, तब उन्हें भी सहारे की आवश्यकता होगी। इस बात को भी क्यों नहीं सोच पाते कि हम भी कभी बुजुर्ग होंगे, तब हमारे बच्चे भी हमारा अनुकरण करते हुए हमारे साथ भी वही व्यवहार करेंगे जो हमने अपने बुजुर्गों के साथ किया है। हर बुजुर्ग के पास अपने कुछ ऐसे अनुभव और सीख होती है जो कि गूगल में भी नहीं मिलती। एकल परिवार में अकेलेपन के शिकार बच्चे कई प्रकार की मानसिक विकृतियों का शिकार हो रहे हैं। बुजुर्ग अपने संघर्ष के बारे में जो बताते थे तो बच्चे प्रोत्साहित होते थे और विषम से विषम परिस्थितियों को संभालने की क्षमता रखते थे। पर आज छोटी-छोटी बातों पर आत्महत्या या दूसरों की हत्या एक आम बात हो चुकी है। बच्चे कई प्रकार के नशे के जाल में फंस कर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। जैसे कि बूढ़े से बूढ़े पुराने तरु भी छाया और फल देते हैं, वैसे ही बुजुर्गों के पास भी प्यार, आशीर्वाद, जीवन के अनुभवों का अमूल्य खजाना होता है। तो क्यों न आधुनिकता और सोशल मीडिया के भीड़ भरे बाजार में बिखरती बचपन की कोमल शाखाओं को वृद्धों की छत्रछाया में रखकर, उनके प्यार के सागर से सींचकर उनके सर्वांगीण विकास के साथ एक बलशाली तन-मन, मस्तिष्क के साथ राम, लक्ष्मण, अर्जुन, युधिष्ठिर जैसी बहादुर पीढ़ी का अवतरण किया जाए, जिनके संस्कारों की छत्रछाया में न जाने कितने लोगों को आश्रय देने की क्षमता हो।

कुछ अलग

जागरूकता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी

वर्तमान समय में विज्ञापन बाजार की दुनिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में वैश्विक विज्ञापन बाजार का आकार 615.2 अरब अमेरिकी डॉलर था, जिसके आगामी कुछ वर्षों में 800 अरब डॉलर होने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, औसत व्यक्ति प्रतिदिन 200 से 300 विज्ञापन तक देखता है। विज्ञापन लोगों को सूचना देने और उत्पादों आदि के बारे में जागरूक करने का एक प्रभावी माध्यम है। लेकिन वर्तमान समय में जिस प्रकार से भ्रामक विज्ञापनों की बाढ़-सी आई है, यह समाज के लिए समाधान कम, समस्या ज्यादा बनते जा रहे हैं। विज्ञापनदाता का इरादा मनोवैज्ञानिक रूप से आपको प्रभावित करते हुए आपके विचारों और निर्णयों को प्रभावित करना होता है। सिर्फ पांच दिनों में काले से गोरा करने, या मात्र एक खुशबू वाले डियोड्रेंट के स्प्रे मात्र से महिलाओं को आपके प्रति आकर्षित करने का दावा करने वाले विज्ञापन आपने खूब देखे होंगे। अभी कुछ दिन पहले साइंस जर्नल 'मेडिसिन' ने भारत में बेचे जाने वाले और उपभोग किए जाने वाले सबसे लोकप्रिय प्रोटीन पाउडर के 36 विभिन्न ब्रांडों पर किए गए विश्लेषण के निष्कर्ष प्रकाशित किए थे। विश्लेषण से पता चला कि 36 पूरकों में से लगभग 70 प्रतिशत में प्रोटीन की गलत जानकारी थी, कुछ ब्रांड अपने दावे का केवल आधा हिस्सा ही पेश कर रहे थे। इसके अलावा, लगभग 14 प्रतिशत नमूनों में हानिकारक फंगस थे, जबकि 8 प्रतिशत में कीटनाशकों के अवशेष दिखाई दिए। ये नतीजे भ्रामक जानकारी, पारदर्शिता की कमी और ऐसे उत्पादों से उत्पन्न संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में बढ़ती चिंता को दर्शाते हैं। पर्यावरणीय स्थिरता और सचेत उपभोग के बारे में चिंतित दुनिया में ग्रीनवाशिंग एक बढ़ती हुई चिंता बन गई है। ग्रीनवॉशिंग, जिसे उत्पादों या सेवाओं के बारे में भ्रामक पर्यावरणीय दावे के रूप में परिभाषित किया गया है, ने नियामकों, उपभोक्ताओं और वकालत समूहों का समान रूप से ध्यान आकर्षित किया है। हाल ही में, यूरोपीय संसद और भारतीय न्यायपालिका, दोनों ने इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए निर्णायक कदम उठाए, जो सख्त नियमों और विपणन प्रथाओं में अधिक जवाबदेही की ओर वैश्विक बदलाव का संकेत है। इसी तरह, भारतीय न्यायपालिका द्वारा उत्पादों की प्रभावकारिता के बारे में भ्रामक और निराधार दावे करने के लिए पतंजलि समूह की निंदा करना कंपनियों को उनकी मार्केटिंग के प्रति जवाबदेह बनाने के महत्व को रेखांकित करता है। न्यायपालिका का निर्णय उपभोक्ताओं को गलत जानकारी के आधार पर विकल्प चुनने से बचाता है और यह सुनिश्चित करता है कि कंपनियां अपने विपणन संचार में नैतिक मानकों का पालन करें। ग्रीनवाशिंग या भ्रामक विज्ञापन न केवल उपभोक्ताओं को गुमराह करते हैं, बल्कि टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के प्रयासों को भी कमजोर करते हैं। भ्रामक विज्ञापनों पर नकेल कस कर नियामक कंपनियों को अधिक जिम्मेदार और पारदर्शी विपणन रणनीति अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। भ्रामक विज्ञापनों को संबोधित करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें नियामकों, उद्योग हितधारकों, उपभोक्ता वकालत समूहों और जनता के बीच सहयोग शामिल होता है।

देश दुनिया से

अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते दक्षिण के क्षेत्रीय दल

चुनावी अभियान ही नहीं, सामान्य दिनों में भी दक्षिण के क्षेत्रीय दल अपनी भाषायी अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते। तमिलनाडु इस मामले में अगुआ रहा है। अक्सर ऐसे अभियानों में केंद्र सरकार और भाजपा जैसी पार्टियां ही निशाने पर रहती हैं। लेकिन भाषायी अस्मिता को चुनावी मुद्दा बनाने में उस कांग्रेस का नाम भी जुड़ गया है, जिसने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी को देश की प्रमुख भाषा बनाने का अभियान चलाया था। कोयंबटूर की चुनावी सभा में राहुल गांधी ने तमिल लोगों को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश में एक ही भाषा चाहते हैं। यानी प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी तमिल के खिलाफ हैं। इस पर विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है।

चुनावी अभियान के बीच आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है। जब प्रचार तमिलनाडु जैसे राज्य में हो, तो भाषा अपने आप मुद्दा बन जाती है। चुनावी अभियान ही नहीं, सामान्य दिनों में भी दक्षिण के क्षेत्रीय दल अपनी भाषायी अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते। तमिलनाडु इस मामले में अगुआ रहा है। अक्सर ऐसे अभियानों में केंद्र सरकार और भाजपा जैसी पार्टियां ही निशाने पर रहती हैं। लेकिन भाषायी अस्मिता को चुनावी मुद्दा बनाने में उस कांग्रेस का नाम भी जुड़ गया है, जिसने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी को देश की प्रमुख भाषा बनाने का अभियान चलाया था। कोयंबटूर की चुनावी सभा में राहुल गांधी ने तमिल लोगों को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश में एक ही भाषा चाहते हैं। यानी प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी तमिल के खिलाफ हैं। इस पर विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है। भाजपा ने राहुल गांधी के इस बयान की शिकायत चुनाव आयोग से की है। वैसे राहुल गांधी कांग्रेस के पहले नेता नहीं हैं, जिन्होंने भाषा को लेकर ऐसा बयान दिया है। केरल के तिरूवनंतपुरम सीट से चुनाव लड़ रहे शशि थरूर भी चुनाव प्रचार में भाजपा पर ऐसे आरोप लगा चुके हैं। हालांकि उनके बयान को उतनी तवज्जो नहीं मिली, क्योंकि केरल में हिंदी को लेकर तमिलनाडु जैसा माहौल नहीं रहा है। तमिलनाडु में तो हिंदी विरोध में पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी दिनों में आंदोलन तक हो चुका है, लेकिन केरल में ऐसा नहीं है। चाहे राहुल हों या शशि थरूर, दोनों के बयानों का एकमात्र मकसद यही है कि वे अपने वोटरों को इस आधार पर अपने समर्थन में खड़ा करें और उनका मत हासिल करें। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसे विभाजनकारी बयानों की चुनाव में जरूरत है? भारत की राजभाषा या राष्ट्रभाषा हिंदी हो, इसके खिलाफ पहला सवाल तमिलनाडु से ही उठा। तमिल विरोध के चलते संविधान के प्रावधान में हिंदी को जो हैसियत 26 जनवरी, 1965 को मिलनी चाहिए थी, नहीं मिल पाई। तमिलनाडु में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन की वजह से हिंदी देश की आधिकारिक रूप से संपर्क भाषा भी नहीं बन पाई। लेकिन तब से लेकर अब तक कावेरी और कृष्णा नदियों में काफी पानी बह चुका है। राजनीतिक बुनियाद पर भले ही दक्षिणी राज्यों में सीमित हिंदी विरोधी मानसिकता बची हुई हो, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि अब दक्षिणी राज्यों की सोच भी बदल रही है। अगर ऐसा नहीं होता, तो टूटी-फूटी ही सही, दक्षिणी राज्यों में भी हिंदी लिखने-बोलने की कोशिश नहीं होती। हिंदी सिनेमा के गाने दक्षिणी राज्यों में पसंद नहीं किए जाते। हिंदी की राह में सबसे बड़ी बाधा राजनीति रही है। अपने फायदे-नुकसान को ध्यान में रखते हुए वही स्थानीय लोकभावनाओं को कभी पक्ष, तो कभी विपक्ष में भड़काती है। महात्मा गांधी का सपना था कि आजाद भारत की अपनी भाषा हो, वह केंद्रीय भाषा बने। गुजरातीभाषी होते हुए भी उन्हें हिंदी में ही यह ताकत और संभावना नजर आई। लेकिन स्वाधीन भारत के राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते हिंदी आधिकारिक रूप से केंद्रीय भाषा नहीं बन पाई। राजनीति ने हिंदी विरोध के लिए अब नया बहाना ढूंढ़ लिया है। बहुभाषिकता और भाषायी लोकतंत्र को बनाए रखने के नाम पर उसका विरोध किया जाता है। दिलचस्प है कि केंद्रीय भाषा के तौर पर विदेशी भाषा तो स्वीकार्य हो सकती है, लेकिन अपनी हिंदी नहीं। तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी द्रमुक हिंदी की घोषित विरोधी है। जब भी उसे मौका मिलता है, हिंदी विरोध में अपनी आवाज मुखर करने से वह नहीं हिचकती। जब नई शिक्षा नीति लागू हो रही थी, तब भी उसने आरोप लगाया था कि हिंदी को थोपने की कोशिश की जा रही है। द्रमुक इंडिया गठबंधन का प्रमुख हिस्सा है। लेकिन गौर किया जाना चाहिए कि तमिलनाडु में जब प्रधानमंत्री मोदी या अमित शाह या फिर योगी आदित्यनाथ प्रचार में उतरते हैं, तो हिंदी में बोलते हैं। उनके भाषणों का तमिल में अनुवाद होता है। अगर तमिल जनता हिंदी विरोधी होती, तो वह धैर्य से इन नेताओं का भाषण नहीं सुनती। लेकिन कभी ऐसा नहीं लगा कि तमिल लोगों ने इन नेताओं के हिंदी भाषणों में अरुचि दिखाई हो। साफ है कि हिंदी को लेकर दक्षिण का लोकमानस बदल रहा है, अगर नहीं बदल रही है, तो वह है राजनीति। हालांकि कांग्रेस तर्क दे सकती है कि एक भाषा थोपने की उसके नेताओं की बात के पीछे हिंदी विरोध नहीं है। लेकिन केंद्रीय भाषा के रूप में एक भाषा का मतलब स्वतंत्र भारत में हिंदी ही है। ऐसे बयानों से

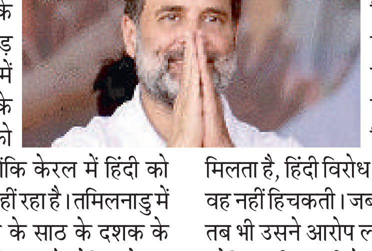

आप का नजरिया

सियासी आस्था से परे

बेशक मुकेश अग्निहोत्री की बेटी आस्था ने चुनाव लडऩे में अनिच्छा जाहिर की, लेकिन कुछ तो ऐसा रहा कि कांग्रेस के सियासी तराजू में उसका वजन देखा गया। जिस सौम्यता, सादगी और तहजीब का इजहार करती हुई आस्था ने राजनीतिक परंपराओं में खुद को अंकित कर लिया, वहां नई संभावनाओं के अक्स खुलते हैं। राजनीतिक शास्त्र में हिमाचल का अध्ययन फिलहाल इस स्तर का नहीं है कि पूरी तरह मूल्यांकन किया जाए, लेकिन कुछ तो ऐसे चेहरे आ रहे हैं जिनके कारण परिपाटी निश्चित रूप से बदलेगी। यहां आस्था बनाम कंगना के बीच बंटी हुई राजनीति का मूल्यांकन जरूर एक दिन होगा। आक्रामकता के मायनों में सियासत जिस चरित्र को खोज रही है, उसके विपरीत एक श्रृंखला आस्था अग्निहोत्री से शुरू होती है। जाहिर है डिप्टी सीएम ने राजनीतिक परिवार होने से पहले सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि का पालन पोषण किया है। इस बेटी के उद्गार एक दिन राजनीतिक क्षेत्र के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं, लेकिन तात्कालिक अवसर से दूर रह कर अग्निहोत्री परिवार ने कांग्रेस का शिखर जरूर पैदा किया है। बतौर नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री की पिछली पारी से एकदम भिन्न वर्तमान सत्ता में उनका अंदाज व एहसास अपराजेय साबित होता है। भले ही उप मुख्यमंत्री के रूप में उनकी प्रशासनिक क्षमता के अनुपात में सरकार के विभाग न बंटे हों, लेकिन राजनीति का बड़ा इतिहास वह जीत चुके हैं। एक पिता के रूप में, बेटी में उसकी मां की विरासत पुनः जीवंत और मर्यादित दिखाई देती है, तो इस तरह वह राजनीति की वर्तमान स्थिति से कहीं मीलों आगे हो जाते हैं। तमाम सियासी पंडितों और कांग्रेस प्रेमियों के लिए हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की तारणहार अगर आस्था को माना गया, तो यह दर्जा मुकेश अग्निहोत्री की सियासत को परिपक्व, संतुलित और सहज स्वीकार्य बनाता है। यह केवल कांग्रेस के लिए ही नहीं, बल्कि तमाम राजनीतिक दलों के लिए भी एक प्रेरक प्रसंग की तरह याद किया जाना चाहिए, लेकिन इसी कांग्रेस के दूसरे पक्ष में तमाम घमासान व टिकट के इंतजार में इंतकाम के सबब सामने आ रहे हैं। अब कांग्रेस के बीच पार्टी के कार्यकर्ता नहीं, कोई राजपूत, कोई ब्राह्मण, कोई ओबीसी, कोई गद्दी, तो कोई दलित बना बैठा है। सोशल मीडिया पर राजनीतिक चरित्र के फटेहाल न देखे जा सकते और न ही समझे जा सकते। इन तमाम बुराइयों के बावजूद कुछ चेहरे सिद्धांत और मर्यादा की बात करने और कहने सियासत में आए हैं। विलुप्त होती परंपराओं के बीच जब कभी शांता कुमार सरीखा सियासी दिग्गज अपनी ही पार्टी और केंद्र सरकार पर प्रश्न उठाता है, तो लोकतंत्र की आत्मा जी उठती है। वह कांग्रेस सरकार के मुखिया वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की कुछ योजनाओं व संकल्पों की तारीफ करते हैं, तो हिमाचल के संदर्भ सकारात्मक हो जाते हैं, लेकिन जिस तरह के आदान-प्रदान के बीच वर्तमान चुनाव के बोल सामने आ रहे हैं, उससे सामाजिक मूल्यों की न जाने कितनी अर्थियां उठ रही हैं।

सस्ता हो गया सोने का भाव ! रिकॉर्ड हाई से रुपए 4500 रुपए गिरा रेट

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के खरीदारों के लिए अच्छी खबर है। दोनो के भाव में 23 अप्रैल को तेज गिरावट आई है। भारतीय और ग्लोबल मार्केट में सोने और चांदी के भाव गिर गए हैं। सोने का भाव तो रिकॉर्ड हाई से करीब 4500 रुपए तक फिसल गए हैं। चांदी भी 7000 रुपए तक गिर गई है। घरेलू वायदा में सोना-चांदी का आज भाव 700-800 गिरकर खुले। एमसीएक्स पर सोना 657 रुपए फिसलकर 70540 रुपए प्रति 10 ग्राम के पास ट्रेड कर रहा है। चांदी भी करीब 700 रुपए गिरकर 79858 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है।

रिकॉर्ड स्तर से सोना करीब 4,500 रुपए फिसल गया है। जबकि सोने ने इसी महीने 73,958 रुपए का ऑल टाइम हाई छुआ था। इसी तरह चांदी भी 86,126 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड हाई लेवल से 7000 रुपए तक फिसल गई है।

ग्लोबल मार्केट में सोना टूटा

ग्लोबल मार्केट में सोने का भाव गिर गया है। कॉमेक्स पर सोने का भाव 2320 डॉलर प्रति ऑन्स पर ट्रेड कर रहे। सोना एक दिन में 85 डॉलर लुढ़का है। बता दें कि रिकॉर्ड ऊंचाई से सोने का रेट 120 डॉलर गिर गया है।

क्यों गिर रहे सोने-चांदी का भाव?

बुलियन मार्केट के लिए बड़ा ट्रिगर जियो पॉलिटिकल टेंशन है, जोकि कम हो रहा है। सुरक्षित निवेश की खरीदारी थमने का भी दबाव है। सोने के भाव पर डॉलर इंडेक्स और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में मजबूती का भी असर है। बता दें कि 106 के पास डॉलर इंडेक्स 6 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गया है। यूएस में ब्याज दर घटने में देरी का दोहरा असर है। इसके अलावा लगातार 4 हफ्ते तेजी के बाद सोने में मुनाफावसूली देखने को मिल रही है।

सोने-चांदी पर ब्रोकरेज आउटलुक

एमिरेट्स एनबीडी ने कहा कि मौजूदा स्तर से सोना-चांदी 2% और गिरने की संभावना है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंग ने सोने पर 69,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का टारगेट दिया। चांदी पर 77,000 रुपए प्रति किलोग्राम का टारगेट दिया है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल ने कॉमेक्स पर सोने के 2240 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है। चांदी पर 26140 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है।

सोने-चांदी पर ब्रोकरेज आउटलुक

एमिरेट्स एनबीडी ने कहा कि मौजूदा स्तर से सोना-चांदी 2% और गिरने की संभावना है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंग ने सोने पर 69,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का टारगेट दिया। चांदी पर 77,000 रुपए प्रति किलोग्राम का टारगेट दिया है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल ने कॉमेक्स पर सोने के 2240 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है। चांदी पर 26.40 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है।

न्यूज ब्रीफ

निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली।

निफ्टी मंगलवार को लगातार तीसरे सत्र में 0.14 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 22,368 अंक पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के डिप्टी हेड रिटेल रिसर्च देवर्ष वकील का कहना है कि हाल ही में 21,777 अंक के निचले स्तर से निफ्टी 670 अंक ऊपर आ गया है। उन्होंने कहा, भारतीय बाजार ने आखिरी घंटे की बिकवाली में दिन का अधिकांश लाभ गंवा दिया और लगातार तीसरे सत्र में मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। उन्होंने कहा कि निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 सूचकांकों ने निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन किया, और उनमें क्रमशः 1.06 प्रतिशत और 1.23 प्रतिशत की बढ़त रही। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स ने 16,702 अंक के साथ एक नया सर्वकालिक उच्च स्तर दर्ज किया। लगातार दूसरे दिन बढ़त वाले शेयरों की संख्या गिरावट वाले शेयरों से अधिक रही। उन्होंने कहा कि निफ्टी में रियल्टी, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टरों में सबसे ज्यादा तेजी रही, जबकि फार्मा, हेल्थकेयर और तेल एवं गैस में सबसे ज्यादा गिरावट आई। सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों में मजबूती के कारण अप्रैल में देश की आर्थिक गतिविधियों का विस्तार जारी रहा। फ्लैश इंडिया कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मार्च की अंतिम रीडिंग 61.8 की तुलना में अप्रैल में 62.2 पर पहुंच गई।

असित सी मेहता इन्वेस्टमेंट इंटरमीडिएट्स के एवीपी (टेक्निकल एंड डेरिवेटिव्स रिसर्च) नीरज शर्मा ने कहा कि मजबूत वैश्विक बाजार रुझानों से उत्साहित घरेलू इक्विटी बेंचमार्क में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन वृद्धि जारी रही। अस्थिरता सूचकांक, भारत वीआईएक्स, 19.72 प्रतिशत गिरकर 10.20 पर आ गया, जो बाजार में कम अस्थिरता का संकेत देता है।

सेफ्टी के मामले में फिसड्डी निकली महिंद्रा की ये एसयूवी, ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में मिली 1-स्टार रेटिंग

नई दिल्ली।

महिंद्रा बोलेरो नियो कॉम्पैक्ट एसयूवी को ग्लोबल एनसीएपी के भारत के लिए सेफ कार प्रोग्राम के तहत क्रैश टेस्ट के लेटेस्ट ट्रेंड में एडल्ट और चाइल्ड सेफ्टी दोनों में 1-स्टार रेटिंग मिली है। जिस एसयूवी को टेस्ट किया गया था, उसमें स्टैंडर्ड तौर पर केवल दो एयरबैग लगे थे और कई पैरामीटर्स पर इसे कम रेटिंग मिली है। ग्लोबल एनसीएपी के अनुसार, बोलेरो नियो को लेटेस्ट प्रोटोकॉल के तहत टेस्ट किया गया है और इसे अधिकतम 34 में से 20.26 अंक मिले। रिपोर्ट में कहा गया है कि एसयूवी का स्ट्रक्चर और फुटवेल एरिया अस्थिर है, और इसके अलावा, इसमें चालक के लिए कमजोर चेस्ट और लेग सेफ्टी भी मिली। बोलेरो नियो सभी यात्रियों के लिए कर्टेन एयरबैग या सीट बेल्ट रिमाइंडर से लैस नहीं है। जहां तक चाइल्ड पैसेंजर सेफ्टी की बात है, तो बोलेरो नियो ने अधिकतम 49 अंकों में से 12.71 अंक प्राप्त किए। सभी यात्रियों के लिए 3-प्वाइंट सीट बेल्ट की कमी, यात्री एयरबैग स्विच की कमी और केवल एक चाइल्ड रेस्ट्रेंट सिस्टम (सीआरएस) के कारण इस एरिया में कम स्कोर मिले, भले ही चाइल्ड प्रोटेक्शन ने ''एडसेप्टेबल मोबिलिटी परफॉर्मेंस'' दिखाया हो। बोलेरो नियो के लिए कम रेटिंग का एक और कारण साइड-फेसिंग थर्ड-रो सीटों की मौजूदगी है। जबकि महिंद्रा ने स्कॉर्पियो एन, एक्सयूवी700 और एक्सयूवी300 एसयूवी जैसे अपने प्रॉडक्ट्स के लिए अच्छी रेटिंग हासिल की है, लेकिन बोलेरो की कम रेटिंग आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि यह एक पुराने प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है। बोलेरो नियो एक अपडेटेड टीयूवी300 एसयूवी है और इसे दो साल के भीतर एक नए प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट किया जाएगा। बोलेरो नियो के अलावा, ग्लोबल एनसीएपी ने इस इवेल्यूएशन ट्रेंड में होंडा अमेज और किआ कैरेंस एमपीवी को भी टेस्ट किया गया है। सुरक्षा एजेंसी ने यह भी घोषणा की कि ये टेस्टिंग भारत के लिए सुरक्षित कारों के अभियान के अंतिम परीक्षणों में से हैं क्योंकि भारत एनसीएपी अब पूरी तरह से एक्टिव हो गया है।

जोमैटो से खाना मंगाना हुआ महंगा

नई दिल्ली।

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपनी कस्टमर फीस में 25 फीसदी का इजाफा किया है। जोमैटो ने चुनिंदा बाजारों में अपनी प्लेटफॉर्म फीस को चार रुपये से बढ़ाकर पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया है। यह बदलाव दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद और लखनऊ जैसे प्रमुख शहरों पर लागू है। जोमैटो ने अगस्त 2023 में प्लेटफॉर्म फीस लगाना शुरू किया था। शुरुआत में यह प्रति ऑर्डर 2 रुपये था। फिर अक्टूबर में कंपनी ने अपने ज्यादातर प्रमुख बाजारों में फीस बढ़ाकर 3 रुपये कर दिया था। कंपनी के ऐप के मुताबिक, उसने अपनी अंतर-शहरी फूड डिलीवरी सर्विस 'इंटरसिटी लीजेंड्स' को भी रोक दिया है। जोमैटो के प्रवक्ता ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'यह एक कारोबारी कदम है। इन्हें हम समय-समय पर विभिन्न कारकों के आधार पर लेते हैं।' कंपनी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), बेंगलुरु, मुंबई, लखनऊ और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में लागू होगी। जोमैटो ने पिछले साल अगस्त से प्रति ऑर्डर प्लेटफॉर्म फीस लेना शुरू किया था। उस समय यह दो रुपये प्रति ऑर्डर था। इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर अब पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया गया है। इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंपनी स्विगी पहले से ही प्रति ऑर्डर पांच रुपये का शुल्क लेती है। इसे समझने के लिए मुंबई में बर्गर की डलीवरी का उदाहरण लेते हैं।

कंपनी का शुद्ध मुनाफा चौथी तिमाही में 18,951 करोड़ रुपए रहा

रिलायंस का मुनाफा ₹1 लाख करोड़ के पार पहुंचा

मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का टैक्स से पहले का मुनाफा 1 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। रिलायंस ऐसा करने वाली पहली भारतीय कंपनी है। इसके अलावा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 (अप्रैल 2023- मार्च-2024) में 10 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड सालाना आय दर्ज की है। रिलायंस ने 22 अप्रैल को वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी के बोर्ड ने प्रति शेयर 10 रुपए के डिवेडेंड (लाभांश) को भी मंजूरी दी है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

चौथी तिमाही में सालाना आधार पर मुनाफा घटा, तिमाही आधार पर बढ़ा

कंपनी का शुद्ध मुनाफा चौथी तिमाही में 18,951 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में ये 19,299 करोड़ रहा था। यानी, पिछले साल की तुलना में मुनाफा 2% कम हुआ है। वहीं पिछली तिमाही यानी d3अ24 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 17,265 करोड़ रुपए रहा था। इससे पता चलता है कि तिमाही आधार पर मुनाफे में 10% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

चौथी तिमाही में आय 2.37 लाख करोड़ रही, सालाना आधार पर 11% बढ़ी

ऑपरेशंस से चौथी तिमाही में कंपनी की आय 2.37 लाख करोड़ रुपए हो गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ये 2.13 लाख करोड़ रुपए रही थी। यानी, सालाना आधार पर आय 11% बढ़ी है। वहीं पिछली तिमाही में कंपनी की आय 2.25 लाख करोड़ रुपए रहा था। यानी, तिमाही आधार पर आय में 5.33% की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी के चार मेन सेगमेंट है- ऑइल टू केमिकल, ऑयल एंड गैस, रिटेल, और जियो। यहां हम एक-एक कर सभी का परफॉर्मेंस बता रहे हैं...

1. रिलायंस जियो: ऐवरेज रेवेन्यू/यूजर 178.8 रुपए से बढ़कर 181.7 रुपए हुआ

टेलिकॉम कंपनियों के प्रदर्शन को मापने के लिए ऐवरेज रेवेन्यू पर यूजर (एआरपीयू) का इस्तेमाल होता है। एक साल पहले की तुलना में जियो का एआरपीयू 178.8 रुपए से बढ़कर 181.7 रुपए प्रति यूजर प्रति माह हो गया है। Q4 FY24 में जियो ने 1.09 करोड़ सब्सक्राइबर जोड़े। शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 13% बढ़कर 5,337 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल समान तिमाही में 4,716 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था। वहीं तीसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 5,208 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार पर मुनाफा 2.5% बढ़ा है। चौथी तिमाही में कंपनी की आय सालाना आधार पर 11% बढ़कर 25,959 करोड़ रुपए हो गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ये 23,394 करोड़ रुपए रही थी। वहीं पिछली तिमाही में आय 25,368 करोड़ रुपए रही थी। यानी, आय तिमाही आधार पर 2.3% बढ़ी है।

2. रिलायंस रिटेल: चौथी तिमाही में 1,840 स्टोर खोले, कुल स्टोर 18,836 हुए

रिलायंस रिटेल ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 1.56 करोड़ वर्ग फीट के ग्रॉस एरिया एडिशन के साथ 1,840 नए स्टोर खोले। कुल स्टोर की संख्या बढ़कर 18,836 हो गई है, जो 7.91 करोड़ वर्ग फीट के क्षेत्र को कवर करती है। सॉफ्टड्रिंक ब्रांड कैम्पा कोला का अधिग्रहण रिलायंस के लिए सही रणनीति साबित हो रही है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की बिक्री में इस ब्रांड ने करीब 400 करोड़ रुपए का योगदान किया है। ये कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स की एफएमसीजी यूनिट है। रिलायंस रिटेल की आय 10.7% बढ़कर ₹76,683 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में ₹69,288 करोड़ थी।

3. रिलायंस ऑइल टू केमिकल: सालाना आधार पर रेवेन्यू में 11% की बढ़ोतरी

O2C सेगमेंट ने चौथी तिमाही में साल-दर-साल आधार पर आय में 11% की बढ़ोतरी दर्ज की है। चौथी तिमाही में ये ₹1,42,634 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी, Q4FY23 में ₹1,28,633 करोड़ आय रही थी।

सेगमेंट के भीतर, ऑइल एंड गैस की आय ₹6,468 करोड़ रही। एक साल पहले की समान तिमाही में ये ₹4,556 करोड़ रुपए रही थी। यानी सालाना आधार पर इसमें 42% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं पिछली तिमाही में आय 6,719 करोड़ रही थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने कहा कि ग्लोबल लेवल पर फ्यूल की मजबूत मांग और दुनिया भर में रिफाइनिंग सिस्टम में लिमिटेड फ्लेक्सिबिलिटी ने O2C सेगमेंट के मार्जिन और प्रॉफिटेबिलिटी को सपोर्ट किया है।

रेवेन्यू 10 लाख करोड़ रुपए के पार, पिछले साल 9.74 लाख करोड़ रुपए था

FY24 में रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 10 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है। एक साल पहले यानी FY23 में ये 9.74 लाख करोड़ रुपए था। यह प्री-टैक्स प्रॉफिट में 100,000 करोड़ रुपए की सीमा पार करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है। पिछले साल की इसी तिमाही में टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने के कारण टैक्स एक्सपेंसिस सालाना आधार पर 138.8% बढ़कर 6,577 करोड़ रुपए हो गया।

मौसम बढ़ाएगा महंगाई? आरबीआई को सता रही ये चिंता...

कहा- वैश्विक तनाव से दोहरा संकट

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक को एक बड़ी चिंता सता रही है, जिसका जिक्र केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को जारी अपने बुलेटिन में किया है। ये चिंता है महंगाई बढ़ने की, जो हर बार बढ़ रही है। आरबीआई ने अपने बुलेटिन में कहा है कि मौसम की प्रतिकूल स्थिति महंगाई का जोखिम बढ़ा सकती है। वहां नहीं इसमें दोहरी मुसीबत के बारे में बताया गया है। एक तो मौसम से महंगाई में इजाफा और दूसरा कच्चे तेल में बढ़ोतरी का खतरा।

ऐसे पड़ सकती है महंगाई की दोहरी मार!

आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक, खराब मौसम से मुद्रास्फीति का खतरा बढ़ने की आशंका है। अप्रैल बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में केंद्रीय बैंक ने कहा है कि मौसम की खराब स्थिति मुद्रास्फीति के लिए जोखिम पैदा करने वाली साबित हो सकती है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर लंबे समय तक भू-राजनीतिक तनाव भी कच्चे तेल की कीमतों को अस्थिर रख सकता है। ऐसे में महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

अभी ईरान-इजरायल वार से बेअसर है क्रूड ऑयल

गौरतलब है कि पहले रूस और यूक्रेन, फिर इजरायल और हमास, इसके बाद अब इजरायल और ईरान के बीच तनाव और संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतों के अस्थिर होने का खतरा बढ़ा है और आरबीआई ने भी इसे लेकर चिंता जाहिर की है। हालांकि, Iranf-Israel War का कच्चे तेल की कीमतों पर फिलहाल तक को कोई बड़ा असर नहीं दिखा है, लेकिन रिजर्व बैंक को चिंता है कि अगर तनाव लंबा खिंचा तो Crude Oil की कीमतों में अस्थिरता देखने को मिल सकती है।

बता दें कि अंतरराष्ट्रीय मार्केट में ब्रेंट क्रूड का भाव 86.52 डॉलर प्रति बैरल और WTI Crude 81.37 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। हालांकि, इस युद्ध का शुरुआती असर सोने की कीमतों में जरूर देखने को मिला था और ये कुछ ही दिनों में 73,000 के आंकड़े को पार कर गई थी। हालांकि, दोनों देशों के बीच तनाव कम होने के संकेतों के चलते सोने के भाव में कमी देखने को मिली है।

देश में अभी खुदरा महंगाई की स्थिति

भारतीय रिजर्व बैंक अपनी हर दो महीने में होने वाली मौद्रिक नीति पर पहुंचते समय मुख्य रूप से खुदरा महंगाई के आंकड़ों पर फोकस रखता है। मार्च महीने में पांच महीने के निचले स्तर 4.85 फीसदी पर पहुंची है, जो कि इससे पिछले दो महीनों में औसतन 5.1 फीसदी पर बनी हुई थी। महंगाई दर में गिरावट के चलते फरवरी 2023 से ही रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों को 6.5 फीसदी पर स्थिर रखा है। अपने अप्रैल बुलेटिन में आरबीआई ने आगे कहा है कि साल 2024 की पहली तिमाही में वैश्विक विकास की गति बरकरार है और ग्लोबल बिजनेस के लिए दृष्टिकोण सकारात्मक हो रहा है। हालांकि, रिजर्व बैंक ने अपने बुलेटिन में कहा है कि लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और केंद्रीय बैंक इन विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।

एवरेस्ट कंपनी बोली- हमारे मसाले सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग में बैन नहीं

नई दिल्ली

भारतीय मसाला ब्रांड एवरेस्ट ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में अपने प्रोडक्ट्स बैन होने के रिपोर्टों का खंडन किया है। कंपनी ने कहा कि किसी भी देश में एवरेस्ट मसालों पर बैन नहीं है। हमारे सभी प्रोडक्ट्स सेफ और हाई क्वालिटी के हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि हांगकांग के अलर्ट के बाद सिंगापुर ने जांच के लिए हमारे मसालों को अस्थायी रूप से होल्ड किया है। 60 में से सिर्फ एक प्रोडक्ट को जांच होगी। दरअसल, सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने एमडीएच और एवरेस्ट के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा लिमिट से ज्यादा होने की जानकारी दी थी। इससे कैंसर होने का खतरा रहता है। दोनों देशों ने इनके 4 प्रोडक्ट्स को बाजार से हटाने का आदेश दिया था। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है।

भारत सरकार ने सभी मसालों की जांच के आदेश दिए

सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में मसालों को लेकर विवाद के बाद भारत सरकार ने भी फूड कमिश्नर्स से सभी कंपनियों के मसालों का सैंपल कलेक्ट करने को कहा है। सूत्रों ने कहा कि देश के सभी फूड कमिश्नर्स को इस मामले को लेकर अलर्ट कर दिया गया है। मसालों के सैंपल कलेक्शन की प्रोसेस शुरू कर दी गई है। तीन से चार दिनों में एमडीएच और एवरेस्ट समेत देश की सभी कंपनियों की मसाला मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स से सैंपल्स कलेक्ट कर लिए जाएंगे। इनकी लैब रिपोर्ट करीब 20 दिनों में आएगी।

हानिकारक तत्व होने पर कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी

भारत में फूड आइटम्स में एथिलीन ऑक्साइड के इस्तेमाल पर बैन है। भारतीय मसालों में हानिकारक तत्व पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आपराधिक कार्यवाही का भी प्रावधान है। सरकार ने मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के तहत स्पाइस बोर्ड से अपील की है कि वह जागरूकता फैलाए कि उत्पादों में कोई हानिकारक तत्व नहीं मिलाया जाना चाहिए।

पहले भी होती रही है सैंपलों की टेस्टिंग, इस बार ज्यादा सैंपल कलेक्ट करेंगे

सूत्रों ने ये भी कहा कि वे हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर की घटनाओं से पहले भी सैंपलों की टेस्टिंग कर रहे थे। दावा किया कि अब तक भारतीय बाजार में उपलब्ध विभिन्न ब्रांडों के मसालों में कोई हानिकारक तत्व नहीं पाए गए हैं। यह सैंपल लेने की एक सतत प्रक्रिया है। इस बार हम पहले जो भी सैंपल ले रहे थे, उससे कहीं अधिक तेजी और अधिक संख्या में सैंपल लेंगे।

कीटनाशक है एथिलीन ऑक्साइड, इससे कैंसर का खतरा

स्पाइस बोर्ड एथिलीन ऑक्साइड को 10.7 सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर ज्वलनशील, रंगहीन गैस के रूप में परिभाषित करता है। यह कीटाणुनाशक, स्टरलाइजिंग एजेंट और कीटनाशक के रूप में काम करता है। इसका इस्तेमाल चिकित्सा उपकरणों को स्टरलाइज करने और मसालों में माइक्रोबियल कंटेमिनेशन को कम करने के लिए किया जाता है।

महंगाई

पांच पखवाड़े में भी नहीं देते चांदी की पायल, बिछुए और करधनी

सोने और चांदी के बढ़े भावों ने घटा दिया सराफा का 40 प्रतिशत कारोबार

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

सोना और चांदी के बढ़े हुए भाव ने सराफा बाजार का व्यापार 40 प्रतिशत तक घटा दिया है। अब केवल सहालगी कारोबार ही हो रहा है जो कि बहुत ही कम है। किसी समय दूल्हा-दुल्हन की पांव पखराई और व्यवहार में नजदीकी लोगों द्वारा सोना-चांदी तक के गहने दिए जाते थे जो अब बंद हो चुके हैं। अब केवल नगदी देकर ही काम चलाया जा रहा है। अब मई और जून में सहालगी सीजन नहीं होने के कारण सराफा का कारोबार काफी प्रभावित होने वाला है जिसको लेकर कारोबारी चिंतित बने हुए हैं।

सराफा बाजार में इस समय स्टैण्डर्ड सोना 76200 रुपए प्रति दसग्राम तो चांदी 85300 रुपए किलो हो गई है। जेवराती 69800 रुपए का दसग्राम है जिसमें मेकिंग चार्ज अलग से जुड़ा हुआ है। दामों के इतने बढ़ने से आमजन ने इसकी खरीदारी से दूरी बना ली है। क्योंकि सोना और चांदी को खरीदना इनके बूते की बात नहीं रह गई है। दूसरी बात यह है कि इनको पहनना भी खतरनाक है। वहीं इनके दामों के बढ़ने के कारण निवेशक भी इसमें निवेश करने से कतराने लगे हैं।

मई और जून में नहीं सहालग

अप्रैल माह में 22, 23, 24, 25 और 26 का थोड़ा बहुत ही सहालग बचा हुआ है। इसके बाद मई और जून में शुक्र अस्त होने से विवाह का कोई योग नहीं है। जुलाई माह में 09, 10, 11, 12, 13, 14, 15 और 16 का सहालग है। इसके बाद 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है, इसके बाद चार माह तक मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। इस लिहाज से सोना और चांदी के बढ़े हुए दाम व्यापार की दृष्टि से सराफा बाजार के लिए अच्छे नहीं हैं।

इनका कहना है

'वैश्विक स्तर पर बनी परिस्थितियों के कारण सोने-चांदी के दाम बढ़ हुए हैं। जब कोई वस्तु अधिक महंगी हो जाती है तो इसकी बिक्री कम हो जाती है। यही हाल सोना और चांदी का है। लोग इसे खरीदने में दिलचस्पी कम ही ले रहे हैं।'

पुरुषोत्तम जैन, अध्यक्ष, सराफा बाजार

'मार्च और अप्रैल व्यापार की दृष्टि से निल रहा। आगे भी कोई उम्मीद नहीं है। मात्र थोड़ी-बहुत सहालगी खरीदारी रह गई है। जो लोग व्यवहार के लिए चांदी की पायल, बिछुए और करधनी देते थे उन्होंने भी लेना बंद कर दिया है। इसलिए हम भी कम मंगाते हैं। सोने-चांदी के दामों ने व्यापार को 40 प्रतिशत तक घटा दिया है।'

गौरव गोयल, स्वर्ण कारोबारी

मार्केट वैल्यू में मदद मिलेगी

केंद्र सरकार पांच सरकारी बैंकों में हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में

एजेंसी नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के 5 बैंकों में अपनी हिस्सेदारी घटाने की तैयारी शुरू कर दी है। वित्त वर्ष 2017 से 2022 के बीच सरकार ने इन सभी बैंकों में काफी पूंजी डाली थी। इसके चलते बैंकों की बड़ी हिस्सेदारी सरकार के पास है। सरकार विनिवेश करके इन बैंकों का एनपीए कम करने की कोशिश करेगी ताकि इनकी बैलेंस शीट सुधारी जा सके। सरकार जल्द ही सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक में अपनी हिस्सेदारी कम कर सकती है। इस विनिवेश के जरिए सरकार मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग के नियम का भी पालन सुनिश्चित कर सकेगी।

नियम की डेडलाइन अगस्त

मार्केट रेगुलेटर सेबी के नियमों के अनुसार, किसी भी कंपनी को लिस्टिंग के 3 साल के अंदर मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग 25 फीसदी करनी होती है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट दी है कि इन सभी 5 बैंकों के लिए एमपीएस नियम का पालन करने के लिए अगस्त, 2024 तक अब समय है। इसलिए सरकार इससे पहले ही इन बैंकों में अपनी हिस्सेदारी घटा सकती है।

सार.समाचार

मुझे अपनी क्षमताओं पर भरोसा था: मरीना

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के 33 सदस्यीय कोर ग्रुप में जगह बनाने वाली मिजोरम की युवा और ऊर्जावान मिडफील्डर मरीना लालरामनघाकी ने कहा कि मुझे अपनी क्षमताओं पर भरोसा था। अपने चयन को लेकर मरीना ने कहा, जब मुझे कोर ग्रुप में मेरे चयन की खबर मिली तो मैं खुशी से अभिभूत हो गई। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा क्षण था और मेरी आंखे भर आईं। मुझे हमेशा आत्मविश्वास था मेरी क्षमताओं और सफल परीक्षणों ने मेरे विश्वास की पुष्टि की। उन्होंने कहा, मेरा अंतिम लक्ष्य 2026 महिला एफआईएच हॉकी विश्व कप और 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम की सफलता में योगदान देना है। हालांकि, वर्तमान में मेरा ध्यान भारतीय टीम की टीम में जगह बनाना है। उन्होंने कहा, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने और अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं।

चोटिल मिचेल मार्श आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से बाहर हो गए हैं।

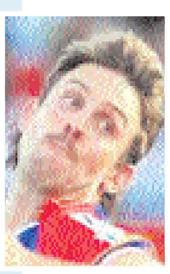

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने सोमवार को कहा कि ऑलराउंडर मिचेल मार्श आईपीएल 2024 के शेष भाग में हिस्सा नहीं लेंगे। मार्श फिलहाल दाहिनी हैमस्ट्रिंग की समस्या से उबर रहे हैं। इस चोट से उबरने के बाद वह भारत नहीं लौटेंगे और ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे। मार्श क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के चिकित्सीय दल से परामर्श करने के लिए 12 अप्रैल को पर्थ वापस चले गए थे। आईपीएल में वह वापसी करेंगे या नहीं करेंगे, इस फैसले को लेने में थोड़ी देर हुई, क्योंकि मार्श को ठीक होने और उनकी चोट को पुनर्मूल्यांकन करने के लिए पर्याप्त समय दिया जा रहा था। पोंटिंग ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह वापस आएंगे। सीए चाह रहा था कि मार्श की चोट की रिकवरी ऑस्ट्रेलिया में ही हों।

विटैलिटी काउंटी चैंपियनशिप में नायर ने जड़ा दोहरा शतक

नॉर्थेप्टनशायर। विटैलिटी काउंटी चैंपियनशिप में ग्लमॉर्गन के खिलाफ करुण नायर के नाबाद दोहरे शतक की बदौलत नॉर्थेप्टनशायर ने मैच पर अपनी स्थिति मजबूत पकड़ बना ली है। भारत के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज करुण नायर ने 253 गेंद में नाबाद 202 रन बनाए। उनके दोहरे शतक के बाद टीम ने 334 रनों की बढ़त के साथ छह विकेट पर 605 रन पर पारी घोषित की। नायर ने छठे विकेट के लिए सैफ जैब के साथ 212 रन की साझेदारी की। इस दौरान जैब ने भी अपने इस सत्र का पहला शतक बनाया। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज रिकार्डो वासकॉनसेलोस ने भी 182 रनों की बेहतरीन पारी खेली। मेहमान टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक 104 रन पर तीन विकेट गंवा दिए हैं ।

युकी भांबरी ने बीएमडब्ल्यू ओपन 2024 टेनिस में जीता युगल खिताब

म्यूनिख। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी जोड़ी ने बीएमडब्ल्यू ओपन 2024 टेनिस टूर्नामेंट में युगल खिताब जीत लिया है। जर्मनी के म्यूनिख

में गैरवरीयता प्राप्त भांबरी-ओलिवेट्टी की जोड़ी ने जर्मन एंड्रियास मिज और जान-लेनार्ड स्ट्रफ की जोड़ी को एक घंटे 51 मिनट में तक चले फाइनल मुकाबले में 7-6(6), 7-6(5) से हराया। इंडो-फ्रेंच जोड़ी का पहला खिताब है। इससे पहले सेमीफाइनल में भांबरी-ओलिवेट्टी ने ऑस्ट्रिया के अलेक्जेंडर एर्लर और लुकास मीडलर को 6-1, 6-7(5), 10-7 से हराया और क्वार्टरफाइनल में उन्होंने अमेरिकी जोड़ी रॉबर्ट गैलोवे और इवान किंग को 6-3, 6-3 से पराजित किया था। शुरूआती दौर में, भांबरी-ओलिवेट्टी की जोड़ी ने बेल्जियम की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी सैंडर गिल और जोरान व्लिगेन की जोड़ी को 95 मिनट तक चले मुकाबले में 4-6, 7-6(5),10-6 से हराया था। ऐसा माना जा रहा है कि इस जीत से 31 वर्षीय भांबरी पुरुष युगल टेनिस रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग 56वें स्थान पर पहुंच जाएंगे।

कैस्पर रूड ने जीता बार्सिलोना ओपन खिताब, सितसिपास को दी मात

बार्सिलोना। नॉर्वे के कैस्पर रूड ने स्टेफानोस सितसिपास से मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में मिली पिछली हार का बदला चुकता करते हुए बार्सिलोना ओपन टेनिस फाइनल में सीधे सेटों में हरा दिया। कैस्पर रूड ने 7-5, 6-3 से जीत दर्ज करके सत्र का पहला खिताब अपने नाम किया। वह इस साल तीन अन्य फाइनल हार चुके हैं। यह उनके कैरियर का 11वां खिताब और क्लेकोर्ट पर दसवां खिताब है। पिछली बार उन्होंने अप्रैल 2023 में एस्टोरिल में खिताब जीता था। पिछले साल फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहे रूड की नजरें अब रोलां गैरो पर खिताबी जीत दर्ज करने पर लगी हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हराया

चेन्नई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।
मार्कस स्टॉयनिस नाबाद (124) और निकोलस पूरन (34) रनों की शानदार पारियों की मदद से लखनऊ सुपर जायंट्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 39वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हरा दिया है। 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत खराब रही और उसने सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (शून्य) को विकेट गवां दिया। उन्हें दीपक चाहर ने बोल्ड आउट किया। उसके बाद कप्तान के एल राहुल 14 गेंदों में (16) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। देवदत्त पड़िक्कल (13) रन बनाकर आउट हुये। मार्कस स्टॉयनिस और निकोलस पूरन ने पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच 70 रनों की साझेदारी हुई। निकोलस 15 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (34) रन बनाये। मार्कस स्टॉयनिस ने 63 गेंदों में 13 चौके और छह छक्कों की मदद से नाबाद (124) रनों की पारी खेली। दीपक हुड्डा छह गेंदों में 17 रन बनाकर नाबाद रहे। लखनऊ ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 213 रन बनाकर कर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। चेन्नई की ओर से मथीशा पथिराना को दो विकेट मिले। दीपक चाहर और मुस्तफिजुर रहमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।इससे पहले ऋतुराज गायकवाड़ नाबाद (108) की शतकीय और शिवम दुबे (66) रनों की अर्धशतकीय आतिशी पारियों के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को जीत के लिए 211 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (1) का विकेट गवां दिया। उसके बाद डैरिल मिचेल ने ऋतुराज के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिये 45 रन जोड़े। छठें ओवर में यश ठाकुर ने हुड्डा के हाथों कैच आउट कराकर मिचेल (11) को पवेलियन भेज दिया।12वें ओवर में रवींद्र जडेजा (16) रन बनाकर आउट हुये। हालांकि दूसरे छोर से ऋतुराज लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने 60 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद (108) रनों की पारी खेली। शिवम दुबे ने ऋतुराज चौथे विकेट लिये 104 रनों की साझेदारी की। वह 20वें ओवर की चौथी गेंद पर रनआउट हुये। उन्होंने 27 गेंदों में तीन चौके और सात छक्के लगाते हुये (66) रन बनाये। महेन्द्र सिंह धोनी ने मैच की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर टीम का स्कोर चार विकेट पर 210 रन पहुंचा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से मैट हेनरी, मोहसिन खान और यश ठाकुर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गांधी उपनाम...

जेल में हो सकते हैं, तो भ्रष्टाचार के कई आरोप सामने आने के बावजूद केरल के मुख्यमंत्री के प्रति भाजपा सरकार का नरम रुख क्यों है।मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राहुल गांधी को इंडी गठबंधन के प्रति चेतावनी देते हुए कहा कि वे जब केरल में नहीं होंगे तो इंडी गठबंधन को काफी गंभीर दिक्कतें होंगी। विजयन ने कहा कि राहुल गांधी स्थानीय नेताओं के सस्ते और घटिया आरोप दोहरा रहे हैं। सीएम विजयन ने इससे पहले भी राहुल को सलाह देते हुए कहा कि उन्हें बोलते समय सावधान रहना चाहिए और यह जानना चाहिए कि उनको करारा जवाब भी मिलेगा। राहुल कोई ऐसे आदमी नहीं हैं जो आलोचना से परे हों। विजयन ने कहा, बातचीत में कांग्रेस नेता कहते हैं कि राहुल गांधी अब बदल गए हैं। मैंने सोचा था कि देश भर में घूमने पर राहुल को कुछ मालूम हुआ होगा लेकिन उन्होंने हाल ही में केरल में जो कहा वह एक नेता के लिए अत्यंत अशोभनीय था। सीएम विजयन ने कहा, राहुल गांधी अपरिपक्व हैं और स्वतंत्र रूप से सोचने में असमर्थ हैं। यह केवल स्थानीय नेताओं की बातें दोहरा रहे हैं। अनवर की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर पिनाराई विजयन ने कन्नूर में कहा, यह स्वाभाविक है कि यदि आप किसी की आलोचना करते हैं, तो आपको इसका प्रतिकार मिलेगा। राहुल गांधी को यह नहीं सोचना चाहिए कि वह आलोचना से ऊपर हैं।गौरतलब है कि सीपीएम और कांग्रेस, दोनों ही इंडी गठबंधन के सदस्य हैं। केरल में दोनों अलग-अलग लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। राहुल गांधी ने केरल में मुख्यमंत्री विजयन के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। वह उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं। उधर राहुल के लोकसभा क्षेत्र में भी सीपीएम ने अपने नेताओं को राहुल के विरुद्ध लगा रखा है। पीवी अनवर के इस बयान ने इस लड़ाई को और तेज कर दिया है।इस मुद्दे को लेकर पलक्कड़ से एलडीएफ के उम्मीदवार विजय राघवन ने पीवी अनवर के बयान पर उन्हें अच्छी भाषा के इस्तेमाल का सुझाव दिया। विजय राघवन का कहना था कि अनवर के भाषण का एक हिस्सा लेकर उसे विवादास्पद बनाने की आवश्यकता नहीं है। गौरतलब है कि एलडीएफ इंडी गठबंधन की सहयोगी पार्टी है। लेकिन केरल में ये एक दूसरे के खिलाफ हैं। ऐसे में केरल में ये एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करते रहते हैं। खास बात ये है कि इन पार्टियों के बीच की ऐसी नफरती तनातनी गठबंधन की असलियत बताती है।

सीपीएम विधायक...

शिकायत के साथ संलग्न पत्र में हसन ने कहा, अनवर के शब्द गोडसे की गोलियों से भी बड़ा खतरा हैं। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि अनवर की टिप्पणी विजयन के समर्थन से की गई थी और उन्होंने न केवल राहुल गांधी का बल्कि राजीव गांधी की शहादत का भी अपमान किया है। केरल की 20 लोकसभा सीटों पर 26 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले एक वामपंथी विधायक द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने से प्रचार अभियान में और कटुता आ गई है।

राम-हनुमान के...

देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। 2004 में जैसे ही केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी, उसमें सबसे पहला काम आंध्र में एससी-एसटी रिजर्वेशन में कमी कर मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया गया। 2004 से 2010 के बीच कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में चार बार मुस्लिम रिजर्वेशन लागू करने की कोशिश की। सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता के कारण यह लागू नहीं कर पाई। मैंने देश के सामने सच रखा कि कांग्रेस आपकी संपत्ति छीनकर उनके खास लोगों को बांटने की गहरी साजिश रच रही है। मैंने कांग्रेस की इस तुष्टिकरण की साजिश का पर्दाफाश किया था। इससे कांग्रेस को इतनी मिर्ची लगी है कि वे मोदी को गाली देने में लगे हैं।पीएम मोदी बोले कि राजस्थान में कांग्रेस के जाने के बाद पहली बार रामनवमी की शोभा यात्रा शांति से निकली है। हमारे यहां तो दिन का स्वागत भी राम-राम सा से होता है। कांग्रेस ने तो राम-राम सा कहने वाले राजस्थान में रामनवमी पर प्रतिबंध लगा दिया था। कांग्रेस ने शोभा यात्रा पर पत्थरबाजी करने वाले लोगों को सरकारी संरक्षण दिया था। इसी कांग्रेस ने मालपुरा, टोंक, करौली और छबड़ा को दंगों की आग में झोंक दिया था। क्या आप ऐसे लोगों को माफ करोगे? अब कांग्रेस सरकार जाने के बाद लोगों की हिम्मत नहीं है कि आपकी आस्था पर सवाल उठा दे। अब आप चैन से रामनवमी भी मनाएंगे और हनुमान चालीसा भी गाएंगे, यह भाजपा की गारंटी है।पीएम मोदी ने कहा कि आज हनुमान जयंती पर आपसे बात करते हैं मुझे कुछ दिन पहले की एक पंक्ति याद आ गई। आप में से बहुतों तक यह खबर नहीं पहुंची होगी। यह तस्वीर है कांग्रेस राज्य वाले कर्नाटक की। वहां एक छोटे दुकानदार को पीट दिया गया कि वह अपनी दुकान में बैठे-बैठे हनुमान चालीसा सुन रहा था। उसे लहुलूहान कर दिया। कांग्रेस के राज में हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह हो जाता है। राजस्थान तो इसका भुक्त-भोगी है। प्रभु राम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए कांग्रेस निमंत्रण को ठुकरा देती है तो उसके चेले-चपाटे भी हनुमान चालीसा पढ़ने वालों को पीटते हैं।

पीएम मोदी ने राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा कि अभी कांग्रेस के एक नेता ने सार्वजनिक रूप से कहा कि एक्सरे करके लोगों की सम्पत्ति का पता लगाएंगे। फिर जो भी ज्यादा होगा, वह लोगों में बांट देंगे। यह आपको मंजूर है क्या? क्या मंगलसूत्र पर हाथ लगा सकते हैं? इस पंजे की यह ताकत! राजस्थान में एक भी पंजा बचना नहीं चाहिए। कांग्रेस होती तो देश में अपने लिए भ्रष्टाचार के मौके तलाशती। राजस्थान के मेरे भाई-बहनों आप तो कुछ समय पहले ही कांग्रेस के पंजे से मुक्त हुए हैं। कांग्रेस ने महिलाओं पर अत्याचार के मामले में राजस्थान को नंबर एक बना दिया है। दुर्भाग्य देखिए कि कांग्रेस के लोग विधानसभा में कहते थे कि यह तो राजस्थान की पहचान है।पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने राजस्थान के लिए सबसे जरूरी ईआरसीपी प्रोजेक्ट को भी पास नहीं होने दिया। राजस्थान में हमारे भजनलाल शर्मा की मेहनत से ईआरसीपी योजना को पास करने का काम कर दिया। इसका बड़ा लाभ यहां के किसानों को होगा। यहां टोंक जिले में पीएम किसान सम्मान निधि के 1100 करोड़ रुपए बांटने का काम किया है।पीएम मोदी ने कहा कि टोंक में इन (कांग्रेस के) असामाजिक तत्वों के कारण यहां की इंडस्ट्री बंद हो गई। आपने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी को सेवा करने का मौका दिया है। जब से भजनलाल जी की टीम ने काम करना शुरू किया है, माफिया राज्य छोड़कर भागने पर मजबूर हो गए। जो अपराधी धोखे में हैं, वह जान लें, अभी तो भजनलाल की गाड़ी चलनी शुरू हुई है। अभी तो टॉप गियर में आना बाकी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी दावा किया कि पिछले 10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। यह बहुत बड़ा काम हुआ है। इतना बड़ा काम कैसे संभव हुआ? देश को सबसे मजबूत स्थिति में किसने पहुंचाया? आपका आशीर्वाद है कि आप सारा श्रेय मोदी को दे रहे हैं। सच्चाई यह है कि यह आपके कारण हुआ है। जो 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, उस पुण्य के हकदार आप हैं। जिस गरीब का चूल्हा जलता रहा है, उसके पुण्य का हकदार आपका वोट है। अगर 2014 के बाद भी दिल्ली में कांग्रेस सरकार होती तो क्या-क्या हुआ होता? जम्मू कश्मीर में आज भी हमारी सेना पर पत्थर चल रहे होते। कांग्रेस होती तो सीमा पार से आकर दुश्मन हमारे जवानों के सिर काटकर ले जाते और कांग्रेस कुछ नहीं करती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे राजस्थान ने सदियों से सीमा पर खड़े मजबूत प्रहरी की तरह देश की रक्षा की। राजस्थान यह जानता है कि सुरक्षित राष्ट्र और स्थाई सरकार यह कितनी जरूरी होती है। चाहे 2014 हो या 2019 हो, राजस्थान ने एकजुट होकर देश में भाजपा की ताकतवर सरकार बनाने के लिए अपना आशीर्वाद दिया। एकजुटता ही राजस्थान की सबसे बड़ी पूंजी है। याद रखना जब-जब हम बंटे हैं, तब तक देश के दुश्मनों ने फायदा उठाया है। अभी राजस्थान के लोगों को बांटने की कोशिशें हो रही है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस वालों से पूछो कि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में उन्होंने धर्म के आधार पर आरक्षण को बांटने का काम क्यों किया। 2020 में आरक्षण की समय-सीमा खत्म हो रही थी लेकिन यह मोदी है जिसने आरक्षण को 10 साल के लिए और बढ़ा दिया। 2024 के इस चुनाव में यह मेरी आखिरी सभा है। इसके बाद 26 अप्रैल को मतदान है। बुधवार को प्रचार अभियान भी समाप्त हो जाएगा। राजस्थान से अधिकतम मतदान करने की प्रार्थना करता हूं।

आरक्षण देने के...

सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों में माना जा रहा है और उन्हें शैक्षणिक संस्थानों में दाखिला और नियुक्तियों में रिजर्वेशन प्रदान करने के लिए पिछड़े वर्गों की राज्य सूची में अलग से मुस्लिम जाति के तौर पर सूचीबद्ध किया गया है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने कहा कि पिछड़ी जाति के तौर पर मुसलमानों का व्यापक वर्गीकरण खासकर सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के तौर पर पहचानी जाने वाली हाशिए पर पड़ी मुस्लिम जातियों और समुदायों के लिए सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को कमजोर करता है। कमीशन ने इस बात पर जोर दिया कि मुस्लिम समुदाय के अंदर हकीकत में वंचित और ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहने वाले तबके शामिल हैं, लेकिन पूरे मजहब को बैकवर्ड मानने से मुस्लिम तबके के भीतर विविधता और जटिलताओं की अनदेखी होती है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने राज्य में आरक्षण उद्देश्यों के लिए पूरे मुस्लिम समुदाय को पिछड़ी जाति के रूप में वर्गीकृत करने के कर्नाटक सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह का व्यापक वर्गीकरण सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को कमजोर करता है। एनसीबीसी ने कहा कि कर्नाटक में मुस्लिम धर्म की सभी जातियों/समुदायों को सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों में माना जा रहा है और उन्हें शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और नियुक्तियों में आरक्षण प्रदान करने के लिए पिछड़े वर्गों की राज्य सूची में अलग से मुस्लिम जाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। एनसीबीसी ने कहा कि पिछड़ी जाति के रूप में मुसलमानों का व्यापक वर्गीकरण खासकर सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के रूप में पहचानी जाने वाली हाशिए पर पड़ी मुस्लिम जातियों और समुदायों के लिए सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को कमजोर करता है। पूरे धर्म को पिछड़ा मानने से मुस्लिम समाज के भीतर विविधता और जटिलताओं की अनदेखी होती है। एनसीबीसी ने सरकार के फैसले पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे स्थानीय निकाय चुनाव में आरक्षण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। कर्नाटक में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए स्थानीय निकाय चुनाव में 32 फीसदी आरक्षण का दिया जाता है। इस आरक्षण को विभिन्न समुदायों में बांटने की मांग उठ रही है। राज्य में मुस्लिम जनसंख्या करीब 12.92 फीसदी है।

अब तक 35...

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनकी लोकतंत्र में आस्था तब मजबूत होगी, जब उन्हें पता चलेगा कि निर्विरोध चुने गए 35 उम्मीदवारों में से आधे कांग्रेस के थे। साजिश रचने का उनका विश्वास उस वक्त डिगेगा, जब उन्हें पता चलेगा कि उनके गठबंधन के नेता डॉ. फारुख अब्दुल्ला 1980 में और डिंपल यादव भी 2012 में निर्विरोध चुनी जा चुकी हैं। उन्होंने शायद अपनी पार्टी के दक्षिण गोवा सीट से उम्मीदवार विरिएटो फर्नांडीज के बयान को नहीं सुना है, जो दोहरी नागरिकता की मांग कर रहे हैं और उनका कहना है कि गोवा पर संविधान थोपा गया। उल्लेखनीय है कि भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल चुनाव की रेस में एकमात्र उम्मीदवार बचे, जिन्हें निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया गया।

जहां हिंसा हुई ...

तो हम कहेंगे कि चुनाव आयोग इन जिलों में संसदीय चुनाव नहीं कराए। यही एकमात्र तरीका बचा है। आचार संहिता लागू होने के बावजूद, अगर लोगों के दो समूह इस तरह लड़ रहे हैं तो वे किसी भी निर्वाचित प्रतिनिधियों के लायक नहीं हैं। हाईकोर्ट ने कहा, हमारा प्रस्ताव है कि हम भारत के चुनाव आयोग को एक सिफारिश करेंगे कि जो लोग शांति से जश्न नहीं मना सकते, उन्हें चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हम चुनाव आयोग को प्रस्ताव देंगे कि बहरामपुर (मुर्शिदाबाद क्षेत्र) में चुनाव टाल दिया जाए। दोनों पक्षों की यह असहिष्णुता पूरी तरह अस्वीकार्य है। मामले में सुनवाई 26 अप्रैल को होगी।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बुधवार 17 अप्रैल को रामनवमी शोभायात्रा के दौरान हिंसक झड़प हुई। शक्तिपुर इलाके में रामनवमी के मौके पर निकाले जा रहे जुलूस पर घरों और मस्जिदों की छत से अंधाधुंध पथराव किया गया और देसी बम फोड़े गए। इस घटना में 50 लोगों को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने पथराव करने वालों को कुछ नहीं किया, उल्टे रामनवमी मना रहे हिंदुओं पर आंसू के गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। इसमें कई लोग घायल हो गए थे।

सिंगापुर...

रिपोर्ट और निर्यातकों के बारे में ब्योरा मांगा गया है। इसके अलावा सिंगापुर के खाद्य सुरक्षा निकाय और हांगकांग के खाद्य एवं पर्यावरण स्वच्छता विभाग से भी विवरण मांगा गया है। निर्यातित मसाला उत्पादों में एथिलीन ऑक्साइड के अनिवार्य परीक्षण के मुद्दे पर चर्चा के लिए एक उद्योग परामर्श का कार्यक्रम भी निर्धारित किया गया है। इस बीच, भारतीय मसाला बोर्ड एमडीएच और एवरेस्ट के चार मसाला-मिश्रण उत्पादों की बिक्री पर लगाए गए प्रतिबंध पर विचार कर रहा है। हांगकांग के खाद्य सुरक्षा नियामक ने उपभोक्ताओं से इन उत्पादों को न खरीदने और व्यापारियों से बिक्री न करने को कहा है जबकि सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने उत्पादों को वापस लेने का निर्देश दिया है।

तमिलनाडु बनेगा...

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शब्दों में, एन मन, एन मक्कल केवल राजनीतिक यात्रा नहीं है, यह महान तमिल भाषा को पूरी दुनिया में पहुंचाने की यात्रा है। यह तमिल संस्कृति को कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और कोलकाता से लेकर सोमनाथ तक पहुंचाने की यात्रा है। यह यात्रा महान तमिल संस्कृति को समूचे देशवासियों के मन में सम्मान का स्थान दिलाने का एक प्रयास है।

अमित शाह ने 28 मार्च, 2024 को हरी झंडी दिखा कर अन्नामलाई की इस यात्रा को रवाना किया था। छह महीने तक चलने वाली इस यात्रा के दौरान वे राज्य के हर विधानसभा क्षेत्र में जाएंगे। इसके अलावा, अन्नामलाई की 500 दिन में 100 आश्वासन को पूरा करने की प्रतिज्ञा तीव्र शासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अन्नामलाई की प्रशंसा करना यह साबित करता है कि पार्टी नेतृत्व को उन पर पूरा भरोसा है।इंडिया टीवी-सीएनएक्स के चुनाव पूर्व सर्वेक्षण के अनुसार, तमिलनाडु में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का वोट शेयर बढ़ने की उम्मीद है। प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों कोयंबटूर, तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी, वेल्लोर, नीलगिरि, तिरुपुर, विरुदु नगर, शिवगंगा, तेनकासी, मदुरै, धर्मपुरी, थेनी, रामनाथपुरम, चेन्नई दक्षिण, चेन्नई मध्य में भाजपा प्रमुख विपक्षी दल के नाते एक मजबूत दावेदार के रूप में उभर सकती है। अन्नामलाई को मलयाली और नायडू जैसे विविध समुदायों से व्यापक समर्थन मिल रहा है, जिससे राज्य में भाजपा का जनाधार बढ़ रहा है और पार्टी मजबूत हो रही है। चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर के अनुसार भाजपा की सावधानीपूर्वक तैयार की गई रणनीति और राज्य के कल्याण के प्रति अटूट समर्पण ने राज्य में दोहरे अंक में वोट शेयर हासिल कर चुनाव में शानदार जीत हासिल करने के लिए मंच तैयार किया है। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के ठोस प्रयास राज्य के विकास और समृद्धि के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

दक्षिणी क्षेत्र में प्रधानमंत्री के कई दौरों ने भी जमीनी स्तर पर भाजपा को मजबूती प्रदान की है और मतदाताओं के बीच समर्थन बढ़ाया है। इसके अलावा, भाजपा ने अपने घोषणा-पत्र में तमिल संस्कृति और विरासत के प्रति सम्मान का भाव प्रदर्शित किया है। भाजपा द्वारा दुनियाभर में तिरुवल्लुवर सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करने की प्रतिज्ञा योग, आयुर्वेद और शास्त्रीय कलाओं के जरिए समग्र विकास का खाका पेश करते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक छवि को प्रदर्शित करने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। संत तिरुवल्लुवर को तमिल संस्कृति का प्रतीक माना जाता है, जिन्हें तमिल लोग जाति और धर्म की सीमाओं से ऊपर उठ कर एक प्राचीन संत, कवि और दार्शनिक के रूप में पूजते हैं। उनकी रचना थिरुक्कुरल, जिसे तमिल में कुराल कहा जाता है,1,330 दोहों का एक संग्रह है, जो हर तमिल घर का अनिवार्य हिस्सा है, ठीक उसी तरह जैसे श्रीमद्भगवद्गीता एवं रामायण पारंपरिक उत्तर भारतीय हिंदू घरों का हिस्सा हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले वर्ष मई में नए संसद भवन में राजदंड सेंगोल को स्थापित किया था। वास्तव में यह तमिल गौरव की स्थापना थी। इसके अलावा, प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी सहित प्रधानमंत्री मोदी के प्रतीकात्मक संकेत तमिल भावनाओं से गहराई से मेल खाते हैं। श्रीश्री रविशंकर के समर्थन के साथ तमिल संस्कृति को अपनाना तमिल गौरव को बढ़ावा देने के लिए भाजपा के समावेशी दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इसके अलावा, काशी तमिल संगमम का आयोजन, अयोध्या कार्यक्रम के अनुरूप रामेश्वरम में श्री रामनाथस्वामी मंदिर और श्रीरंगम में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करना स्थानीय रीति-रिवाजों में उनकी आस्था तमिल संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के साथ गहरे संबंध को दर्शाती है।

अन्नामलाई द्वारा डीएमके फाइल्स जारी करने और नशीली दवाओं के खतरे को लेकर बढ़ती चिंताओं सहित हाल के घटनाक्रमों ने भाजपा की चुनावी संभावनाओं को और मजबूत किया है। लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों मे लगातार तीन जीत दर्ज करने वाली सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक को इस लोकसभा चुनाव में नुकसान होने की संभावना है, जिसका लाभ भाजपा को मिल सकता है। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, भाजपा तमिलनाडु के राजनीतिक पुनर्जागरण के अगुआ के रूप में उभर रही है।समावेशी विकास, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और उत्तरदायी शासन की सम्मोहक दृष्टि के साथ भाजपा तमिलनाडु के लोगों के लिए प्रगति और समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करने के लिए तैयार है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण विजय अभियान को पूरा करने में लगे हुए हैं। दक्षिण उनके लिए कितना महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इस वर्ष जनवरी से लेकर अब तक वह दक्षिणी राज्यों के 20 दौरे कर चुके हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद तो उन्होंने 50 बार तमिलनाडु का दौरा किया है और कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी है।यह चुनाव तमिलनाडु की राजनीति की दशा-दिशा भी बदलने वाला साबित होगा। यदि भाजपा अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन करने में सफल रही तो यह द्रमुक के लिए खतरे की घंटी है, क्योंकि आगामी विधानसभा चुनावों पर इस चुनाव का असर पड़ना तय है।

हनुमान जयंती पर निकला योगी का जोरदार रोड शो

▪ मेरठ की सड़कों पर गूंजा, जय श्रीराम और जय हनुमान का नारा

मेरठ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के भक्त हनुमान की आज जयंती थी। अयोध्या में भगवान श्रीराम को 500 वर्ष बाद अपने भव्य मंदिर में विराजमान कराने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को मेरठ पहुंचे। उन्होंने लोगों से अपील की कि मेरठ वाले श्रीराम (रामायण सीरियल वाले) अरुण गोविल को सदन में पहुंचा दें। उनके इस आह्वान पर मेरठ के मतदाताओं ने योगी जी को जयश्रीराम कहकर विश्वास दिलाया कि 400 पार में हमारा भी योगदान होगा। मंगलवार को मेरठ की सड़कों पर तिल रखने तक की जगह नहीं थी। रोड शो में बहुसंख्यकों के साथ शामिल अल्पसंख्यक समाज ने भी अपने मुखिया का जोरदार अभिनंदन किया।

मेरठ से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अरुण गोविल के पक्ष में मंगलवार को योगी आदित्यनाथ ने रोड शो निकाला।

लगभग 45 मिनट से अधिक के रोड शो में जहां तक नजर गई, हर तरफ जनसमुद्र ही दिखा। यहां सड़कों पर तिल तक रखने की जगह नहीं थी। हनुमान जयंती पर मंगलवार को निकले योगी आदित्यनाथ के रोड शो ने भीड़ का नया रिकॉर्ड कायम किया। पूरे रास्ते योगी आदित्यनाथ को आश्वासन मिला कि आपने हमें सुरक्षा दी है, हम आपके नेतृत्व में मोदी जी को मेरठ का ताज देंगे।

योगी आदित्यनाथ को देख जनमानस अभिभूत हो उठा। सभी ने जय श्रीराम-जय श्रीराम के गगनभेदी नारे लगाए तो दूसरी तरफ राम जी की सेना चली, जो राम को लाए हैं आदि गीतों से भी पूरा माहौल राममय हो गया। मोदी-योगी जिंदाबाद, भारत माता की जय के नारों ने भी मेरठ की सड़कों पर जोश भर दिया। महिला, बुजुर्ग, पुरुष, युवा, बच्चे योगी की एक झलक पाने को आतुर दिखे। सभी ने योगी आदित्यनाथ के रोड शो के पल-पल की छवि अपने मोबाइल में कैद कर ली।

क्रांतिधरा मेरठ मंगलवार को भगवामय दिखा। यहां हर तरफ भगवा और भाजपा के झंडे दिखते रहे। बच्चे हों या भाजपा समर्थक, भगवामय होकर योगी आदित्यनाथ को अपना समर्थन देने पहुंचे।

बहुसंख्यक समाज के साथ अल्पसंख्यक समाज ने भी योगी का जोरदार स्वागत किया। रोड शो में मेरठ से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, मेरठ के सांसद राजेंद्र अग्रवाल, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया आदि मौजूद रहे।

हनुमान प्राकट्योत्सव पर टीकाराम मंदिर में हुआ सामूहिक सुंदरकांड का पाठ

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सत्य सनातन नारी शक्ति-लक्ष्मणपुरी, की ओर से सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल की अगुवाई में हनुमान महाराज के पावन प्राकट्योत्सव पर मंगलवार 23 अप्रैल 2024 को भव्य सुंदरकांड का आयोजन, निशातगंज गोमती पुल हनुमान सेतु मार्ग स्थित प्रतिष्ठित टीकाराम हनुमान मंदिर परिसर में किया गया। सुंदरकांड पाठ के उपरांत हुए भंडारे में बड़ी संख्या में भक्तगण उमड़े। इस अवसर श्री परमानंद हरि हर मन्दिर की संस्थापिका सपना गोयल ने आह्वान किया कि देवों और संतों की भूमि-भारत को अपनी आध्यात्मिक सनातन पहचान दिलवाने के लिए प्रत्येक हिंदू अपने-अपने स्थानीय मंदिरों पर हर मंगलवार को एकत्र होकर सुंदरकांड का पाठ अवश्य करें।

सपना गोयल की अगुवाई में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार 10 मार्च को 5 हजार महिलाओं द्वारा एक साथ सुंदरकांड कराने का संकल्प पूरा किया गया। इस क्रम में अब जल्द ही अयोध्याजी और प्रयागराज जैसे तीर्थों की पावन धरा पर भी पांच-पांच हजार महिलाओं द्वारा सामूहिक सुंदरकांड पाठ का संकल्प लिया गया है। यह आह्वान किया गया है कि हर मंगलवार को मंदिरों में भक्तों द्वारा सामूहिक सुंदरकांड का पाठ किया जाए। इसके साथ ही हर माह मासिक संगोष्ठी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के व्यापक अभियान का संचालन भी प्रभावी रूप से किया जा रहा है।

सपना गोयल ने बताया कि इस साल सावन महीने में पांच सौ मंदिरों में महिलाएं एकत्र हो कर सुंदरकांड का पाठ करेंगी। सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल के संकल्प को धरातल पर साकार करने में उनके द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर गठित 51 शक्तिपीठ सनातनी महिला समूह अहम् भूमिका अदा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, बरेली, मुरादाबाद, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, लखीमपुर, रायबरेली, बनारस, सुल्तानपुर, बाराबंकी, अयोध्या नगरी, बदायूं, बिजनौर, अमरोहा, सीता-पुर, कानपुर, जौनपुर सहित प्रदेश के पचास गांव और देश में मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, उड़ीसा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु तक में यह अभियान पहुंच चुका है। विदेशों में मॉरीशस, अमेरिका, साउथ अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात तक में यह अभियान सक्रिय हैं। उल्लेखनीय है कि सपना गोयल उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को प्रभु श्रीराम के अनुज लक्ष्मण के नाम पर बसी लक्ष्मणपुरी के मूल नाम को स्थापित कराने और सनातन धर्म के पुनरुत्थान के लिए कार्य कर रही हैं। बीते कई वर्षों से वे मंदिर निर्माण और मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य भी करा रही हैं।

काशी में हनुमान जन्मोत्सव

60 फीट के रथ पर सजी रामलला की झांकी

11 हजार ध्वज लहराए, 1001 किलो लड्डू का भोग चढ़ा

वाराणसी, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भगवान शिव की नगरी काशी में मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमत प्रभु के जयकारे गूंजे। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में चारों तरफ हनुमान जी के जन्मोत्सव की धूम रही।

काशी में मंगलवार को घर से लेकर हनुमान मंदिरों तक प्रभु की पूजा-अर्चना और हनुमान चालीसा का पाठ होता रहा।

विभिन्न इलाकों से निकली शोभायात्राएं और प्रभात फेरिया संकट मोचन मंदिर पहुंचीं, जहां पर भक्तों ने ध्वजा अर्पण कर हनुमान जी की पूजा-अर्चना की और हनुमान चालीसा का पाठ किया।

पूर्वांचल के सबसे बड़े 60 फीट के रथ पर 25 इंच की श्री रामलला की झांकी सजाई गई, तो 11000 ध्वज लहराए गए। 251 डमरू के निनाद और जय श्री राम, जय हनुमान के जयकारे से पुरा वातावरण गूंजता रहा। 1001 किलोग्राम लड्डूओं का भोग लगाया गया। काशी के 40 स्थानों पर ध्वज यात्रा का स्वागत किया गया। हनुमान ध्वजयात्रा भिखारीपुर से जैसे ही आगे बढ़ी, रास्ते में जगह-जगह पर भक्तों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। नेवादा, सुंदरपुर, नारियां, लंका, रविदास गेट, संकटमोचन तिराहे पर विभिन्न संस्थाओं, समितियों एवं व्यापारियों द्वारा स्वागत किया गया। यहां पीने के लिए पेयजल, शर्बत, फलाहार आदि की व्यवस्था भी की गई थी। हनुमान ध्वजयात्रा में पूर्वांचल भर से 40 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए, जिन्होंने विश्व कल्याणार्थ संकट मोचन हनुमान जी के चरणों मे 11 हजार ध्वजाएं अर्पित कीं। 25 फीट की विशाल मुख्य ध्वजा समिति के अध्यक्ष रामबली मौर्य द्वारा अर्पित की गई, जिसके बाद श्रद्धालु हनुमान जी के चरणों में ध्वज अर्पित कर खुद को धन्य करते रहे। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक महा चालीसा पाठ कर प्रभु के समक्ष अपनी अर्जी लगाई। भिखारीपुर तिराहे से संकट मोचन मंदिर तक पूर्वांचल भर के भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं का हुजूम देख लगा मानो आस्था का ज्वार उमड़ गया हो। भक्तों का हुजूम इस कदर रहा कि 5.25 किलोमीटर की यह यात्रा पूरी करने में 4 घंटे से ज्यादा का समय लग गया।

बसपा प्रमुख मायावती ने फिर फेंका अलग राज्य का पासा

मौका मिला तो पश्चिम यूपी को बनाएंगे अलग राज्य

मेरठ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज मेरठ में हापुड़ रोड पर आयोजित जनसभा में एक बार फिर अलग राज्य का कार्ड फेंका। उन्होंने कहा कि उन्हें मौका मिला तो वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाएंगी।

मायावती ने अल्लीपुर में बसपा प्रत्याशी देवव्रत त्यागी की चुनावी सभा को संबोधित कर वोट करने की अपील की। इस बार लोकसभा चुनाव में यह मेरठ में उनकी पहली जनसभा थी। मायावती कई वर्ष बाद मेरठ में जनसभा करने पहुंचीं। उन्होंने मच से भाजपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और अलग राज्य का दांव भी फेंका।

मायावती ने कहा कि यदि जनता ने हमें केंद्र में सरकार बनाने का मौका दिया तो सबसे पहला कार्य है उत्तर प्रदेश का बंटवारा करके पश्चिम उत्तर प्रदेश बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ बेंच की तर्ज पर मेरठ में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की जाएगी। सभी बेरोजगार, दलित, मुस्लिम, गरीब, युवाओं को स्थाई रोजगार यानी सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने पश्चिम उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को भी गन्ने का उचित मूल्य दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस और विपक्षी दलों की सहयोगी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन सभी राजनीतिक दलों ने देश के गरीब लोगों के साथ अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का प्रयास किया जा रहा है। जहां दलित अति पिछड़ों के आरक्षण के साथ छेड़छाड़ की गई है, वहीं सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन में आरक्षण नहीं दिया जा रहा है। भाजपा की सरकार गरीबों को दो वक्त का सरकारी राशन देकर उनका असली रोजगार का अधिकार छीन रही है। उन्होंने मंच से अपनी सरकार के 2007 से 12 तक उत्तर प्रदेश की जनता के लिए किए गए कार्यों को भी गिनाया।

अमरोहा की जनसभा में बोले मुख्यमंत्री

आतंकी हमलों के वक्त कान में तेल डालकर सो जाते थे कांग्रेसी

अमरोहा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस सरकार के समय आतंकी वारदात होती थी तो यह कानों में तेल डालकर सो जाते थे। कहते थे कि हम देख रहे हैं, देखेंगे और आतंकी वारदात कर देता था। समाजवादी पार्टी ने तो बेशर्मी की हदें पार कर दीं। जिन लोगों ने अयोध्या के राम जन्मभूमि व काशी में संकट मोचन मंदिर पर हमला किया था, उन आतंकियों के मुकदमों को सपा ने वापस लेने का दुस्साहस किया, लेकिन न्यायपालिका ने सपा के इस मंशा को पूरा नहीं होने दिया। कोर्ट ने सपा पर तीखी टिप्पणी की थी कि आज आतंकियों के मुकदमे वापस ले रहे हो और कल बेशर्मी के साथ इन्हें पद्म पुरस्कार से नवाजकर देश की जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ करोगे। न्यायपालिका यह नहीं होने देगी।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने मंगलवार को अमरोहा के हसनपुर में जनसभा कर कंवर सिंह तंवर को कमल के फूल चुनाव चिह्न पर वोट देने की अपील की। सीएम योगी ने हनुमान जी का जयकारा लगाते हुए कहा कि आज हनुमान जयंती है। हनुमान जी के आराध्य श्रीराम को अयोध्या में विराजमान करने का कार्य मोदी जी ने किया है, इसलिए बोलेंगे, जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे और कमल खिलाएंगे।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 के पहले आतंकी वारदात और बम विस्फोट होते थे। लोग भयभीत रहते थे। 2014 के बाद आतंकवाद को नियंत्रित किया गया। 2019 आते-आते मोदी जी ने ऐसा कार्य किया कि आतंकवाद की जड़ धारा-370 को उखाड़ फेंका गया। भारत से आतंकवाद को नेस्तनाबूद कर दिया गया। अब पटाखा फूटने पर पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है। दुश्मन को भी भारत की ताकत का अहसास है। उसे पता है कि अब भारत में आतंकी घटनाएं हुईं और निर्दोष की जान गई तो लेने के देने पड़ जाएंगे।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा विकास की बात करती है। अमरोहा से दिल्ली की दूरी महज 165 किमी. है। 2014 के पहले इस दूरी को तय करने में पांच घंटे लगते थे। कांग्रेस सुविधा और समय की कीमत को नहीं समझती थी। हम अमरोहा को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ रहे हैं। अब डेढ़ घंटे में दिल्ली, चार घंटे में लखनऊ व छह घंटे में प्रयागराज जा सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने 1970 में गरीबी हटाओ का नारा दिया था। गरीबी नहीं हटी, लेकिन एक परिवार को देश के संसाधनों को लूटने की पूरी छूट मिल गई थी। चाहे वह परिवार दिल्ली का हो या सैफई हो। यह लूटते थे और अराजकता फैलाते थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह कहते थे कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमानों का है तो दलित, पिछड़ा, खड़गवंशी, सेमी, गरीब, किसान, माताएं-बहनों और नौजवान कहा जाएंगे।

सीएम ने आरोप लगाया कि कांग्रेसी और सहयोगी दलों के रूप में आए इंडी गठबंधन वालों ने देश के साथ गद्दारी किया है और फिर गद्दारी करने के लिए यह झूठे घोषणा पत्र के साथ आए हैं। यह कहते हैं कि हमारी सरकार बनी तो सरिया कानून लागू कर देंगे।

वे यह जान लें कि देश बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा, किसी सरिया कानून से नहीं। यह कहते हैं कि जनता की प्रॉपर्टी को हथियाकर फिर बंदरबांट करेंगे। आपके बाप-दादा ने कमाकर सम्पत्ति रखी है, क्या आप सपा व कांग्रेसियों को अपनी सम्पत्ति पर डकैती डालने की छूट देना चाहते हैं। इन बेशर्मों की हालत देखिए। एक तरफ आपकी सम्पत्ति पर कुदृष्टि है तो दूसरी तरफ माफिया व अपराधियों को गले का हार बनाकर फातिहा पढ़ रहे हैं।

सीएम ने कहा कि 2017 और 2022 में महेंद्र खड़गवंशी के प्रचार में आया था। कबीर दास के वचनों को अंगीकार करते हुए आपने महेंद्र खड़गवंशी को चुनाव जिताकर भेजा।

वे निरंतर विकास कार्यक्रमों को बढ़ा रहे हैं। जो सपना कभी कल्याण सिंह का था, उस सपने को साकार करने के लिए कंवर सिंह तंवर के साथ मिलकर महेंद्र खड़गवंशी लगातार प्रयास करते रहे हैं। कल्याण सिंह की भावनाओं के अनुरूप राम मंदिर अयोध्या में बन गया। जब कल्याण सिंह का देहांत हुआ तो सपा के लोग गए भी नहीं। इन लोगों ने कल्याण सिंह का अपमान किया है। सीएम ने कहा कि गरीब-वंचित किसी भी जाति का हो, उसे अब योजनाओं का लाभ मिल रहा है। 10 वर्ष में मोदी जी के शासन में विकास और गरीब कल्याण के अनेक कार्य हुए। आखिरकार 65 वर्ष तक कांग्रेस रही, चार बार सपा की सरकार रही और बसपा को भी अवसर मिला, लेकिन इन लोगों ने क्या किया। यह लूटकर केवल परिवार को भर रहे थे। इन्हें गरीबों को चिंता नहीं थी। इंदिरा गांधी ने नारा दिया था कि गरीबी हटाओ, पोता भी तोता की तरह वही रट रहा है।

सीएम ने कहा कि आपका वोट गलत हाथों में गया तो आतंकवाद ला सकता है और यदि भाजपा को वोट गया तो आतंकवाद को सीमा पार ही निपटा देगा। आज पाकिस्तान कहता है कि हमारे देश के एक-एक आतंकियों को चुन-चुन कर भारत ने निपटा दिया है। भाजपा को मिलने वाला एक-एक वोट सुरक्षा की गारंटी, कर्फ्यू से मुक्ति और कांवड़ यात्रा को ले चलने की गारंटी देता है। कांग्रेस के समय गरीबी बढ़ी तो मोदी के शासन में 10 वर्ष में 25 करोड़ लोग गरीबी से मुक्त हुए। सीएम ने कहा कि पिछली बार धोखा हुआ। आपने जिसे सांसद चुना, वह भारत मां की जय भी नहीं बोलता। पहले उसने हाथी का सहारा लिया, जब यहां चर-खा लिया तो अब वह हाथ का सहारा लेकर संसाधनों को लूटने का प्रयास कर रहा है। भारत मां की जय न बोलने वाले को कतई वोट न देना। रहेंगे और खाएंगे भारत का, लेकिन भारत मां की जयकार नहीं करेंगे, ऐसा नहीं हो सकता है। यह लोकतंत्र को कमजोर करने का हिस्सा है। यह देश और वोट आपका है। अपने सुरक्षित जीवन, उज्ज्वल भविष्य और भारत मां को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के लिए फिर से मोदी आवश्यक हैं। भारत की प्रगति-समृद्धि चाहने वाले पीएम मोदी के समर्थन में हैं।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय गिरि गोस्वामी, विधान परिषद सदस्य सत्यपाल सिंह सैनी, जिला प्रभारी सत्यपाल पाल, हरि सिंह ढिल्लो, विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, राजीव तरारा, जिला पंचायत अध्यक्ष ललित पंवार, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंहल, पूर्व विधायक तोताराम, संगीता चौहान, हसनपुर के नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी आदि मौजूद रहे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 24 अप्रैल, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

हनुमान जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान हनुमान के जन्म के शुभ अवसर हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को हैदराबाद और सिकंदराबाद के विभिन्न हिस्सों में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पहली और मुख्य शोभा यात्रा आज सुबह गौलीगुडा में भगवान राम के मंदिर से शुरू हुई। यात्रा 12 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए और कई मुख्य सड़कों से गुजरते हुए देर शाम सिकंदराबाद के ताड़बुंद में प्रसिद्ध श्री वीरंजनेय स्वामी मंदिर में समाप्त हुई।हैदराबाद और सिकंदराबाद के विभिन्न क्षेत्रों में राम और हनुमान मंदिरों से निकलने वाली कई शोभा यात्राओं का अपने मार्ग पर आगे जाकर प्राथमिक शोभा यात्रा के साथ विलय हो गया। बजरंग दल और विहिप के सदस्यों सहित हजारों श्रद्धालुओं ने भगवा रंग की टोपियां पहनकर और भगवान हनुमान की छवियों वाले झंडे लेकर यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लिया। समारोह का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने और शांति-व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस ने अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय लागू किए। हनुमान जयंती से जुड़ी शोभा यात्राओं के मद्देनजर कई सड़कों पर यातायात प्रतिबंध भी लागू रहा।

हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर मंगलवार को श्री हनुमान मंदिर शक्कर गंज, परदीवाड़ा में विशेष पूजा की गई। इस अवसर पर मंदिर प्रतिनिधि ए.सतीश, एसपी क्रांति कुमार, महेश, दुर्गा प्रसाद, अरुण, साईनाथ, मनीष, ईशथ सूरी, आनंद व स्थानीय श्रद्धालु व अन्य उपस्थित रहे।

हनुमान जन्मोत्सव पर छाछ और गन्ने का रस वितरित

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा युवा मोर्चा द्वारा हनुमान जनमोत्सव के उपलक्ष्य मे मलकपेट हनुमान मंदिर के पास स्वागत मंच स्थापित कर छाछ, शीतल जल, चिप्स व गन्ने का रस का वितरण किया गया। इस अवसर पर बजरंग दल द्वारा करमंघाट हनुमान मंदिर से विजय शोभायात्रा निकाली गई उसका स्वागत किया गया। अवसर पर मलकपेट शाखा अध्यक्ष पंकज संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य सुरेश गोयल, नितिन अग्रवाल, हरिश्चंद्र बजाज, कोत्तापेट शाखा अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल युवा मोर्चा के नितेश अग्रवाल, पियूष अग्रवाल, हर्ष बंसल, मोहित अग्रवाल, करण गोयल, जितेंद्र गोयल, ध्रुव अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, मनिष सिंघल, धर्वेश गोयल, किशन जैन, सुशील अग्रवाल, विशेष सिंघानिया, अंकित माधोगडिया, रोहित अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, कुनाल अग्रवाल, कार्तिक अग्रवाल व हर्षित सुरेका उपस्थित थे।

वल्लभ यूथ ऑर्गनाइजेशन द्वारा भोलकपुर के पास स्थापित शीतल पेय पंडाल पर उपस्थित समाजसेवी जसमत पटेल, साथ में डेनीश पटेल, प्रज्ञेश दोशी, सचिन, विनोद पटेल, जैमिन पटेल, नीतिन, कौशीक, सावन, विजय, रश्मिकांत, भरत पटेल एवं अन्य।

शमशाबाद स्थित बालानगर में हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर भगवान हनुमान का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित मंदिर प्रमुख रवि शर्मा, संजय भाई, घनश्याम पटवारी, सिखू भाई, श्याम शर्मा एवं मनोज आदि।

हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में केसरी हनुमान मंदिर कारवान में हनुमानजी का दरबार सजाया गया। इस अवसर पर पूजा-अर्चना में भाग लेते हुए संदीप पुजारी, अरुणा डाकोतिया, शैलेन्द्र तुलस्यान, राम अग्रवाल एवं अन्य।

श्री भूलक्ष्मी देवी नि:शुल्क ग्रीष्म बाल संस्कार शिविर का शुभारंभ मंगलवार को हनुमान जयंती के अवसर पर चूड़ी बाजार स्थित एचएनराव स्कूल में हुआ। शिविर के संचालक आजाद थे आजाद रहेंगे वेलफेयर एसोसिएशन है। अवसर पर उपस्थित शिविर के विद्यार्थी, संचालक सदस्य राजेश तोषनीवाल, आजाद नितेश येलादुरी, अनुराग शर्मा, रितेश चिंचोली एवं अन्य।

मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा ने किया छाछ वितरण

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा के मीडिया प्रभारी पारस सोलंकी ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमान भक्तों द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा द्वारा बंधन बैंक के पास छाछ का वितरण किया गया। इस अवसर पर युवा मंच के पूर्व अध्यक्ष प्रेमराज सांखला, वरिष्ठ सदस्य रामअवतार शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रकाश परिहार, अमृत धारा संयोजक भरत कुमावत, युवा पंकज सोलंकी, पारस सोलंकी शिनु भाई, बुच्या, मदन कच्छावा, चंपालाल, खिंवराज सोलंकी, प्रवीण आदि उपस्थित रहे।

काचीगुड़ा स्थित काशीराम झेरा में अयोजित श्री हनुमान जन्मोत्सव पर दर्शन लाभ लेते हुए समाजसेवी शंकर लाल बंग, प्रबोध कुमार राठी, उश बंग एवं पुजारी महंत महेंद्र दास महाराज।

यूनियन बैंक की आरपी रोड शाखा (पैराडाईस) द्वारा मंगलवार को गर्मी से राहत के लिए आम जनता एवं ग्राहकों के लिए शुद्ध एवं शीतल जल का प्रबंधन किया गया। जिसका उद्घाटन उप महाप्रबंधक के वी चंद्रशेखर राव ने किया। साथ में उपस्थित शाखा प्रबंधक एवं अन्य अधिकारिगण।

श्री महादेव हनुमान मंदिर चूड़ी बाज़ार में हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सुनील साहू, सागर गुरु, पी.पवन कुमार, गोपाल राव, अनिल कुमार, डी.राजेंदर, कमल महाराज और अन्य उपस्थित रहे।

आरामघर चौरस्ता स्थित श्री सर्व मनोकामना पूर्ति हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में हनुमान चालीसा एवं हनुमान अष्टक द्वारा हनुमान जी महाराज की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस कार्यक्रम में मंदिर के संस्थापक व पुजारी पंडित गणेश जोशी एवं मुख्य यजमान चेतन यादव और दुर्गा यादव उपस्थित रहे।

हनुमान जयंती के अवसर पर दिलशाद प्लाजा के पास हनुमान भक्तों द्वारा स्थापित अन्न प्रसाद, बटर मिल्क, शीतल पेय स्टाल पर उपस्थित रिद्धीश जागीरदार, मुकेश शर्मा, विशाल शर्मा, बंटी पोपट, लक्ष जागीरदार, धारीणी लोडाया, छाया मोता व अन्य।

जायसवाल सेवा समिति हैदराबाद द्वारा दिलशाल प्लाजा के सामने हनुमान जयंती के अवसर पर आयोजित अन्न प्रसाद वितरण कार्यक्रम में उपस्थित राजेश जायसवाल, सोमेश जायसवाल, संजय, सुशील जायसवाल, गोपी सूर्यवंशी आदि।

मारने वाले से पहले प्रभु बचाने वाले को भेज देते हैं : मुरलीधर महाराज

श्रीरामकथा के दूसरे दिन राम भक्तों में दिखा गजब उत्साह
शिव विवाह प्रसंग और हनुमान जन्म के उत्सव में झूमे श्रद्धालु

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री गोपाल गौशाला के सहायतार्थ एग्जीबिशन ग्राउंड में आयोजित 9 दिवसीय श्रीराम कथा के दूसरे दिन भक्तों में गजब उत्साह देखने को मिला। दूसरे दिन रामकथा सुनने के लिए दूरदराज से आए भक्तों ने जब शिव विवाह का रोचक प्रसंग और भगवान हनुमान के जन्म का प्रसंग सुना तो फिर खुद को झूमने से नहीं रोक पाए। द्वितीय दिवस को मुरलीधर जी महाराज ने कथा की शुरुआत प्रभु श्री राम की चौपाई गाकर और श्री राम की वंदना और हनुमान चालीसा के साथ दोपहर 3 बजे की, जो शाम 7 बजे तक निरंतर जारी रही। इस मौके पर मुरलीधर महाराज ने अपनी मधुर वाणी से श्री रामचंद्र जी के जीवन पर प्रकाश डाला, साथ ही शिव विवाह का पूर्ण रूप से वर्णन किया। मुरलीधर जी महाराज ने भगवान शंकर और सती के प्रसंग को बताते हुए कहा कि न भाग्य से ज्यादा किसी को कुछ मिलता और न भाग्य से कम। जब कुछ समझ न आए तो सब कुछ भगवान पर छोड़ देना चाहिए, वो खुद सम्भाल लेंगे। परन्तु हम क्या करते जब कुछ गलत हो जाए तो प्रभु श्रीराम की मर्जी कह कर उन पर डाल देते हैं। हमारे मुंह से यही निकला है कि जो होगा अच्छा होगा या बुरा होगा वो भगवान करेगा। हमको प्रभु को याद करना चाहिये, वो हल अवश्य देंगे। क्योंकि प्रभु को याद करने से सुख पहले आता है और कष्ट बाद में आता है। मारने वाले से पहले प्रभु बचाने वाले को भेज देते हैं। उसी प्रकार प्रभु का बार स्मरण कर के देखो जो मन में पहला तथ्य आए उसे कर डालो।

इस मौके पर बोलते हुए मुरलीधर जी महाराज ने कहा कि तप करने से क्या होता है, तप करने से बल मिलता है। ये जो संसार है ये तप के बल पर ही स्थित है। आज की युवा पीढ़ी को बोल कर देखो कि तप कर लो, तो बोलेंगे कि अभी हमारी उम्र थोड़ी न है तप करने के लिए, जब बूढ़े होंगे तब तप करेंगे, लेकिन तप बूढ़ी उम्र में नही होता, ये हमेशा याद रखना। भगवान का भजन युवावस्था में ही हो सकता है, बुढ़ापे मे भजन नहीं होता। इस मौक पर मुरलीधरजी महाराज ने सुरीले अंदाज में हनुमान जयंती के मौके पर भगवान हनुमान का प्रसंग सुनाया गया।

जिसको सुनकर सब भावविह्वल हो गये। दूसरे दिन की श्रीरामकथा का विश्राम सामूहिक श्री हनुमान जी महाराज की आरती के साथ हुआ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के मानद मंत्री कपूरचंद गुप्ता, एक्जीबिशन सोसाइटी के पूर्व चेयरमैन अनिल मिश्रा, गौवत्स फाउंडेशन के मानद मंत्री बद्री विशाल लोया, श्री गौवत्स फाउंडेशन के मानद मंत्री कैलाश व्यास, कोषाध्यक्ष दिनेश देवड़ा, गौसेवक टिकम चंद का श्रीरामकथा सेवा समिति एवं श्री गोपाल गौशाला की ओर से शॉल द्वारा सम्मान किया गया।

इस मौके पर श्रीरामकथा सेवा समिति के संयोजक तुलसीराम बंसल, श्री गोपाल गौशाला के प्रवंध न्यासी महावीर प्रसाद अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सतवीर गर्ग, ज्वाइंट मैनेजिंग ट्रस्टी अर्जुन गोयल, कोषाध्यक्ष बिनोद गर्ग, रामनिरंजन सौंथलिया, वेद प्रकाश अग्रवाल, कैलाश नारायण भांगडिया, आनंद कुमार गुप्ता, संजय कुमार गुप्ता, सुभाष भगेरिया, सतीश कुमार गोयल, जसमत भाई पटेल, किशोर कुमार अग्रवाल, रामकिशन रेतीवाल, हरिनारायण व्यास, राजेन्द्र कुमार केडिया, वेणुगोपाल भट्टड़, रविन्द्र कुमार, राजेन्द्र अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, सुनील सिंघल, कपिल अग्रवाल, परमेश्वरदयाल अग्रवाल, मुकेश कुमार, टीआर गोयल, अर्जुन लाल अग्रवाल, रतनसिंह शेखावत, रमेशचंन्द अग्रवाल, खेमचन्द बांसवाले, सुशील पौद्दार, नरेश कुमार ताजपुरिया, लक्ष्मीनारायण संघी, श्यामसुंदर अग्रवाल, सुनील कुमार कोटवाले, संजय अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, मितेश कुमार अग्रवाल, सुरेश गोयल, ओमप्रकाश सिंघल, वेदप्रकाश अग्रवाल, मनोकामना गोल्ड, धनराज सोनी, रमेश असावा, टीवी पत्रकार मुकेस सैनी उपस्थित रहे।

राजेंद्रनगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा नेता टी. श्रीनिवास रेड्डी द्वारा आयोजित हनुमान जयंती शोभा यात्रा में भाग लेते हुए चेवेल्ला संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवार कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी।

कांग्रेस सरकार ने सौ दिनों में पांच गारंटी लागू की : रेवंत रेड्डी

नारायणपेट, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले 100 दिनों के भीतर छह में से पांच गारंटियों को सफलतापूर्वक लागू किया है। श्री रेड्डी ने मंगलवार को जिले के मद्दुरु में आयोजित एक पार्टी कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए दस साल के शासन के दौरान वादों को पूरा करने में विफलता के लिए पूर्व भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार की आलोचना की।

उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर अफसोस जताया कि बीआरएस शासन के दौरान किसानों के लिए माफ की गई ऋण राशि केसीआर प्रशासन के दौरान बैंकों को जमा किए गए ब्याज भुगतान को कवर करने के लिए अपर्याप्त थी।

श्री रेड्डी ने कहा कि उन्होंने 3000 करोड़ रुपए के बजट घाटे के बीच मुख्यमंत्री पद संभाला है। उन्होंने बताया कि वित्तीय चुनौतियों के बावजूद अब वेतन हर महीने की पहली तारीख को दिया जाता है। उन्होंने किसानों से उम्मीद न खोने का आग्रह करते हुए बैंकों से अपील की कि वे किसानों पर ऋण चुकाने के लिए दबाव न डालें। उन्होंने फसल ऋण चुकाने और भविष्य की पैदावार पर 500 रुपए प्रति क्विंटल का बोनस प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई।

श्री रेड्डी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर जोरदार अभियान चलाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए धर्म का राजनीतिकरण करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की।

5785 करोड़ की संपत्ति के साथ तेदेपा के चंद्र शेखर सबसे अमीर उम्मीदवार

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। गुंटूर लोकसभा सीट से तेलुगु देशम पार्टी के पी चंद्र शेखर अब तक के सबसे अमीर उम्मीदवार हैं। अपने चुनावी हलफनामे में 5,785 करोड़ रुपये की चल-अचल घोषित करके चंद्र शेखर सुर्खियों में आ गए हैं। चंद्र शेखर ने अपने चुनावी हलफनामे में 5,785 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति घोषित की है जो संभावित रूप से उन्हें मौजूदा चुनावी दौड़ में सबसे धनी प्रत्याशियों में से एक बनाती है।

उनके द्वारा दायर हलफनामे के अनुसार, उनकी व्यक्तिगत संपत्ति 2,448.72 करोड़ रुपए जबकि उनकी पत्नी श्रीरत्ना कोनेरू के पास 2,343.78 करोड़ रुपए और बच्चों के पास लगभग 1,000 करोड़ रुपये की संपत्ति है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ 19 अप्रैल को हुए लोकसभा चुनाव के पहले चरण में लगभग 717 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ सबसे अमीर उम्मीदवारों की सूची में शीर्ष पर हैं। चंद्र शेखर के परिवार पर ऋण सुविधा के रूप में अमेरिका के जेपी मॉर्गन चेस बैंक की 1,138 करोड़ रुपए की देनदारी है। आंध्र प्रदेश के बुर्रिपालेम गांव से लेकर जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय- सिनाई अस्पताल में चिकित्सक शिक्षक के रूप में काम करने से लेकर यूवर्ल्ड (ऑनलाइन शिक्षण और अध्ययन संसाधन मंच) की स्थापना तक, चंद्र शेखर का सफर काफी रोमांचक रहा है। डॉक्टर-उद्यमी-नेता चंद्र शेखर ने 1999 में एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज विजयवाड़ा से एमबीबीएस किया और 2005 में डेनविले, पेंसिल्वेनिया में गेइज़िंगर मेडिकल सेंटर से एमडी (आंतरिक चिकित्सा) की उपाधि ली। उन्होंने राज्य में ईएएमसीईटी मेडिकल प्रवेश परीक्षा (एमबीबीएस) देने वाले 60,000 छात्रों के बीच 27वीं रैंक हासिल की, जिसे देश में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षा माना जाता था।सार्वजनिक सेवा में रुचि रखने वाले चंद्र शेखर, पार्टी के कई कल्याणकारी कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए 2010 से तेदेपा की एनआरआई विंग की ओर से काम कर रहे हैं। हालांकि वह 2014 में नरसरावपेट क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन तेदेपा ने राजनीतिक मुद्दों के कारण आर संबाशिव राव को टिकट आवंटित कर दिया। अपनी पत्नी के साथ एक संयुक्त रूप से जमा दस्तावेज में उन्होंने अमेरिका में अमेरिकी कर चक्र वर्ष जनवरी 2022 से दिसंबर 2022 के बीच 605.57 करोड़ रुपए की घोषणा की। उन्होंने अमेरिका स्थित कई कंपनियों में निवेश किया है और उनके पास इनके शेयर हैं। उनके पास अमेरिका में रोल्स रॉयस घोस्ट, मर्सिडीज बेंज और टेस्ला जैसी लग्जरी कारें भी हैं। चुनाव में चंद्र शेखर का मुकाबला वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के के वेंकट रोसैया से होगा।

स्प्रिंग समर फैशन स्पेशल हाईलाइफ प्रदर्शनी कल से

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। फैशन तथा लाइफस्टाइल एक्जीबिशन हाईलाइफ का आयोजन 25 से 27 अप्रैल, 2024 तक एचआईसीसी नोवोटेल में किया जाएगा।स्प्रिंग एंड समर फैशन स्पेशल तीन दिवसीय हाईलाइफ प्रदर्शनी में लक्जरी फैशन तथा लाइफस्टाइल से जुड़े वैभवपूर्ण व विशिष्ट उत्पादों को प्रस्तुत किया जाएगा।

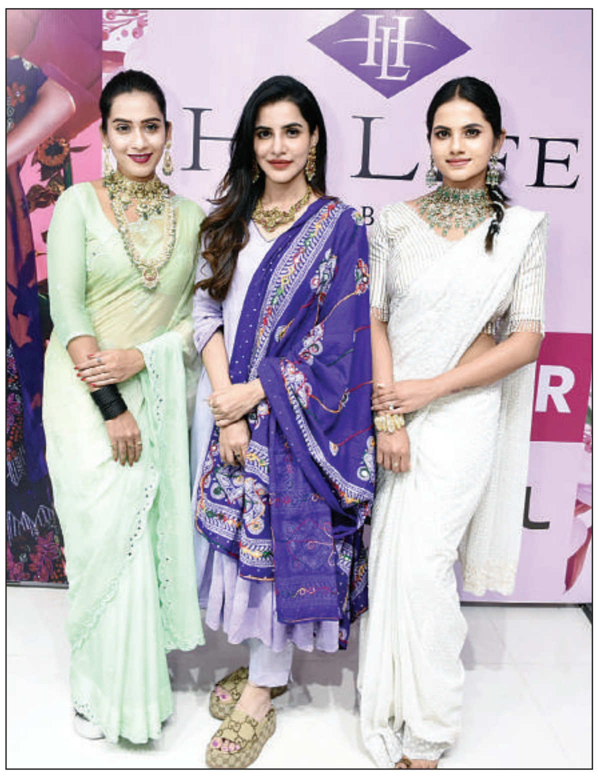

एचआईसीसी नोवोटेल में आयोजित होने वाली स्प्रिंग एंड समर फैशन स्पेशल हाईलाइफ एक्जीबिशन में स्थानीय सहित देशभर से 350 से अधिक डिजाइनर भाग लेकर विविध प्रकार के फैशन तथा जीवनशैली पर आधारित उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे। इनमें फैशन वियर, ब्राइडल वियर, लाइफस्टाइल वियर, डिजाइनर तथा फ्यूजन वियर, एसेसरीज, ज्वेलरी, होम डेकोर तथा आने वाले त्योहारों व मौसम के अनुकूल उत्पादों सहित अन्य विविध प्रकार की आकर्षक वस्तुओं का वृहद संग्रह शामिल होगा ।

मुख्य सचिव ने की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यात्रा की तैयारी की समीक्षा

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अधिकारियों को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की 26 अप्रैल को राज्य की यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा -व्यवस्था सुनिश्चित करने के मंगलवार को निर्देश दिए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्य सचिव ने गणमान्य व्यक्ति की यात्रा की व्यवस्था की प्रगति का आकलन करने के लिए आज अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक बुलाई।

उन्होंने विशेष रूप से पुलिस विभाग को व्यापक सुरक्षा व्यवस्था करने और ब्लू बुक में उल्लिखित यातायात और भीड़ नियंत्रण उपायों का पालन करने का निर्देश दिया।

इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य विभाग को पुलिस और प्रोटोकॉल विभाग के सहयोग से चिकित्सा सहायता प्रदान करने और सभी स्थानों पर पर्याप्त चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है।सड़क और भवन (आर एंड बी) विभाग को उपराष्ट्रपति द्वारा उपयोग के लिए नामित सड़कों पर आवश्यक मरम्मत करने के निर्देश प्राप्त हुए।

इसी प्रकार, ऊर्जा विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। जबकि अग्निशमन सेवा विभाग से पर्याप्त अग्निशमन सुविधाएं स्थापित करने का आग्रह किया गया है।

श्री जैन यूथ क्लब ने भगवान महावीर जन्म कल्याणक के तहत निकाली प्रभातफेरी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन यूथ क्लब द्वारा भगवान महावीर जन्म कल्याणक के तहत धूमधाम से प्रभात फेरी निकली गई। अरिहंत बोहरा ने बताया की कार्तिक एन्क्लेव डायमंड पॉइंट से प्रभात फेरी आरंभ हुई। इसमें सैकड़ों लोगो ने भाग लेते हुए भगवान महावीर का जयकारा लगाया गया। प्रभात फेरी में सिकंदराबाद भाजपा नेता इटला राजेंद्र, सिकंदराबाद पार्षद के दीपिका, विजय सुराणा, भानुका मल्लिकार्जुन और अन्य नेता का क्लब द्वारा स्वागत किया गया। मार्ग में प्रभात फेरी का स्वागत मंगलचंद, दिनेश, संजय, कमल कटारिया परिवार, राकेश प्रतीक तालेसरा परिवार, बम्बोली परिवार, ताड़बंड, नेमिश्री ज्वेलर्स, श्री नाकोड़ा ज्वेलर्स, आरपी रोड, सिकंदराबाद, फायर एंड फ़टी इक्विपमेंट, जीरा, सिकंदराबाद द्वारा किया गया एवं क्लब द्वारा जल छाछ वितरण किया गया। प्रभात फेरी डायमंड पॉइंट, तड़बंद, पॉट मार्केट होते हैं एक्जीबिशन ग्राउंड पहुंची। पॉट मार्केट से ज्वेलर्स एसोसिएशन एवं श्री जैन युवा मंडल के अभिषेक अलीजर, श्रेयांश तातेड़, नमन बोहरा, नमन रंका एवं उनकी टीम ने अपना सहयोग प्रदान किया और प्रभात फेरी की शोभा बढ़ाई। पॉट मार्केट द्वारा जैन यूथ क्लब का स्वागत भी किया गया। प्रभात फेरी में क्लब के अरिहंत नबरिया, प्रतीक बम्बोली, आदर्श कटारिया, अरिहंत बोहरा, अनमोल कटारिया, प्रतीक लोढ़ा, संकेत समदारिया, आकाश ख़िवसारा, रौनक दफ्तरी , ऋषभ जैन, शुभम सोनी, अभिषेक बोहरा, अमित पोकरणा, लोकेश लुनावत, खुशाल जैन, उज्जवल जैन, सिद्धार्थ बम्बोली, शुभम् बम्बोली, श्रेयंस बम्बोली, चयन नाहटा, आशीष छज्जेद, आशीष मखाना आदि शामिल रहे।

आंध्र प्रदेश के इंटेलिजेंस चीफ और विजयवाड़ा पुलिस आयुक्त का तत्काल तबादला

चुनाव आयोग ने दिए आदेश

अमरावती, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव आयोग द्वारा आंध्र प्रदेश के दो वरिष्ठ अधिकारियों के तत्काल तबादले को लेकर आदेश जारी किया गया है। इसके अनुसार आंध्र प्रदेश के इंटेलिजेंस प्रमुख पी सीतारमनजनेयुलु और विजयवाड़ा के पुलिस आयुक्त कांथी राणा टाटा का तत्काल प्रभाव से तबादला किया गया है।

इस बारे में चुनाव आयोग ने आदेश भी जारी किया है, जिसमें दोनों अधिकारियों के तबादले की बात कही गई है। उधर आंध्र प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मुकेश कुमार मीना का कहना है कि आयोग ने दोनों वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला कर दिया है। चुनाव आयोग ने आगे कहा है कि तबादला होने के बाद इन अधिकारियों को किसी भी चुनावी ड्यूटी में तब तक न लगाया जाए, जब तक कि दक्षिण भारत में लोकसभा और विधानसभा चुनाव संपन्न नहीं हो जाते।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के काफिले पर पथराव के बाद चुनाव आयोग ने इंटेलिजेंस चीफ पी सीतारमनजनेयुलु और विजयवाड़ा के पुलिस कमिश्नर कांथी राणा टाटा का तबादला किया गया है।

इसके साथ चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को बुधवार दोपहर तीन बजे तक दोनों पदों के लिए तीन आईपीएस अधिकारियों का एक पैनल भेजने का निर्देश दिया है।

हनुमान जयंती पर सीएम योगी ने की हनुमत महाप्रभु की आराधना

गोरखपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, हनुमान जयंती के पावन अवसर पर सुखदायक और शोकनाशक श्रीहनुमत महाप्रभु की विधि विधान से आराधना की। सभी नागरिकों को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं देने के साथ ही मुख्यमंत्री ने उनके आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय और शांतिमय जीवन के लिए प्रभु हनुमान से प्रार्थना की।

लोकसभा चुनाव में पार्टी (भाजपा) के लिए प्रचार में सीएम योगी की व्यस्तता देशव्यापी है। प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों में भी वह ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। युद्धस्तरीय चुनावी व्यस्तता के बीच सोमवार को अलीगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जनसभा करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम को गोरखपुर पहुंचे। गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन करने तथा अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर माथा टेकने के बाद उन्होंने रात विश्राम गोरखनाथ मंदिर में किया। मंगलवार सुबह सीएम योगी की परंपरागत दिनचर्या में हनुमान जयंती पर विशेष आराधना भी शामिल रही। चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को होने वाले श्री हनुमत के प्रकटोत्सव के दिन उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में बजरंग बली की प्रतिमा के समक्ष वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया और आरती उतारी। गोरखनाथ मंदिर में हनुमान जी के दो विग्रह स्थापित हैं। मुख्यमंत्री ने दोनों विग्रहों के समक्ष आराधना कर हनुमान जी से लोकमंगल की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री हनुमान जयंती के पावन पर्व पर सभी लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। इसे लेकर उन्होंने कहा, श्री हनुमान जयंती की प्रदेश वासियों एवं सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं! अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त श्री हनुमान जी की कृपा सभी पर बनी रहे। सम्पूर्ण सृष्टि में सुख-शांति व समृद्धि का वास हो, उनसे यही प्रार्थना है। ॐ हनुमते नमः!

अभी तिहाड़ में ही रहेंगे केजरीवाल, हिरासत 7 मई तक बढ़ी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राहत नहीं मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी है। मंगलवार को अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने बीआरएस नेता के कविता की भी न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी है।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने 15 अप्रैल को केजरीवाल को 23 अप्रैल तक की न्यायिक हिरासत में भेजा था। 28 मार्च को पेशी के दौरान केजरीवाल ने कहा था कि ये राजनीतिक साजिश है, जनता इसका जवाब देगी। 28 मार्च को केजरीवाल ने खुद कोर्ट में अपनी बात रखते हुए कहा था कि असली घोटाला तो ईडी की जांच के बाद शुरू हुआ। ईडी का मकसद आम आदमी पार्टी को खत्म करना है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तारी से संरक्षण नहीं मिलने के बाद ईडी ने उसी दिन देर शाम अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। 27 मार्च को हाईकोर्ट ने केजरीवाल को कोई भी राहत देने से इंकार कर दिया था।

हाईकोर्ट ने 28 मार्च को केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से खारिज करने के बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अपने डॉक्टर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए परामर्श की मांग खारिज कर दी है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने सोमवार को कहा कि केजरीवाल को जेल के अंदर जरूरी इलाज उपलब्ध कराया जाए। कोर्ट ने केजरीवाल को विशेष इलाज की जरूरत होने पर एम्स के डायरेक्टर की ओर से मेडिकल बोर्ड गठित करने का भी आदेश दिया है। कोर्ट के आदेश में कहा गया है कि अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन दी जाए या नहीं, इस पर फैसला मेडिकल बोर्ड करेगा। अरविंद केजरीवाल की डाइट भी यही मेडिकल बोर्ड तय करेगा। अरविंद केजरीवाल किस तरह का व्यायाम करेंगे यह भी मेडिकल बोर्ड तय करेगा। मेडिकल बोर्ड में वरिष्ठ एंडोक्रिनोलोजिस्ट और मधुमेह रोग विशेषज्ञ होंगे।

इससे पहले सुनवाई के दौरान केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि केजरीवाल को शुगर की बीमारी है और इसके लिए उन्हें इंसुलिन की जरूरत होती है। सिंघवी ने कोर्ट को केजरीवाल के शुगर लेवल का चार्ट दिखाया। सिंघवी ने कहा था कि आज तक हमने किसी को आम खाने की शिकायत करते नहीं सुना। केजरीवाल को 48 बार घर का खाना दिया गया, जिसमें तीन बार आम भेजा गया। उन्होंने कहा था कि जेल प्रशासन और ईडी की मिलीभगत से केजरीवाल का मीडिया ट्रायल किया जा रहा है कि आम और मिठाई खाकर अपना शुगर लेवल बढ़ाना चाहते हैं, ताकि स्वास्थ्य के आधार पर जमानत का आधार बनाया जा सके। उन्होंने कहा था कि ईडी किस तरह राजनीति पर उतर आई है कि वो ये सब सवाल खड़ी कर रही है। सिंघवी ने कहा था कि जेल अधीक्षक केजरीवाल के स्वास्थ्य की नियमित जांच कराएं। उन्होंने कहा था कि जेल में कैदी होने का ये मतलब नहीं है कि स्वास्थ्य का कोई अधिकार नहीं है। क्या केजरीवाल गैंगस्टर हैं या हार्डकोर अपराधी हैं कि उन्हें 15 मिनट अपने डॉक्टर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सलाह नहीं दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि 75 साल के लोकतंत्र में ऐसी स्थिति कभी नहीं आई।

सुनवाई के दौरान तिहाड़ जेल प्रशासन ने केजरीवाल के डाइट को लेकर कोर्ट में रिपोर्ट जमा कराई थी। जेल प्रशासन ने कहा कि केजरीवाल को घर से बना खाना देने में कोई शर्त नहीं थी कि वह फल या कुछ भी खा सकते हैं। जेल प्रशासन ने कहा कि वह डाइट फॉलो नहीं कर रहे हैं और एम्स के मुताबिक उन्हें आम से परहेज करना चाहिए था। जेल मैनुअल के अनुसार घर का बना खाना कैदी को नहीं दिया जा सकता है।

बागपत की जनसभा को सीएम योगी ने संबोधित किया

देश में शरिया कानून लागू करना चाहती है कांग्रेस

बागपत, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में समुदाय विशेष के लिए व्यक्तिगत कानून लाने की बात लिखी है। इसके जरिये कांग्रेस देश में शरिया कानून लागू करके तालिबानी शासन लाना चाहती है। यह बात साफ करती है कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग बाबा साहब द्वारा बनाए गए संविधान के लिए खतरा हैं। ये कहते हैं कि हम एक झटके में गरीबी मिटा देंगे जबकि यह आपकी सम्पत्ति और बेटियों-माताओं के गहने जब्त करने की साजिश रच रहे हैं। पहले इन्होंने 6 दशक तक देश लूटा और अब हर सम्पत्ति पर डकैती डालकर अपने कब्जे में ले करके बंदरबांट की योजना बना रहे हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बागपत लोकसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी डॉ. राजकुमार सांगवान के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस को 65 वर्षों तक शासन करने का मौका मिला, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि गरीबी का जो नारा दादी ने दिया, वहीं आज तोते की तरह पोता भी रट लगाए बैठा है। इनके पास कोई विजन नहीं है। इन्हें जब देश की जनता जनार्दन ने सत्ता से बेदखल कर दिया तो फिर से इन्हें गरीबी हटाने की बात याद आती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही मायने में गरीबी हटाने का काम किया है। उन्होंने गरीब कल्याणकारी योजनाओं के जरिये 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से उबारा है। वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का सम्पत्ति हड़पने का पुराना इतिहास रहा है। यह अपने लिये जीते हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और सपा के लोग परिवारवादी हैं। सपा ने सभी टिकट अपने ही परिवार के लोगों को दे दिया। वहीं जब राष्ट्रीय लोक दल को जब टिकट देने बारी आई तो जयंत चौधरी ने डॉ. राजकुमार सांगवान को प्रत्याशी बनाया। पहले देश में आतंकी विस्फोट होते थे। निर्दोष लोग मारे जाते थे और सुरक्षा बलों के जवान शहीद होते थे। वहीं आज भारत में कहीं पटाखा भी फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देता है कि उसने कुछ नहीं किया। पाकिस्तान को मालूम है कि अगर उसने कुछ किया तो फिर उसको लेने के देने पड़ जाएंगे और जान बचाना मुश्किल हो जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश आपका, जीवन आपका और सुरक्षा आपकी है तो वोट भी आपका है। ऐसे में वोट गलत जगह जाएगा तो आतंकवाद और माफिया राज फिर से लौटकर आएगा। किसानों और गरीबों के हक पर दोबारा डकैती पड़ने लगेगी। इतना ही नहीं बेटी और व्यापारी फिर से असुरक्षित होंगे। वहीं अपना वोट बीजेपी और सहयोगी दलों को देंगे तो आतंकवाद को सीमा पार निपटा दिया जाएगा जबकि देश में माफिया और अपराधियों को उसकी मांद में घुस करके राम नाम सत्य की यात्रा पर भेज दिया जाएगा। देश में गरीब, किसान और नौजवान के हक पर कोई डकैती नहीं डाल पाएगा। बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में कोई सेंध नहीं लगा पाएगा, यही गारंटी एनडीए आपको देने के लिए आया है। हमें अपने एक-एक वोट की कीमत समझनी है क्योंकि घर, गृहस्थी, खेती-बाड़ी देश से बढ़कर नहीं है। हमारे लिए सबसे पहले हमारा देश और उसकी सुरक्षा है क्योंकि जब हम सुरक्षित रहेंगे तभी देश समृद्ध होगा।

वहीं देश समृद्ध होगा तो हम समृद्ध होंगे। हम इसी भाव के साथ काम करना है। इसके लिए हमें देश के लिए वोट करना है। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल अध्यक्ष चौधरी जयंत, प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल कुमार, केपी मलिक, राष्ट्रीय लोकदल की महिला विंग प्रभारी चारु चौधरी, भारतीय जनता पार्टी के जिला के अध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय, लोकसभा के प्रभारी डॉ. अशोक नागर, बीजेपी के प्रदेश मंत्री और बागपत प्रभारी चंद्र मोहन आदि उपस्थित थे।

बिसरा रिपोर्ट से खुलासा: मुख्तार जहर से नहीं मरा था

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार अंसारी के शव के पोस्टमॉर्टम के बाद बिसरा सुरक्षित रख लिया गया था। उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया। जांच के बाद बिसरा रिपोर्ट प्रस्तुत हुई। रिपोर्ट के मुताबिक मुख्तार अंसारी के बिसरा में जहर का कोई भी अंश नहीं पाया गया। 28 मार्च को मुख्तार अंसारी की मृत्यु के बाद उसके परिवार वालों ने आरोप लगाया था कि मुख्तार अंसारी को स्लो प्वॉइजन देकर मारा गया है।

उप्र में एक महीने में 32 हजार लाख की शराब, ड्रग और नकद राशि जब्त

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के अनुपालन में उत्तर प्रदेश में प्रवर्तन एजेंसियों व उड़नदस्तों द्वारा अवैध शराब, नकदी आदि की जब्ती पर तेज कार्रवाई की जा रही है। आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 01 मार्च से 22 अप्रैल, 2024 तक कुल

आचार संहिता का कड़ाई से हो रहा अनुपालन

31898.16 लाख रुपए की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नगदी आदि जब्त किए गए हैं। इसमें 3123.56 लाख रुपए नकद धनराशि, 4279.08 लाख रुपए कीमत की शराब, 21177.55 लाख रुपए कीमत की ड्रग, 2161.59 लाख रुपए कीमत की बहुमूल्य धातुएं एवं 1156.38 लाख रुपए कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गई है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है।

जेल में मुन्ना बजरंगी की हत्या मामले में चार्जशीट पेश

डॉन को प्वाइंट-ब्लैंक मारी गई थीं सात गोलियां

बागपत, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बागपत जेल में पूर्वांचल के माफिया डॉन मुन्ना बजरंगी की हत्या के मामले में सीबीआई की चार्जशीट से बड़ा खुलासा हुआ है। मुन्ना बजरंगी की हत्या पूर्व योजना के तहत की गई थी और उसकी हत्या में एक ही बोर की तीन पिस्टलों को इस्तेमाल किया गया था, जबकि चौथी पिस्टल बरामदगी के लिए रखी गई थी।

हत्या के कई पहलुओं का चार्जशीट में खुलासा नहीं

हत्याकांड में सुनील राठी व उसके भाई समेत कई को आरोपी बनाया गया है। पूर्वांचल के माफिया डॉन मुन्ना बजरंगी को पूर्व विधायक लोकेश दीक्षित से फिरौती मांगने के मुकदमे में पेशी के लिए आठ जुलाई 2018 को झांसी जेल से बागपत लाया गया था।

मुन्ना बजरंगी की जेल में 9 जुलाई की सुबह गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। तत्कालीन जेलर यूपी सिंह ने जेल में बंद कुख्यात बदमाश सुनील राठी को मुन्ना बजरंगी की हत्या का आरोपी बनाते हुए कोतवाली में इस घटना का मुकदमा दर्ज कराया था। घटना के बाद तत्कालीन जेलर और तीन बंदी रक्षकों को निलंबित किया गया था। मुन्ना बजरंगी की पत्नी सीमा सिंह की याचिका पर हाईकोर्ट ने घटना की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे।

जिसके बाद से सीबीआई मामले की जांच कर रही थी, जिसके लिए सीबीआई की टीम कई बार बागपत जेल में पहुंची थी। जांच पूरी होने पर सीबीआई ने चार्जशीट न्यायालय में पेश की। हालांकि यह बताया जा रहा है कि न्यायालय ने चार्जशीट में खामियां बताकर पूरी जांच करने के बाद उसे दोबारा पेश करने के लिए कहा है।

सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार बरामद कारतूस के दस खोखों की एफएसएल रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि मुन्ना बजरंगी को गोली मारने के लिए जेल में 7.62 एमएम की चार पिस्टल लाई गई थी। जबकि गोली मारने में तीन पिस्टल इस्तेमाल की गई थी। उसे पिस्टलों से सात गोली नजदीक से मारी गई थी। एक पिस्टल से पांच गोली, दूसरी पिस्टल से तीन और तीसरी पिस्टल से दो गोलियों सहित कुल 10 गोलियां चलाई गई थी। उसके शरीर पर गोली लगने के सात निशान और शरीर से गोली बाहर निकलने के छह निशान मिले थे। जबकि एक गोली शरीर के अंदर ही मिली थी।

जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए, चौथी पिस्टल को जेल के सेप्टिक टैंक में फेंक दिया गया था। आगरा व केंद्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट भी सीबीआई की चार्जशीट में लगी है। हालांकि सीबीआई हत्या में इस्तेमाल ये तीनों पिस्टल अब तक बरामद नहीं कर सकी। सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में कुख्यात सुनील राठी, उसके भाई अरविंद राठी, ओमबीर राठी, प्रवेंद्र राठी और बबलू नंबरदार को आरोपी बनाया है। यह सभी हत्या के समय बागपत जेल में बंद थे। सीबीआई ने इसे राज्य पोषित हत्याकांड नहीं मानते हुए अपनी चार्जशीट में पुलिस कर्मियों को क्लीनचिट दी है।

बागपत के एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने कहा, सीबीआई की चार्जशीट दाखिल करने के बारे में यहां अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस बारे में अन्य स्रोत से जानकारी मिली है और चार्जशीट लौटाने के बारे में पता चला है। अधिकारिक जानकारी मिलने पर ही कुछ बताया जा सकता है।

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,738.45
+89.83 +0.12% ↑
एनएसई :22,368.00
31.60 (0.14%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 74,060/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 82,765/- (प्रति किलोग्राम)

दादी से लेकर पोता छह दशकों तक हटाते रहे गरीबी

नहीं हटा पाए तो देश ने उन्हें ही हटा दिया: योगी

गोरखपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहली बार देश के अंदर पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस मोदी जी के कारण आया है।

इसका सर्वाधिक लाभ गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को मिला है। कांग्रेस, सपा व अन्य कई दलों का इंडी गठबंधन मोदी जी की जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की उपलब्धियों से बौखलाहट में है। इसी बौखलाहट के चलते कांग्रेस, सपा और उसके सहयोगी दल चुनाव में सामाजिक वैमनस्यता फैलाने की विभाजनकारी राजनीति पर आमादा हैं। जनता इनके मंसूबे को जानती है। इन्हें डकैती डालने की छूट नहीं देगी।

मंगलवार सुबह गोरखपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने 1970 के दशक में गरीबी हटाओ का नारा दिया था लेकिन छह दशक से अधिक शासन करने के बावजूद वह कभी गरीबी हटा नहीं पाई। छह दशक से अधिक समय तक दादी से लेकर पोते तक

इसी नारे से देश की जनता की आंखों में धूल झोंकने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सही मायने में अगर देखा जाए तो गरीबी हटाने और गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ईमानदारी से, बिना भेदभाव हर व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दस वर्ष के कार्यकाल में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से उबरकर खुशहाल जीवन जी रहे हैं।सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में चार करोड़ गरीब परिवारों को मकान मिला और अगले पांच साल में तीन करोड़ और लोगों को मकान देने का लक्ष्य भाजपा के संकल्प पत्र में दर्शित है। मोदी जी के शासन में गरीब कल्याण के कार्यों की एक लंबी श्रृंखला है। इसमें बारह करोड़ घरों में शौचालय बने, 50 करोड़ लोगों के जनधन एकाउंट खोले गए, 80 करोड़ लोगों को चार साल से मुफ्त राशन की सुविधा मिल रही है, 60 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपए की स्वास्थ्य बीमा का कवर मिला, 10 करोड़ गरीबों को निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन मिले, 12 करोड़ किसानों को सम्मान निधि का लाभ मिला।सीएम योगी ने कहा कि आजादी के 70 वर्षों तक देश के अंदर सबसे अधिक समय तक कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने राज किया लेकिन उसके कुशासन के चलते करोड़ों लोग मकान, बिजली, नल, इलाज की सुविधा, शौचालय, रसोई गैस जैसी बुनियादी जरूरतों से वंचित रहे। गरीबों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखने की दोषी कोई और नहीं, कांग्रेस और उसके पार्टनर हैं।

जबकि इन करोड़ों वंचितों के जीवन में खुशहाली लाने वाले पीएम मोदी हैं। सीएम योगी ने कहा कि वास्तव में गरीब कल्याण की उपलब्धियां भाजपा सरकार के मूलमंत्र बिना भेदभाव, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का साकार रूप हैं। कभी मोदी जी ने यह नहीं कहा कि ये मैंने किया। उन्होंने हमेशा कहा कि यह सबका विश्वास है, सबका प्रयास है। आज भी मोदी जी अपने भाषण में इस बात को कहते हैं कि जनता को जो सबकुछ मिला है इसका श्रेय मुझे नहीं, जनता जनार्दन को है। क्योंकि, जनता जनार्दन ने अपने लोकतांत्रिक अधिकार की कीमत को समझा है। अपने वोट को सही जगह दिया तो उसका लाभ सही तरीके से मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, सपा और समूचे इंडी गठबंधन पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह की राजनीति करके इंडी गठबंधन देश के साथ धोखा और गद्दारी कर रहा है।

हनुमान जयंती के अवसर पर मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी, विष्णु दास, सुरेश कुमार सोनी, रामपाल सोनी, कैलाश सोनी व अन्य।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, No.16118793N Hav VIVEK A, R/o.6/156, Vill & Po : Ilayarasanendal, Teh:Kovilpatti, Dist:Thoothukudi (Tuticorin), Tamilnadu-627713 that my son name is to be changed from **KIRTHIK** to **KIRTHIK V**, vide affidavit dt:22-4-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB

I, No.JC 313805P Sub PALLA RAJESH, R/o.65-3-468, Ex.Servicemen Colony, Vill:Sriharipuram, Po:Malkapuram, Teh and Dist:Visakhapatnam, A P-530011 that my mother **PALLA SAROJINI** Date of Birth is to be changed from **01-01-1962** to **01-08-1965** vide affidavit dt:22-4-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB

I, No.JC 313805P Sub PALLA RAJESH, R/o.65-3-468, Ex.Servicemen Colony, Vill:Sriharipuram, Po: Malkapuram, Teh and Dist:Visakhapatnam, A P, that my father **PALLA VENKATA RAMANA** Date of Birth is to be changed from **01-01-1959** to **15-06-1962** vide affidavit dt:22-4-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME

I, Arti Singh is legally wedded spouse of No-15708389M, Rank-Hav (EFS), Name Mukesh Kumar Singh, Presently residing at Vill-Bari Musehari, Post-Bari Musehari, Teh-Chapra, Dist- Chapra, State-Bihar & Pin-841414. I have changed my name from **ARTI DEVI** to **ARTI SINGH** for all purpose vide affidavit dated: 20/04/2024

CHANGE OF NAME

I, Service No JC-770211M Rank-Sub, Name-Kurban presently residing at EME Depot Bn,C/o 56 APO, Secunderabad (TS), PIN-500015 have changed my daughter name from AAISHA to AAISHA ALI add in my service documents Before Notary C Samuel Secunderabad dated 23/04/2024.In future, I will be known by AAISHA ALI.

मोदी को गैर-राजनीतिक हस्तियों एवं महिलाओं का समर्थन बढ़ा : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में गैर-राजनीतिक हस्तियों और महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर प्रकाश डाला। श्री रेड्डी ने अपने सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत सनथनगर में आयोजित एक चुनाव अभियान के दौरान सभी मतदान केन्दों के अध्यक्षों और समन्वयकों को शामिल करके मतदान केंद्र नेटवर्क को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने मतदाताओं तक पहुंचने के लिए घर-घर जाकर प्रचार अभियान की वकालत की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से 85 वर्ष से अधिक उम्र के पात्र बुजुर्ग मतदाताओं के नामों की सूचियां तैयार करने का आग्रह किया।किशन रेड्डी ने श्री मोदी के निर्देश के अनुसार, प्रभाग अध्यक्षों, सचिवों और मतदान केंद्र अध्यक्षों को सहयोग करने और तत्काल कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, उन्होंने घर-घर अभियान के महत्व पर जोर देते हुए पंद्रह दिन के भीतर कम से कम तीन बार घर-घर जाने का सुझाव दिया। उन्होंने फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार जैसे नारों के प्रचार को प्रोत्साहित करते हुए प्रमुख मतदाताओं, सामुदायिक नेताओं को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

केंद्र में सरकार बनाने के लिए बीआरएस जैसी पार्टियां होंगी किंग मेकर : केटीआर

इंडिया गठबंधन 100-150 से ज्यादा सीटें नहीं जीतेगा

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मंगलवार को कहा कि किसी भी गठबंधन को केंद्र में सरकार बनाने के लिए बीआरएस जैसी पार्टियों का समर्थन लेना होगा और यह भी दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया ब्लॉक 100-150 से ज्यादा सीटें नहीं जीतेगा। कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को 100-150 से अधिक सीटें नहीं मिलेंगी और किसी भी गठबंधन को केंद्र में सरकार बनाने के लिए बीआरएस जैसी पार्टियों का समर्थन लेना होगा।

केटीआर ने यह दावा राजेंद्रनगर में चेवेल्ला लोकसभा क्षेत्र के बीआरएस प्रत्याशी कासनी ज्ञानेश्वर के लिए एक रोड शो को संबोधित करते हुए किया।

केटीआर ने कहा कि पहली बार पिछड़े वर्ग का कोई उम्मीदवार चेवेल्ला में मैदान में है, कासनी ज्ञानेश्वर एक मजबूत नेता हैं जिन्होंने कमजोर वर्गों को एकजुट किया है। उन्होंने तेलंगाना के लोगों से बीआरएस उम्मीदवारों को चुनने की अपील की ताकि पार्टी केंद्र में अपनी भूमिका निभा सके। उन्होंने दावा करते हुए कहा, अगर बीआरएस 8 से 10 सीटें जीतती है, तो केंद्र सरकार हमारी बात मानेगी। उन्होंने दावा किया कि अकेले बीआरएस ही तेलंगाना के हितों की रक्षा कर सकती है।

केटीआर ने बीआरएस छोड़ने के लिए कांग्रेस उम्मीदवार रंजीत रेड्डी की भी आलोचना करते हुए कहा कि लोग उन हाथों को काटते हैं जिन्होंने उन्हें खाना खिलाया। 2019 का चुनाव जीतने वाले रंजीत रेड्डी बीआरएस द्वारा कासनी ज्ञानेश्वर को मैदान में उतारने के फैसले के बाद कांग्रेस में शामिल हो गए थे। उन्होंने लोगों से उन दलबदलुओं को सबक सिखाने का आग्रह किया, जिन्होंने कठिन समय का सामना करते समय पार्टी छोड़ दी थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी झूठे वादे करके राज्य की सत्ता में आई है। उन्होंने लोगों से अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए सत्तारूढ़ दल से सवाल करने का आग्रह किया। वह जानना चाहते थे कि सत्ता में आते ही किसानों का कर्ज माफ करने के कांग्रेस के वादे का क्या हुआ।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी एक बार फिर लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पिछले 10 वर्षों के दौरान केसीआर के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार द्वारा लागू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं को याद किया।

खम्मम लोकसभा टिकट को लेकर कांग्रेस अभी भी असमंजस में

नामांकन दाखिल करने में सिर्फ दो दिन बचे शेष

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने में सिर्फ दो दिन बचे हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अभी तक खम्मम सीट के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। तीन मंत्रियों के परिवार के सदस्यों और कुछ अन्य लोगों के टिकट के इच्छुक होने के कारण, पार्टी नेतृत्व को एक उम्मीदवार चुनना मुश्किल हो रहा है। मामला बेंगलुरु तक पहुंच गया हैं। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कथित तौर पर सोमवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात की। बाद में दोनों मंत्रियों ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं, जो बेंगलुरु में थे। पार्टी सूत्रों ने कहा कि खड़गे ही अंतिम फैसला लेंगे। भट्टी विक्रमार्क की पत्नी नंदिनी और श्रीनिवास रेड्डी के भाई प्रसाद रेड्डी टिकट के प्रबल दावेदार हैं। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव अपने बेटे युगांधर के लिए टिकट चाहते हैं। हालांकि, मंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। जबकि श्रीनिवास रेड्डी और नागेश्वर राव दोनों नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे, विक्रमार्क एक वरिष्ठ नेता हैं, जो वर्षों से कांग्रेस पार्टी के प्रति वफादार रहे हैं। चूंकि विक्रमार्क के भाई मल्लू रवि नगरकुर्नूल से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, इसलिए पार्टी नेताओं का एक वर्ग उनके परिवार के किसी अन्य सदस्य को टिकट देने का विरोध कर रहा है। वारंगल के पूर्व सांसद आर सुरेंद्र रेड्डी के बेटे आर रघुरामी रेड्डी भी दौड़ में हैं। कांग्रेस हलकों में ऐसी अटकलें हैं कि पार्टी पूर्व मंत्री मंडावा वेंकटेश्वर राव को भी मैदान में उतार सकती है, जो निज़ामाबाद जिले से आते हैं।

चूंकि खम्मम में पार्टी के अधिकांश नेता स्थानीय उम्मीदवार को मैदान में उतारने के लिए दबाव डाल रहे हैं, इसलिए नेतृत्व नंदिनी या प्रसाद रेड्डी को टिकट आवंटित करने की संभावना है।

चूंकि खम्मम कांग्रेस पार्टी का गढ़ है, इसलिए टिकट के लिए कई दावेदार हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका चौधरी भी एक दावेदार थीं लेकिन उन्हें हाल ही में राज्यसभा के लिए नामांकित किया गया था। कांग्रेस पार्टी के राज्य नेतृत्व ने हाईकमान से पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी या वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी को खम्मम से मैदान में उतारने का अनुरोध किया था, लेकिन हाईकमान ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उम्मीदवार की घोषणा में देरी से पार्टी कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है और पार्टी की चुनाव तैयारियों पर असर पड़ा है, जबकि भाजपा और बीआरएस दोनों ही प्रचार में आगे हैं। हालांकि कांग्रेस नेतृत्व ने आधिकारिक तौर पर तीन लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, पार्टी नेतृत्व की मंजूरी के बाद वेलिचेला राजेंद्र राव ने सोमवार को करीमनगर लोकसभा सीट के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।कांग्रेस ने भी हैदराबाद लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है।

हालांकि हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी के प्रमुख समीर वलीउल्लाह कथित तौर पर अपना नामांकन दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी पहले ही 14 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। विधानसभा चुनावों में अपनी जीत से उत्साहित पार्टी अधिकतम लोकसभा सीटें जीतने को लेकर आश्वस्त है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को तीन सीटें मिली थीं। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी विश्वास जता रहे हैं कि कांग्रेस 12 सीटें जीतेगी।

पीएम मोदी के संपत्ति बांटने वाले बयान पर भड़के अकबरुद्दीन ओवैसी

हम घुसपैठिए नहीं, इस मुल्क के बाशिंदे हैं

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के चीफ असदुद्दीन ओवैसी के भाई अकबरुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोगों की संपत्ति लेकर घुसपैठियों को बांट देने के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि हम इस मुल्क के घुसपैठिए नहीं, मुल्क के बाशिंदे हैं। अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा, पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि वो मुसलमान को बच्चा पैदा करने वाला कहते हैं। यह मुल्क हमारा था, हमारा है और हमारा रहेगा। हमें निकालने वाला कोई पैदा नहीं हुआ है। पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी इंडिया शाइनिंग की बात करते हैं। उन्होंने आगे कहा, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिवार में सात बच्चे हैं। गृह मंत्री अमित शाह के परिवार में भी सात बच्चे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिवार में छह बच्चे हैं। हम वे लोग हैं जिन्होंने इस देश को ताजमहल, कुतुब मीनार, लाल किला, जामा मस्जिद और चार मीनार दिए हैं। हमने इस देश को सजाया है। हम घुसपैठिए नहीं हैं। हम इस राष्ट्र के हैं। यह देश हमारा है और हमारा ही रहेगा। बताते चलें कि पीएम मोदी ने रविवार को कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो वह लोगों की संपत्ति लेकर मुसलमानों को बांट देगी। पीएम मोदी ने ये बात पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक बयान का हवाला देते हुए कही थी, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यक समुदाय का है।

पीएम मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि ये अर्बन नक्सल वाली सोच मेरी माताओ- बहनों ये आपका मंगलसूत्र भी बचने नहीं देंगे। इस हद तक चले जाएंगे। उन्होंने दावा करते हुए कहा था कि ये कांग्रेस का घोषणापत्र कह रहा है कि वे माताओं बहनों के सोने का हिसाब करेंगे, उसकी जानकारी लेंगे और फिर उस संपत्ति को बांट देंगे। उनको बांटेंगे जिनके बारे में मनमोहन सिंह की सरकार ने कहा था कि संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। उन्होंने कहा था, पहले जब उनकी सरकार थी, उन्होंने कहा था की देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इसका मतलब ये संपत्ति इकट्ठी करके किसको बांटेंगे?.. जिनके ज्यादा बच्चे हैं उनको बांटेंगे।

तेलंगाना में गरज-चमक के साथ तूफान का अनुमान

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, विकाराबाद, संगारेड्डी और कामारेड्डी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अगले 24 घंटों के दौरान बिजली चमकने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने का अनुमान है।मौसम विभाग ने मंगलवार को एक दैनिक मौसम रिपोर्ट में यह जानकारी दी। उसने बताया कि बुधवार को राज्य के आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल और निज़ामाबाद जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। इस दिन तेलंगाना के भद्राद्रि कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, महबूबनगर, नागरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिलों में अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति बने रहने का अनुमान है।

अगले 48 घंटों में और 27 से 29 अप्रैल तक राज्य में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने या गरज के साथ छींटें पड़ने का अनुमान है।गुरुवार को तेलंगाना के भद्राद्रि कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, नागरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिलों में गुरुवार को अलग-अलग इलाकों में लू की स्थिति बने रहने का अनुमान है। इसके अगले दिन शुक्रवार को राज्य के पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्रि कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिलों में भी यही स्थिति बने रहने का अनुमान है।तेलंगाना के भद्राद्रि कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, महबूबाबाद, महबूबनगर, नगरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिलों में अलग-अलग इलाकों में शनिवार को लू की स्थिति बने रहने के आसार हैं। राज्य में 25 और 26 अप्रैल को मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि हुई। इसी अवधि के दौरान राज्य में एक-दो स्थानों पर बारिश भी हुई। रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को सबसे अधिक तापमान आदिलाबाद में 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.